हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

STATUE OF UNITY
एक भारत, श्रेष्ठ भारत

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

एकता दिवस
31 अक्तूबर

सरदार वल्लभभाई पटेल
की 150वीं जयंती के अवसर पर
कृतज्ञ राष्ट्र का शत-शत नमन

प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
भारत के लौह पुरुष को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे
और उनकी स्मृति में राष्ट्र को संबोधित करेंगे

इस एकता दिवस पर, आइए अपने जिले में हो रही 'रन फॉर यूनिटी' में अधिक से अधिक संख्या में हिस्सा लें और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को और मजबूत बनाएँ

एकता दिवस कार्यक्रम

- एकता परेड
- ब्रास बैंड प्रदर्शन
- घोड़े, श्वान और ऊँट के सैन्यदल
- महिला कलाकारों द्वारा मार्शल आर्ट का प्रदर्शन
- बीएसएफ डॉग शो (स्वदेशी नस्ल)
- डेयरडेविल राइडर्स का प्रदर्शन
- स्कूल बैंड प्रस्तुति
- भारतीय वायु सेना द्वारा एयर शो
- "लौह-पुरुष" - सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर आधारित एक नाट्य प्रस्तुति
- एकता प्रकाश उत्सव का आयोजन
- भारत पर्व के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर तक राज्यों में प्रदर्शनियाँ

"राष्ट्र को एकजुट करने में सरदार पटेल के अमूल्य योगदान का राष्ट्रीय एकता दिवस सम्मान करता है। आइए, इस दिन हम अपने समाज में एकता के बंधन को और मजबूत बनाएं।"

-नरेन्द्र मोदी

CBC 19101/13/0022/2526

दिनांक: शुक्रवार, 31 अक्तूबर 2025

स्थान: परेड ग्राउंड, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, एकता नगर, गुजरात

समय: सुबह 7 बजे से

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीडी न्यूज़ पर किया जाएगा

समाज की मुख्यधारा में लौटे एक महिला सहित तीन माओवादी

आत्मसमर्पित नक्सलियों को 50–50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान

हरिभूमि न्यूज/कोण्डागांव जिले में खोखली माओवादी विचारधारा को त्यागकर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के उद्देश्य से तीन माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें एक महिला माओवादी भी शामिल है। आत्मसमर्पित महिला नक्सली पूर्वी बस्तर डिवीजन की सप्लाई टीम सदस्य थी, जबकि दो पुरुष माओवादी मातला एवं किसकोड़ो क्षेत्र में डीएकेएमएस सदस्य के रूप में सक्रिय थे।

आंतरिक मतभेद और विकास कार्यों से प्रभावित होकर किया आत्मसमर्पण

पुलिस के अनुसार, लगातार चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों, संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद, शीर्ष लीडरों के आत्मसमर्पण तथा सुरक्षित पारिवारिक जीवन जीने की इच्छा के चलते इन माओवादियों ने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। साथ ही छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति–2025 और नियद नेल्ला नार योजना' के व्यापक प्रचार, ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क और अन्य योजनाओं के लाभ से लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है जिससे यह आत्मसमर्पण संभव हुआ।

सकारात्मक पुलिसिंग और विकास का परिणाम

आईजी बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. एवं डीआईजी उत्तर बस्तर अमित तुकाराम काम्बले के निर्देशन में कोंडागांव पुलिस द्वारा लगातार नक्सल विरोधी अभियान और सिविक एक्शन कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी, ग्राम स्तर पर संवाद और पुनर्वास नीति की जागरूकता से नक्सल प्रभावित इलाकों में लोगों का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। इसी के चलते अब माओवादी स्वेच्छा से आत्मसमर्पण कर शांति और विकास की राह पर लौट रहे हैं।

इन्होंने किया समर्पण

समर्पण करने वालों में सिरबत्ती उर्फ बत्ती कोर्राम पूर्वी बस्तर डिवीजन सप्लाई टीम सदस्य 1 लाख इनामी नक्सली, कई मामलों में संलिप्त। जगत राम यादव डीएकेएमएस सदस्य मातला क्षेत्र, पुलिस मुखबिरी के शक में हत्या के प्रकरण में शामिल। लच्छन डीएकेएमएस सदस्य किसकोड़ो क्षेत्र, मतदान सामग्री लूट और पुलिस पर हमले के कई मामलों में नामजद।

पुलिस अधीक्षक के समक्ष किया आत्मसमर्पण

आत्मसमर्पण कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑप्स रूपेश डांडे, डीएसपी ऑप्स सतीश भार्गव, सीआरपीएफ 188वीं और 12वीं बटालियन के अधिकारी उपस्थित रहे। तीनों माओवादियों को शासन की नीति के तहत 50–50 हजार की प्रोत्साहन राशि तत्काल प्रदान की गई।

खबर संक्षेप

11.75 लाख की सट्टा-पट्टी के साथ एक गिरफ्तार

राजनांदगांव। पुलिस ने गुरुवार को सट्टा-पट्टी, नगदी और कार समेत कुल 12.74 लाख रुपए की संपत्ति के साथ शहर के पुराने सटोरिये जिला सहकारी बैंक के पीछे बल्देवबाग निवासी अनुप यादव उर्फ मुंडु पिता राजेश यादव (29) को गिरफ्तार किया गया। पुराने रिकार्ड को देखते हुए उसे जेल भेज दिया गया। आईपीएस अंकिता शर्मा के यहां पदस्थापना आदेश जारी होते ही सटोरियों ने काम समेट लिया था। नई एसपी ने तीन दिन पहले ही प्रभार लिया है। उसके तुरंत बाद उन्होंने सभी प्रमुख पुलिस अधिकारियों की बैठक में दो टूक कहा था कि जुआ-सट्टा और शराब के साथ नशे के कारोबार पूरी तरह बंद होना चाहिए। इसके बाद भी कुछ सटोरिये सक्रिय होकर दुर्ग में पट्टी भेज रहे थे। सूचना पर गुरुवार को कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। कोतवाली थाना प्रभारी नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व में अभियान के दौरान अनुप यादव को अवैध रूप से धन अर्जित करने की गरज से कार (सीजी 08-एयू-1672) के अंदर बैठकर मोबाइल के माध्यम से सट्टा-पट्टी लिखते पकड़ा गया। पोस्ट आफिस चौक पर फ्लाई ओवर के नीचे से उसे दबोचा गया। आरोपित के कब्जे से कार, चार हजार रुपए, व्हाटसअप पर सट्टा की आठ पर्ची, 70 हजार के दो मोबाइल फोन समेत 12.74 लाख रुपए की जब्ती की गई।

रीएजेंट की कमी, नया शपथ पत्र दे सीजीएमएससी

बिलासपुर। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रीएजेंट की कमी के मामले में हाईकोर्ट ने सीजीएमएससी को नया शपथ पत्र देने कहा है। इसमें बताना होगा कि रिएजेंट की कमी किस तरह से दूर की जा रही है। इसके साथ ही पिछली बार जो सीजीएमएससी ने इसके लिए टेंडर करने की बात कही थी उसमें क्या हुआ, इसकी जानकारी भी देनी होगी। इधर शासन की ओर से कहा गया कि बाजार से रीएजेंट की खरीदी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों विशेष रूप से जिला अस्पताल बिलासपुर में रीएजेंट की कमी पर सुनवाई चल रही है। मामले में आज चीफ जस्टिस की डीबी में हुई सुनवाई में सीजीएमएससी की ओर से बताया गया कि अब सीधे खुले बाजार से ही खरीदी हो रही है। ज्ञात हो कि रिएजेंट की कमी के कारण कई सरकारी अस्पतालों की लैब में खून की जांचें बंद होने से गरीब मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें मजबूरन निजी पैथालॉजी सेंटरों में जाकर जांच करवानी पड़ रही है, जो उनके लिए आर्थिक रूप से कठिन है। इस कमी के कारण बिलासपुर, बलौदाबाजार, कोरबा, दंतेवाड़ा, कवर्धा, गरियाबंद, मुंगेली, नारायणपुर, राजनांदगांव, सुकमा, बलरामपुर, और गौरेला पेंड्रा मरवाही सहित कई जिलों में रिएजेंट किट की कमी के कारण खून की जांचें बंद पड़ी हैं। हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए कड़ी टिप्पणी की थी कि स्वास्थ्य विभाग में खरीदी गई लाखों की मशीनें सिर्फ रखने के लिए नहीं होनी चाहिए। इनसे जांच हो और नियमित समय पर रिपोर्ट मिले, इसकी व्यवस्था सरकार और स्वास्थ्य विभाग को करनी होगी। कोर्ट कमिश्नरों से भी जानकारी मांगी गई थी जिस पर उन्होंने कहा था कि, बायोकेमेस्ट्री मशीन और हार्मोनल एनालाइजर मशीन के लिए रीएजेंट की कमी है।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर भाजपा की कार्यशाला

सीएम साय बोले- जनजातीय समाज में देश के लिए संघर्ष करने की परंपरा

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में जनजाति गौरव दिवस एवं भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर कार्यशाला में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, जनजातीय गौरव दिवस की शुरुआत 2021 में हुई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र की भाजपानीत सरकार ने इसे आधिकारिक तौर पर घोषित किया। प्रधानमंत्री ने 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुण्डा की स्मृति में जनजातीय गौरव दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में भी इसे भव्य रूप से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह सोचकर गर्व होता है कि अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों का जन्म जनजातीय समाज में हुआ। अपने देश के लिए संघर्ष करने की परम्परा जनजातीय समाज में प्रारंभ से रही है। शहीद वीर नारायण सिंह, गैंदसिंह, गुण्डाधूर जैसे अनेक महान नायकों ने अपना बलिदान दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, भगवान बिरसा मुण्डा का शौर्य हमें जीवन में साहस की राह दिखाता है। उन्होंने शोषण मुक्त समाज का सपना देखा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हीं की परिकल्पना के अनुरूप प्रधानमंत्री जनमन योजना प्रारंभ कर विशेष पिछड़ी जनजाति लोगों के जीवन में समृद्धि लाने का प्रयास किया है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा, 15 नवंबर को जनजाति गौरव दिवस पूरे देश में मनाया जाएगा। भगवान बिरसा मुण्डा देश के इतिहास में ऐसे नायक रहे, जिन्होंने आदिवासी समाज की दिशा और दशा बदलकर रख दी। प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और बलिदान को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा, भाजपा ने प्रदेश में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश के जनजाति समाज को लोगों को गौरान्वित किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश विकास के नए आयाम गढ़ रहे हैं। कार्यशाला में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, सांसद महेश कश्यप, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, अखिलेश सोनी, डॉ. नवीन मार्कण्डेय, विधायक प्रबोध मिंज, पूर्व विधायक सुनीति राठिया एवं सुमित्रा मारकोले सहित मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एक दिन पहले घर से लौटा था स्कूल

नवोदय के विद्यार्थी ने हॉस्टल में लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

दंतेवाड़ा जिले के बारसूर नवोदय विद्यालय में छठवीं में पढ़ने वाले छात्र ने फांसी लगा ली। गुरुवार सुबह हॉस्टल बाथरूम के पीछे गमछे के फंदे से लटकता हुआ शव मिला। बताया जा रहा है कि वह एक दिन पहले ही छुट्टी से स्कूल लौटा था, तब से काफी उदास था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना बारसूर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी अनुसार सुनील पोडियामी उम्र 11 वर्ष कटेकल्याण के गाटम का रहने वाला था। पिता खेती-किसानी का काम करते हैं। इसी साल छात्र का बारसूर नवोदय विद्यालय में एडमिशन हुआ था। वह दीपावली की छुट्टी पर घर गया हुआ था। एक दिन पहले 29 अक्टूबर को वह छुट्टी से घर लौटा था। परिजन उसे स्कूल में छोड़कर गए थे। साथी बच्चों की मानें तो वह काफी रो रहा था। वह स्कूल में रहना नहीं चाह रहा था, वह बहुत उदास था। वहीं आज सुबह उसने हॉस्टल बाथरूम के पीछे गमछे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। स्कूल के अन्य बच्चों ने शव देखा और इसकी जानकारी स्कूल स्टाफ को दी गई। स्टाफ ने जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस मामले में एसडीओपी गोविंद सिंह दीवान ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि बच्चे ने आखिर सुसाइड क्यों किया है।

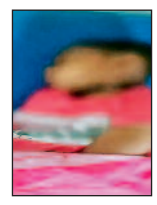

थम नहीं रहा छोटे बच्चों की आत्महत्या का सिलसिला

बस्तर संभाग के हास्टलों में रहने वाले छोटे बच्चों की आत्महत्या की सिलसिला थम नहीं रहा है। छोटे बच्चों कैसे आत्महत्या कर ले रहे हैं, इसकी अच्छे तरीके से जांच नहीं हो पा रही है। बच्चे कहीं खिड़की, कहीं पंखे तो बाथरूम के पास आत्महत्या क रहे हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

सभी लैब टेक्नीशियनों को दिया जाए 2800 का ग्रेड पे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश में राज्य सरकार को यह निर्देश दिया है कि सभी लैब टेक्नीशियनों को 2800 का ग्रेड पे प्रदान किया जाए। न्यायालय ने यह माना कि समान योग्यता, समान कार्य और समान दायित्व वाले कर्मचारियों को अलग-अलग वेतनमान देना प्राकृतिक न्याय और समानता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं का ग्रेड पे उनकी नियुक्ति की तिथि से 2800 निर्धारित किया जाए तथा दो माह के भीतर सभी बकाया राशि 6% वार्षिक ब्याज सहित अदा की जाए। इसके अतिरिक्त, भविष्य में वेतन निर्धारण भी इसी अनुसार करने का आदेश दिया गया।

■ समान योग्यता, समान कार्य और समान दायित्व वाले कर्मचारियों को अलग-अलग वेतनमान देना प्राकृतिक न्याय और समानता के खिलाफ

याचिकाकर्ताओं की ओर से यह कहा गया कि 2 मई 2014 को जारी भर्ती विज्ञापन में लैब टेक्नीशियन के 26 पदों के लिए वेतनमान 5200–20200 के साथ 2800 ग्रेड पे स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था। इसके बावजूद, चयन के बाद जारी नियुक्ति आदेशों में ग्रेड पे घटाकर 2400 कर दिया गया। याचिकाकर्ताओं ने इस परिवर्तन को मनमाना, अवैध और संवैधानिक समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) का उल्लंघन बताया। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपक कुमार तिवारी की एकलपीठ के समक्ष यह तथ्य प्रस्तुत किया गया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा 30 मार्च 2013 और 7 मई 2013 को जारी आदेशों के माध्यम से कुछ पदों को 2800 और कुछ को 2400 ग्रेड पे के साथ स्वीकृत किया गया था। यही कारण था कि एक ही विज्ञापन और समान कार्य वाले कर्मचारियों के बीच वेतन असमानता उत्पन्न हुई।

वेतन में भेदभाव अनुचित और सिद्धांत के विपरीत

यह याचिका अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी द्वारा दाखिल की गई थी और अधिवक्ता दानिश सिद्दीकी ने इस मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से बहस की। उन्होंने तर्क दिया कि जब कार्य, योग्यता और उत्तरदायित्व एक समान हैं, तो वेतन में भेदभाव न केवल अनुचित है, बल्कि समान कार्य के लिए समान वेतन के संवैधानिक सिद्धांत के विपरीत भी है। राज्य की ओर से पेश अधिवक्ता ने भी स्वीकार किया कि प्रदेश के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में लैब टेक्नीशियनों को पहले से ही 2800 का ग्रेड पे दिया जा रहा है, जैसा कि छत्तीसगढ़ चिकित्सा शिक्षा विभाग अलीपिक वर्गीय तृतीय श्रेणी सेवा भर्ती नियम, 2015 (राजपत्र में 25 सितंबर 2015 को प्रकाशित) के अनुसूची-1, क्रमांक 28 में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि यह समझ से परे है कि एक ही पद के लिए दो अलग-अलग वेतन संरचनाएं कैसे बनाई जा सकती हैं। अदालत ने पाया कि चूकि 2015 के नियमों में लैब टेक्नीशियन के लिए ग्रेड पे 2800 निर्धारित है, इसलिए 2400 ग्रेड पे देना नियमविरुद्ध और अनुचित है।

बेमेतरा हादसा : आरोपी चालक के पिता ने की शिकायत, 13 पर जुर्म दर्ज

बेमेतरा। तेज रफ्तार की डिफेंडर ने एक परिवार की जिंदगी उजाड़ दी। उसी के बाद मची तोड़फोड़ पर अब पुलिस ने अलग मामला दर्ज कर किया है। बताया जा रहा है कि इनमें कई स्थानीय राजनीतिक दलों के सक्रिय चेहरे शामिल है। दरअसल रविवार रात बेमेतरा-रायपुर मार्ग पर कंतेली के पास हुई भीषण दुर्घटना ने पूरे जिले को दहला दिया। काली डिफेंडर चला रहा मेहर सिंह सलूजा उर्फ क्रिश (19 वर्ष) का वाहन बेकाबू होकर मालवाहक से भिड़ंत हो गई ओर सड़क पर दौड़ती डिफेंडर राह चलते अन्य राहगीर को चपेट में ले लिया। इस दुर्घटना में बगौद निवासी जीवन राम साहू की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद शहर में गुस्सा फूट पड़ा। लोगों ने आरोपी के घर और प्रतिष्ठान पर धावा बोल दिया, तोड़फोड़ की। आरोपी चालक मेहर सिंह सलूजा के पिता बलमीत सिंह सलूजा की शिकायत पर पुलिस ने 13 लोगों के विरुद्ध तोड़फोड़ का मामला दर्ज किया। बलमीत सिंह ने बताया कि उनके घर में लगे कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हुई है। पुलिस ने फुटेज जब्त कर लिया है। एसपी ने कहा है कि शिकायतों पर समान रूप से जांच चल रही है, जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी।

■ हादसे में एक की मौत हुई और पांच लोग घायल हुए थे

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंडरिया।

कबीरधाम जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रहमानकापा के पास गुरूवार शाम करीब 7 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान पंचम बैगा, प्रेमलाल बैगा और चीनी बैगा के रूप में की गई है। तीनों ग्राम सगौना के निवासियों के रूप में हुई है। बताया गया कि तीनों एक ही मोटर साइकिल पर सवार होकर बकेला से अपने घर सगौना लौट रहे थे। इसी दौरान रहमानकापा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार माजदा ट्रक ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। मृतक पंचम बैगा और प्रेमलाल बैगा आपस में साढ़ू भाई बताए जा रहे है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

रहमानकापा के पास हादसा, चालक फरार

मामला दर्ज किया गया

सूचना मिलते ही पंडरिया थाना पुलिस और 112 टीम घटनास्थल पर पहुंची और शवों का पंचनामा कर उन्हें पंडरिया के शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। यह हादसा पंडरिया से करीब 4 किलोमीटर दूर हुआ बताया जा रहा है।

गणेश ने कहा, आत्मसमर्पण करने व स्वयं को क्रांतिकारी कहने का नहीं है अधिकार

सीसी मेंबर चन्द्रन्ना के बयान की ओडिशा स्टेट कमेटी ने की निंदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

एक दिन पूर्व 28 अक्टूबर को केंद्रीय कमेटी सदस्य व तेलंगाना राज्य कमेटी सचिव कॉमरेड चंद्रन्ना ने तेलंगाना स्टेट के डीजीपी के सामने हैदराबाद में आत्मसमर्पण किया था। आत्मसमर्पण के दौरान उन्होंने कहा था कि मैं भविष्य में क्रांति के लिए जनता के बीच काम करूंगा। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए ओडिशा स्टेट कमेटी के अधिकार प्रतिनिधि गणेश ने पत्र जारी कर कहा कि यह उनकी गिर गई स्थिति के बारे में लोगों को धोखा देने का एक मुखौटा मात्र है। उन्हें आत्मसमर्पण करने और खुद को

प्रेस बयान

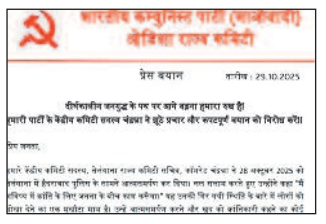

क्रांतिकारी कहने का कोई अधिकार नहीं है। चन्द्रन्ना ने यह भी कहा कॉमरेड देवजी को महासचिव चुना गया है, यह पूरी तरह से झूठ है। हमारी पार्टी के महासचिव कॉमरेड बसवराज के शहादत के बाद केंद्रीय कमिटी की कोई बैठक नहीं हुई। वर्तमान स्थिति में केंद्र सरकार ऑपरेशन कगार के नाम पर गंभीर हमले कर रही है। केंद्रीय कमेटी की बैठक आयोजित करने के लिए वर्तमान में कोई परिस्थितियां नहीं हैं।

आईजी ने कहा कि तथाकथित क्रांतिकारी आंदोलन अब एक खोखले खोल के रूप में उजागर हो चुका है, जिसे उसके अपने ही कैडर छोड़ चुके हैं और जिन समुदायों का वह वर्षों तक शोषण करता रहा उन्होंने भी उसे अस्वीकार कर दिया है। बस्तर तथा आसपास के क्षेत्रों में वरिष्ठ माओवादी नेताओं सहित लगातार हो रहे बड़े पैमाने पर आत्मसमर्पण इस स्पष्ट और अपरिवर्तनीय प्रवृत्ति को दर्शाते हैं हिंसा और विनाश की विचारधारा अब अप्रासंगिक हो चुकी है।

प्रामाणिकता और मौलिकता की हो रही जांच-आईजी

आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि हमारे संज्ञान में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ओडिशा राज्य समिति द्वारा 29 अक्टूबर को जारी किया गया एक तथाकथित प्रेस वक्तव्य आया है। इस वक्तव्य की प्रामाणिकता और मौलिकता की जांच की जा रही है। यदि यह माना जाए कि यह वक्तव्य वास्तव में किसी माओवादी केंद्रीय समिति सदस्य द्वारा जारी किया गया है, तो प्रथम दृष्टया यह ताकत का संदेश नहीं, बल्कि पराजय की स्वीकृति है। वक्तव्य दो महत्वपूर्ण तथ्यों को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। जिसमें पहला और सबसे महत्वपूर्ण, यह वक्तव्य माओवादी संगठन के भीतर बढ़ती निराशा और गहरी आंतरिक संकट को उजागर करता है। हाल ही में पोलित ब्यूरो सदस्य सोनू तथा केंद्रीय समिति के सदस्य सतीश उर्फ रूपेश, चंद्रन्ना आदि के आत्मसमर्पण के बाद माओवादी नेतृत्व स्पष्ट रूप से विचलित हो चुका है। अपनी साख बचाने के प्रयास में संगठन झूठे प्रचार, मनगढ़ंत दावों और क्रांति जारी रखने जैसे खोखले नारों का सहारा ले रहा है। ये खोखले शब्द अब इस अटल सत्य को नहीं छिपा सकते कि माओवादी संगठन पूरी तरह अव्यवस्था, नैतिक पतन और रणनीतिक असहायता की स्थिति में है तथा सभी प्रभावित राज्यों में घिर चुका है।

आनंद का सच्चा भाव*
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88428/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹108000/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117892/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
*Conditions apply
ANAND Jewels
Pandri, Raipur

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025

एसपीजी की रहेगी चप्पे-चप्पे पर निगरानी, पीएम के कार्यक्रमों के लिए संभाला मोर्चा

सज गया मेला उत्सव...अभनपुर, नवा रायपुर सहित आसपास के गांवों में हाईअलर्ट, कल आएंगे मोदी, वीआईपी रूट पर आवाजाही आज से बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्योत्सव समेत पांच बड़े और भव्य कार्यक्रमों में शिरकत करने 1 नवंबर को नवा रायपुर आएंगे। वीवीआईपी की सुरक्षा इंतजामों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मेलास्थल सज चुका है और नवा रायपुर के बड़े इलाके में एसपीजी ने मोर्चा संभाल लिया है। शुक्रवार से वीआईपी रूट पर आम लोगों की आवाजाही बंद हो जाएगी। सुरक्षा को देखते हुए नवा रायपुर, अभनपुर समेत आसपास के गांवों के 15 किमी एरिया को हाईअलर्ट जोन घोषित किया जा चुका है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी कार्यक्रमों में जिस रूट से आएंगे-जाएंगे, एसपीजी के जवानों ने गुरुवार को उन क्षेत्रों का निरीक्षण किया। एसपीजी जवानों के साथ ही पुलिस के अफसर मौजूद रहे। पुलिस अफसरों के अनुसार एसपीजी ⏭शेष पेज 5 पर

प्रधानमंत्री के मुख्यमंच से 60 फीट दूर होगी बैठने की व्यवस्था

हरिभूमि खास

इतने पुलिस अफसर पीएम के करीब होंगे

प्रधानमंत्री की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 95 पुलिस अफसरों की स्पेशल टीम बनाई गई है। इसमें से दो दर्जन अफसर प्रधानमंत्री के करीब रहेंगे। नवा रायपुर में ट्रैफिक व्यवस्था की मॉनिटरिंग आईपीएस रैंक के दो पुलिस अफसर करेंगे। यहां 16 स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था की गई है, पार्किंग सुचारू रूप से संचालित करने की जिम्मेदारी चार राजपत्रित पुलिस अफसरों की दी गई है।

आज से आवाजाही बंद

प्रधानमंत्री के साथ वीआईपी की जिन रूट से आवाजाही होगी, उस रूट पर शुक्रवार से सामान्य लोगों की आवाजाही बंद रहेगी। एयरपोर्ट जाने वाले शनिवार को पुराने टर्मिनल के गेट नंबर-4 से एयरपोर्ट पहुंच सकते हैं। एयरपोर्ट का मेन गेट जिस दिन प्रधानमंत्री ⏭शेष पेज 5 पर

तीन लेयर में रहेगी सुरक्षा

प्रधानमंत्री की सुरक्षा तीन लेयर में रहेगी। पहली तथा दूसरी लेयर में एसपीजी के अफसर-जवान रहेंगे। तीसरी लेयर में राज्य पुलिस के जवान रहेंगे। तीसरी लेयर की सुरक्षा में राजपत्रित पुलिस अफसरों के साथ टीआई स्तर के अधिकारी होंगे। पुलिस अफसरों की ड्यूटी चार्ट को अंतिम रूप देने का काम किया जा रहा है। शुक्रवार को पुलिस के ड्यूटी चार्ट को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। ड्यूटी चार्ट फाइनल होने के बाद संबंधित अफसरों की शुक्रवार से तैनाती की जाएगी।

पीएम मोदी 1 नवंबर को समाज के नाम करेंगे समर्पित

शांति का टापू बनेगा 'शांति शिखर'

रायपुर। नवा रायपुर के सेक्टर-20 में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारी संस्थान का भव्य शांति शिखर रिट्रीट सेंटर 'एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड' को 1 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समाज के नाम समर्पित करेंगे। लगभग दो एकड़ जमीन पर बना भवन देखने में राजस्थानी शैली के महल का अहसास देता है। यह पांच मंजिला भवन हाईटेक सुविधाओं से लैस है। ब्रह्माकुमारीज के देश-विदेश में स्थित रिट्रीट सेंटर में यह अपनेआप में सबसे अनोखा और आकर्षक है।

खबर संक्षेप

नक्सल विरोधी अभियान में इंस्पेक्टर शहीद

नई दिल्ली। झारखंड में माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुए सीआरपीएफ के 58 वर्षीय इंस्पेक्टर की गुरुवार को यहां एम्स में मौत हो गई। वह 20 दिन पहले झारखंड में माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

सड़क दुर्घटना में तीन की मौत, दो घायल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चंबा जिले के चुराह विधानसभा क्षेत्र में एक वाहन के 200 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा देवीकोटी-टेपा मार्ग पर हुआ, वाहन में सवार लोग एक विवाह समारोह से लौट रहे थे। मृतकों की पहचान वाहन चालक राजिंदर कुमार, पम्मी कुमार और

होमगार्ड कंपनी कमांडर रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। एसीबी की टीम ने गुरुवार को जयपुर में होमगार्ड पुलिस लाइन में पदस्थ एक कंपनी कमांडर को 4000 रुपए की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। कंपनी कमांडर चन्द्रशेखर शर्मा को गिरफ्तार किया गया है।

मुंबई में सनसनी...100 बच्चे आए थे स्टूडियो, 80 को भेज दिया था वापस

ऑडिशन देने आए थे मासूम, 17 बच्चों को बनाया बंधक, एनकाउंटर में मारा गया आरोपी

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के पवई में एक चौंकाने वाली घटना घटी है। 15 साल से कम उम्र के 17 बच्चों को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। बच्चों को ऑडिशन के लिए एक स्टूडियो में बुलाया गया था। आरोपी रोहित आर्य की पुलिस की गोली लगने से अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बाथरूम के रास्ते अंदर घुसकर सभी बंधक बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया था।

टाइम लाइन

- दोपहर-1.45 : पुलिस को 17 बच्चों के बंधक होने की सूचना मिली
- 2.00 : पुलिस घटनास्थल पहुंची, आरोपी से बातचीत की कोशिश की
- 2.30 : बॉथरूम के रास्ते ऑडिशन रूम में दाखिल
- 2.35 : आरोपी ने फायर किया, उसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की
- 2.45 : बच्चे को सकुशल बाहर निकाला, घायल आरोपी को अस्पताल भेजा गया
- 5.30 : आरोपी की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

सभी बच्चों का सकुशल किया गया रेस्क्यू

एजेंसी ⏭ मुंबई

मुंबई के पवई इलाके में बृहस्पतिवार को एक स्टूडियो के अंदर बंधक बनाए गए 17 बच्चों और दो व्यक्तियों को मुक्त करा लिया गया और इस अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में घायल हुए आरोपी ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। बच्चों को बंधक बनाने के आरोपी की पहचान 50 वर्षीय रोहित आर्य के रूप में हुई। एक अधिकारी ने बताया कि आर्य पर पुलिस ने उस समय गोली चलाई जब वह 'एयर गन' से बच्चों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने बताया कि बाद में अस्पताल में आर्य की मौत हो गई।

घटना के बारे में जब अमरावती में पत्रकारों ने पूछा तो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ⏭शेष पेज 5 पर

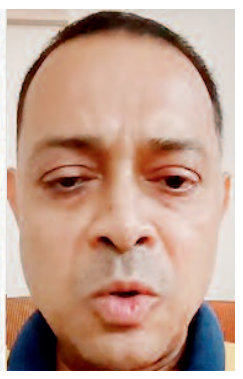

बंधक बनाने वाले ने कहा था उकसाया तो आग लगा दूंगा

आरोपी रोहित आर्य स्टूडियो में ही काम करता था। उसने एक वीडियो भी जारी किया था। इसमें उसने धमकी दी थी, मैं रोहित आर्य। मैंने आत्महत्या करने की जगह एक प्लान बनाया और कुछ बच्चों को यहां बंधक बनाया। मेरी कुछ ज्यादा मांगें नहीं हैं। मेरी कुछ नैतिक मांगें हैं। आपकी तरफ से एक छोटा सा कदम मुझे उकसा देगा और मैं पूरी जगह को आग लगाकर मर जाऊंगा। इससे बच्चों को बेवजह नुकसान होगा, वे निश्चित तौर पर डर जाएंगे। इसका जिम्मेदार मुझे न माना जाए।

बच्चों को ऐसे बचाया

इस बीच, स्टूडियो से बाहर आ रहे कुछ लोग घायल दिखाई दिए। राज्य भर के अलग-अलग जगहों से छात्र ऑडिशन के लिए यहां आए थे। पुलिस ने धैर्यपूर्वक आरोपी से बातचीत की। जब वह यह बातचीत कर रहा था, तभी उसे बड़ी ही चतुराई से हिरासत में ले लिया गया और बंधक बनाए गए बच्चों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया।

आरोपी ने ऐसा क्यों किया

दरअसल आरोपी ने कई सरकारी परियोजनाओं में पैसा लगाया था। उसने काफी पैसा लगाया था। इसमें उसे घाटा हुआ था। इसके लिए वह सरकार और संबंधित विभाग को जिम्मेदार ठहरा रहा था। इसके लिए उसने सरकार से संवाद करने या अपना बचाव करने के लिए यह खतरनाक कदम उठाया।

आरोपी रोहित आर्य

रोहित आर्य पुणे का रहने वाला है। जब शिवसेना नेता दीपक केसरकर शिक्षा मंत्री थे, तब उसे एक स्कूल प्रोजेक्ट का टेंडर मिला था, लेकिन रोहित आर्य का आरोप है कि उसे उस प्रोजेक्ट के पैसे नहीं मिले। शुरुआती जानकारी अब सामने आ रही है कि जब दीपक केसरकर मंत्री थे, तब उन्होंने अक्सर उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था।

कलेक्टर दिव्या की कोशिश रंग लाई

जलसंचय जनभागीदारी के लिए बालोद जिले को मिला 2 करोड़ का पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले ने नेशनल वाटर मिशन के अंतर्गत जल संचय जन भागीदारी अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस सफलता के लिए बालोद जिले को 2 करोड़ रुपयों का पुरस्कार मिला है। खास बात ये है कि जिले को यह उपलब्धि दिलाने में जिला कलेक्टर दिव्या मिश्रा का बड़ा योगदान रहा है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने इस उपलब्धि के लिए बालोद जिला प्रशासन के कामकाज की सराहना की है। इसके साथ ही इस सफलता के लिए ⏭शेष पेज 5 पर

डिप्टी सीएम साव ने सराहा

उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने इस संबंध में कहा है कि जल संचय आज की आवश्यकता है। जिस प्रकार भू-जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है ऐसे में जल संचय का काम बहुत आवश्यक है। सरकार इस दिशा में योजना बनाकर काम कर रही है। उसी का प्रतिफल है कि आज बालोद जिले को जल संचय ⏭शेष पेज 5 पर

जनभागीदारी से आगे भी करते रहेंगे काम

कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने इस संबंध में कहा है कि बालोद जिले ने यह जो उपलब्धि हासिल की है वह जनभागीदारी से संभव हो पाई है। आगे भी हम इसी प्रकार जनता के सहयोग से काम करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि जन भागीदारी से से पानी बचाने के लिए हमने एक लाख स्ट्रक्चर बनाए हैं।

सच्चा है, सेहत के लिए अच्छा है
वैद्यनाथ च्यवनप्राश स्पेशल

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा की डेटशीट जारी

12वीं की परीक्षाएं 17 अप्रैल से दो बार होंगे दसवीं के एग्जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने साल 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बड़ा ऐलान किया है। बोर्ड ने बताया है कि क्लास 10 और 12 दोनों की परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। सबसे खास बात यह है कि 2026 से सीबीएसई क्लास 10 के लिए साल में दो बार बोर्ड परीक्षा ⏭शेष पेज 5 पर

परीक्षा तिथियों में हुआ बदलाव

बोर्ड ने 21 फरवरी की परीक्षा में बदलाव करते हुए बिजनेस स्टडीज एंड एडमिनिस्ट्रेशन के स्थान पर ऑटोमोटिव और फैशन स्टडीज की परीक्षा रखी है। इसके अलावा अकाउंटेंसी, मनोविज्ञान, भूगोल समेत कई विषयों की तिथियों में भी संशोधन किया गया है।

जशपुर के आदिवासी युवाओं ने खोला नया मार्ग, 12 घंटे में पूरी की चढ़ाई

हिमाचल की 5340 मीटर ऊंची जगतसुख पीक पर 'विष्णु देव रूट'

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के आदिवासी युवाओं के एक दल ने भारतीय पर्वतारोहण के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। इस दल ने हिमाचल प्रदेश की दूहंगन घाटी (मनाली) में स्थित 5,340 मीटर ऊंची जगतसुख पीक पर एक नया आल्पाइन रूट खोला, जिसे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल के सम्मान में "विष्णु देव रूट" नाम दिया गया है। टीम ने यह चढ़ाई बेस ⏭शेष पेज 5 पर

नए पर्वतारोहियों के लिए अत्यंत कठिन : स्वप्निल

अभियान प्रमुख स्वप्निल राचेलवार ने बताया कि जगतसुख पीक का यह मार्ग नए पर्वतारोहियों के लिए अत्यंत कठिन और तकनीकी था। मौसम चुनौतीपूर्ण था, दृश्यता सीमित थी और ग्लेशियरों में छिपी दरारें बार-बार बाधा बन रही थीं। इसके बावजूद टीम ने बिना फिक्स रोप या सपोर्ट स्टाफ के यह चढ़ाई पूरी की। यही असली

सात नई क्लाइम्बिंग रूट्स भी खोले

"विष्णु देव रूट" के अलावा दल ने दूहंगन घाटी में सात नई क्लाइम्बिंग रूट्स भी खोले। इनमें सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि रही एक अनक्लाइम्ब्ड (पहले कभी न चढ़ी गई) 5,350 मीटर ऊंची चोटी की सफल चढ़ाई, जिसे टीम ने 'छुपा रुस्तम पीक' नाम दिया। इस पर चढ़ाई के मार्ग को 'कुर्कुमा' नाम दिया गया। जो हल्दी का वैज्ञानिक नाम है और भारतीय परंपरा में सहनशक्ति और उपचार का प्रतीक माना जाता है।

ये रहे पर्वतारोही दल में शामिल

अभियान का नेतृत्व स्वप्निल राचेलवार ने किया, उनके साथ राहुल ओगरा और हर्ष ठाकुर सह-नेता रहे। जशपुर के पर्वतारोही दल में रवि सिंह, तेजल भगत, रुसनाथ भगत, सचिन कुजुर और प्रतीक नायक शामिल थे। अभियान को प्रशासनिक सहयोग डॉ. रवि मित्तल (आईएएस), रोहित व्यास (आईएएस), शशि कुमार (आईएफएस) और अभिषेक कुमार ⏭शेष पेज 5 पर

कमजोर पड़ा मोंथा, लेकिन कई राज्यों में भारी बारिश

चक्रवाती तूफान तेलंगाना पर कमज़ोर होकर गहरे दबाव के क्षेत्र में बदला

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान

वारंगल, तेलंगाना

कोलकाता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो तीन दिनों तक कहर बरपाने के बाद, भीषण चक्रवाती तूफ़ान लगातार कमजोर हो रहा है। लेकिन, इसका असर कई राज्यों में देखा जा रहा है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी बारिश जारी है। यूपी के लखनऊ-कानपुर समेत 15 शहरों में बारिश हो रही है। काशी में बारिश से जलभराव हो गया है। नेपाल तक इस चक्रवात का असर है। मोन्था के प्रभाव से हुई अत्यधिक बारिश के बाद तेलंगाना के वारंगल और हनमकोंडा कस्बे गुरुवार को जलमग्न रहे। यह तूफान तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना पर कमजोर होकर एक गहरे दबाव के क्षेत्र में बदल गया। चक्रवात 'मोंथा' का असर शनिवार तक बने रहने की संभावना है।

विशाखापट्टनम

डेढ़ लाख एकड़ में फसल बर्बाद

चक्रवात मोन्था ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और उड़ीसा में काफी नुकसान किया है। आंध्र प्रदेश में तीन लोगों की मौत हो गई, 42 मवेशी मारे गए और करीब 1.5 लाख एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। तेलंगाना के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। सूर्यापेट में पेड़ गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। खम्मम जिले में एक ट्रक ड्राइवर के बह जाने की भी खबर है।

नेपाल में 'मोंथा' बरपा रहा कहर

उधर, नेपाल में चक्रवात 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। नेपाली मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। वहां 'मोन्था' के असर से लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने 26 जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया है। कोशी, मधेश और बागमती प्रांतों की नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका जताई गई है। इस बीच, मनांग जिले में भारी बर्फबारी के बाद नेपाली सेना ने 1,500 से ज्यादा फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकाला।

मुजफ्फरपुर और छपरा में प्रधानमंत्री की रैली

कांग्रेस और राजद नेता कर रहे छठी मैया का अपमान : मोदी

एजेंसी ▶▶| छपरा/मुजफ्फरपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बिहार में विपक्षी दल कांग्रेस-राजद गठबंधन पर छठी मैया का अपमान करने, अयोध्या में राम मंदिर से समस्याएं होने और वोट बैंक तथा तुष्टिकरण की राजनीति के लिए घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने मुजफ्फरपुर और छपरा में अपनी रैलियों में यह टिप्पणी की। उनका यह बयान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुधवार को यह आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद आया है कि प्रधानमंत्री ने छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली में यमुना में डुबकी लगाने की योजना बनाकर 'नाटक' करने की कोशिश की, लेकिन यह बात उजागर होने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया कि नदी अस्वच्छ होने के कारण एक गड्ढा बनाकर उसमें साफ पानी भरा गया है। प्रधानमंत्री ने राज्य के लोगों से 'नरेन्द्र-नीतीश' गठबंधन में अपना विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया।

अपमान नहीं भूलेगा बिहार

मोदी ने कहा, देखिए, वोट मांगने के लिए ये लोग किस हद तक गिर सकते हैं। यह छठ पर्व का अपमान है जिसे बिहार सदियों तक नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा, इन लोगों के मन में बिहार के लोगों के प्रति कितनी घृणा है, इसे देखिए। इनके एक नेता ने पंजाब के मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए एक सार्वजनिक रैली में कहा था कि बिहारियों को भगा दिया जाना चाहिए और कांग्रेस में एक बड़े परिवार की बेटी, जो अब संसद में हैं, इस पर खूब हंसी थीं और ताली बजाई थीं।

विपक्ष के घोषणा पत्र को बताया रेट चार्ज

पीएम मोदी ने आरोप लगाया, राजद-कांग्रेस का घोषणापत्र वास्तव में एक रेट चार्ट है, उनके वादे 'रंगदारी', फिरौती, भ्रष्टाचार, लूट के हैं।'' मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस-राजद गठबंधन पांच 'क' - 'कट्टा', 'कूरता', 'कटुता', 'कुशासन' (कुशासन) और 'करप्शन' का प्रतीक है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, ''राजद की रैलियों में किस तरह के गाने बजाए जा रहे हैं? इनमें 'कट्टा', 'छुरा', 'दुनाली' और बहन-बेटियों के अपहरण की बात है। मोदी ने दावा किया कि राज्य में राजद शासन के दौरान 35,000-40,000 अपहरण हुए और गुंडे वाहन शोरूम लूटते थे।

बिहार विधानसभा चुनाव

नालंदा की सभा में बोले गृहमंत्री शाह

'ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए, जो अपना वेष बदलकर आएगा'

बिहार में 6 व 11 नवंबर को होगी वोटिंग, 14 को नतीजे

एजेंसी ▶▶| नालंदा

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पहले सियासी संग्राम तेज हो गया है। बिहार के नालंदा जिले के हिलसा में जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर महागठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ये चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए नहीं हैं। ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए हैं, जो अपना वेष बदलकर आएगा। लालू-राबड़ी के शासन में 38 नरसंहार हुए। नालंदा के कई लोग मौत के घाट उतरे गए थे। किडनैपिंग, हत्या, लूट जैसे गैरकानूनी काम होते थे। लेकिन नीतीश ने इस धंधे पर रोक लगा दिया और लालू के आतंक को समाप्त कर दिया।

शाह ने गुरुवार को लखीसराय, मुंगेर और नालंदा में जनसभा को संबोधित किया। मुंगेर में उन्होंने कहा कि, कहा जाता है कि मुंगेर में सीता माता ने छठ पूजा की थी। देश-दुनिया में लोगों ने छठ पूजा की। कल राहुल बाबा आए थे उन्हें ये सब नहीं पता कैसे पता होगा। उनका ननिहाल इटली में है। वो कह रहे हैं छठ मइया की पूजा एक ड्रामा है। नौटंकी है। मोदी जी का आप अपमान करो तब तक तो ठीक है, लेकिन राहुल भइया आपने छठ मइया का अपमान किया है। बिहार की जनता अपना पर्चा जरूर दिखाएगी। कांग्रेस वालों ने जब-जब मोदी जी के लिए अपशब्द कहे तब-तब देश की जनता ने जवाब दिया है। राहुल बाबा की यात्रा में मोदी जी की मां को गाली दी। 2002 से 2025 तक का इतिहास है जब-जब मोदी का अपमान हुआ, कमल का फूल उतना ही खिला है। शाह ने कहा कि, ना बिहार में CM की कुर्सी खाली है। ना ही देश में पीएम की कुर्सी खाली है। यहां नीतीश हैं। वहां मोदी हैं। लालू और सोनिया अपने बेटों को पीएम और सीएम बनाने का सपना छोड़ दें तो अच्छा होगा।

'इस मर्द से ज्यादा दम उस महिला में था' इंदिरा का जिक्र कर मोदी पर निशाना

राहुल ने कहा, 'मोदी डरपोक, उनमें कहने का दम नहीं कि ट्रंप झूठ बोल रहे'

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'ऑपरेशन सिंदूर' रुकवाने का दावा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 50 बार अपमान किया है, लेकिन मोदी 'डरपोक' हैं और उनमें यह कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। राहुल गांधी ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समय का उल्लेख करते हुए कहा, '1971 में अमेरिका ने अपनी नौसेना का सातवां बेड़ा भेजा, लेकिन इंदिरा गांधी ने साफ कह दिया था कि हम आपकी नौसेना से नहीं डरते, हमें जो करना होगा, हम करेंगे।'' उन्होंने आगे कहा, 'इंदिरा गांधी महिला थीं, लेकिन इस मर्द (मोदी) से ज्यादा दम उस महिला (इंदिरा गांधी) में था।' राहुल ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने संबंधी ट्रंप के दावे का हवाला देते हुए कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति ने 50 बार भारत के प्रधानमंत्री का अपमान किया...ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रुकवाया। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि सात विमान गिराए गए। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी में यह कहने का दम नहीं है कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं।'

लालू राज में मिला अंधकार, एनडीए राज में हीरा बना विकास का आधार : नड्डा

पटना। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को बिहार के बख्तियापुर विधानसभा क्षेत्र के हरनौत में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिस भी राज्य में एनडीए की सरकार आए वाहन विकास हुआ जहां नहीं आई वहाँ विकास रुक सा गया। लालू राज में बिहार अंधकार में था। आज बिहार को जब हम देखतेहैं मोदी के आशीर्वाद और नीतीश कुमार की मेहनत से बिहार अग्रणी राज्य की सूची में जुड़ गया है। यह परिवर्तन आपकी वोट कि ताकत से आती है। उन्होंने सभी से जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार को जीतने की अपील की। उन्होंने आधारभूत संरचना में बिहार में आए बड़े बदलाव को सभी को बताया। उन्होंने कहा कि हाई वे, इंटरनेट, रेलवे और एयरपोर्ट को विकसित किया गया है, जो विकास के माध्यम है। उन्होंने मखाना बोर्ड, भागलपुरी सिल्क, मधुबनी पेंटिंग को विश्व स्तर तक पहुँचने के लिए सरकार के प्रयासों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राजद के दौर में तेल पिलावन , लाठी घुमावन रैली की गई। जिसके माध्यम से खौफ, डर पैदा कर शासन चलाना चाहते थे।

बिहार को कब्जाना चाहता है एनडीए, विकास की नीयत नहीं

पटना। पटना में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एनडीए पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि बिहार में जमीन की दिक्कत है, इसलिए उद्योग नहीं लग सकते। मैंने ऐसा गृह मंत्री नहीं देखा जो खुद अपने बयान से बिहार के युवाओं का मनोबल गिराए। असल में, इनके पास बिहार को विकास की राह पर ले जाने की नीयत ही नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी बिहार को कब्जाना चाहते हैं, सुधारना नहीं, और राज्य के बेटे ही बिहार के असली हितैषी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए के पास बिहार के विकास की नीयत नहीं है और अब जनता समझ चुकी है कि महागठबंधन ही बिहार का असली हितैषी है।

तहव्वुर राणा को लेकर भारत ने अमेरिका से मांगी मदद

नई दिल्ली। 26/11 मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा से जुड़ी हुई बड़ी खबर है। भारत ने मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के पाकिस्तान कनेक्शन की जांच में अमेरिका से मदद मांगी है। इस संबंध में एनआईए ने अमेरिकी अधिकारियों को औपचारिक रूप से सवाल भेजे हैं ताकि राणा के पाकिस्तानी-कनाडाई मूल के संबंधों की जानकारी मिल सके. सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में अमेरिका की ओर से जवाब का इंतजार है। लंबे समय से अमेरिका में बंद राणा को 10 अप्रैल 2025 को अमेरिकी मार्शल्स ने दिल्ली लाकर एनआईए के हवाले कर दिया था। राणा पर भारत में कुल 10 गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत केस दर्ज है। इन धाराओं में हत्या, आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना और भारत में साजिश रचना जैसे संगीन आरोप शामिल हैं।

'दिल्ली दंगे स्वतःस्फूर्त नहीं मकसद था सत्ता परिवर्तन'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और अन्य आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करने के लिए एक हलफनामा तैयार किया है। पुलिस का दावा है कि यह हिंसा एक सुनियोजित 'सत्ता-परिवर्तन अभियान' का हिस्सा थी। पुलिस के अनुसार, दंगे स्वतःस्फूर्त नहीं थे। हलफनामे में, पुलिस ने कहा है कि यह देश में शांति भंग करने और वैश्विक स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुँचाने का एक सुनियोजित प्रयास था। यह घटनाक्रम दिल्ली सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2020 की हिंसा से संबंधित यूएपीए मामले में खालिद और अन्य को जमानत देने से इनकार करने के बाद आया है।

'नया उबर ड्राइवर आ गया' दोसांझ पर नस्लभेदी टिप्पणी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को भी रंगभेद (रेसिज्म) का शिकार होना पड़ा है। सिंगर इन दिनों अपने म्यूजिक टूर ऑरा को लेकर सुर्खियों में हैं। अपने सिडनी कॉन्सर्ट से पहले उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के तुरंत बाद उन्हें अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। दिलजीत ने ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद झेले गए नस्लभेद (रेसिज्म) के बारे में बताया कि आस्ट्रेलिया पहुंचने पर किसी ने उन्हें एक पैपराजी पोस्ट का कमेंट सेक्शन भेजा, जिसमें उनके लिए की गईं टिप्पणियां चौंकाने वाली थीं। जैसे- नया उबर ड्राइवर आ गया, या नया 7/11 कर्मचारी पहुंच गया। मैंने ऐसी कई नस्लभेदी टिप्पणियां देखी हैं।

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM सभी रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण
• आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी,
• सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण)
• गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉपलर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, निर्मी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन
सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, वायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

रायपुर
शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025
कार्तिक शुक्ल पक्ष दशमी
वर्ष : 24, अंक : 102
पृष्ठ : 12+4 = 16 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 27.9
न्यून. 22.9

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

24 नवंबर को लेंगे शपथ

न्यायमूर्ति सूर्यकांत नए प्रधान न्यायाधीश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बृहस्पतिवार को भारत का 53वां प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया और वह 24 नवंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। केंद्रीय कानून मंत्रालय के न्याय विभाग ने एक अधिसूचना जारी करके उनकी नियुक्ति की घोषणा की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति भूषण आर. गवई का स्थान लेंगे, जो 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत लगभग 15 महीने तक प्रधान न्यायाधीश के पद पर रहेंगे।

दिए हैं कई ऐतिहासिक फैसले

हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी, 1962 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 मई, 2019 को शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति सूर्यकांत अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, भ्रष्टाचार, पर्यावरण और लैंगिक समानता पर ऐतिहासिक फैसले देने वाली पीठ में शामिल रहे हैं।

जाति सूचक और अपमानजक नाम वाले नगर, वार्ड, मोहल्ले और सड़कों के बदले जाएंगे नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली ने राज्य सरकार से छत्तीसगढ़ के उन नगरों, वार्ड, मोहल्ले, बस्तियों और सड़कों के नाम मांगे हैं जो जातिसूचक या अपमान जनक हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने राज्य के सभी क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों से यह जानकारी जुटाने के लिए कहा है।

हरिभूमि खास

छत्तीसगढ़ में गांवों के नाम अक्सर स्थानीय इतिहास, प्रकृति, या सामाजिक

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सरकार से मांगी जानकारी

जाति सूचक अपमानजनक नाम

जाति सूचक या अपमानजनक नाम के संबंध में हालांकि अभी नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने जानकारी जुटाने का आदेश दिया है, लेकिन इस संबंध में कुछ उदाहरण मौजूद है। इनमें चमार बस्ती रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर (कई जगहों पर)। चमार (अनुसूचित जाति) समुदाय की बस्ती को इंगित करता है। यह नाम छुआछूत और भेदभाव का प्रतीक है। भंगी बस्ती, महासमुंद, ▶▶|शेष पेज 5 पर

नाम बदलने की पहल: राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के निर्देश के बाद, छत्तीसगढ़ सरकार ने 2025 में पंचायती राज विभाग को सूची तैयार करने का आदेश दिया। कुछ जगहों पर नाम बदल चुके हैं, जैसे महाराष्ट्र में 'भंगी पाड़ा' को 'वाल्मीकि नगर' बनाया गया। छत्तीसगढ़ में भी 'चमार बस्ती' को 'रविदास नगर' जैसे नाम सुझाए जा रहे हैं।

आयोग की पहल इसलिए

इस पूरे मामले में आयोग ने इसलिए पहल की है क्योंकि 10 जुलाई 2025 को एक शिकायत के माध्यम से आयोग के समक्ष आया। शिकायतकर्ता ने तर्क दिया कि देश के विभिन्न राज्यों में अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़े जाति-सूचक या अपमानजनक नामों (जैसे 'चमार बस्ती', 'भंगी टोला', 'चूहरा वाड़ा' आदि) का उपयोग समानता और मानव गरिमा के विरुद्ध है। आयोग ने इसकी सुनवाई 28 जुलाई 2025 को की थी।

संरचनाओं से प्रेरित होते हैं। हालांकि, कुछ नाम जाति-आधारित (जैसे अनुसूचित जातियों के नाम) या अपमानजनक (जैसे तिरस्कारपूर्ण शब्द) लग सकते हैं, जो ऐतिहासिक रूप से दलित या निचली जातियों के बस्तियों को इंगित करते हैं। ये नाम सामाजिक भेदभाव को दर्शाते हैं और हाल के वर्षों में नाम बदलने की मांग बढ़ी है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अगस्त 2025 में सभी राज्यों को जाति-सूचक या अपमानजनक नामों वाली जगहों की सूची तैयार करने और नाम बदलने की कार्यवाही की रिपोर्ट मांगी है। ▶▶|शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

डिजिटल अरेस्ट में गवाएं 1.2 करोड़, मौत

पुणे। पुणे में कथित तौर पर 'डिजिटल अरेस्ट' धोखाधड़ी में 1.2 करोड़ रुपए गंवाने वाले 83 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति की एक महीने

बाद ही दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। धोखाधड़ी करने वालों ने खुद को पुलिस और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो कर्मी बताकर बुजुर्ग व्यक्ति और उनकी पत्नी को फंसाया था। दावा किया कि उनका नाम एक प्रमुख व्यक्ति से जुड़े धन शोधन मामले में सामने आया है।

चक्रवात 'मोंथा' से हुए नुकसान का आकलन

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने चक्रवात 'मोंथा' से हुए नुकसान का शुक्रवार से आकलन शुरू कर दिया। राजस्व एवं आपदा मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि चक्रवात के कारण विभिन्न जिलों में धान की फसल, कपास की खेती और सब्जियों को भारी नुकसान हुआ है। आंध्र प्रदेश के तट पर मंगलवार शाम पहुंचे 'मोंथा' ने ओडिशा के 33 ब्लॉक और 11 शहरी इलाकों के लोगों को प्रभावित किया है। राज्य से आगे बढ़ चुका चक्रवात धीरे-धीरे कमजोर होकर विदर्भ क्षेत्र में कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। सर्वेक्षण कार्य तीन दिन के भीतर पूरा होने की उम्मीद है।

नौरादेही अभयारण्य बनेगा चीतों का तीसरा घर

खंडवा। मप्र के सीएम मोहन यादव ने कहा कि राज्य में कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधीसागर अभयारण्य के बाद नौरादेही

अभयारण्य चीतों का तीसरा घर बनेगा। अफ्रीका के नामीबिया से चीते लाकर नौरादेही अभयारण्य में छोड़े जाएंगे। यादव ने नर्मदा नदी पर बने इंदिरा सागर बांध के 'बैकवॉटर' (बांध की दीवार से टकराकर लौटने वाले पानी) में छह मगरमच्छ छोड़े जिनमें चार मादा और दो नर शामिल हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से नर्मदा नदी की पूजा-अर्चना की।

वाहन पलटने से चार यात्रियों की मौत

रांची। झारखंड के रांची जिले में बृहस्पतिवार को टायर फटने के कारण एक यात्री वाहन के पलटने से उस पर सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि 12 लोग घायल हो गए। राज्य की राजधानी से 45 किलोमीटर दूर बुंडू थाना क्षेत्र के गोसाईंडीह में दोपहर करीब दो बजे यह घटना हुई। वाहन में 16 लोग सवार थे और ये लोग विभिन्न आदिवासी समूहों की ओर से ताऊ मैदान में आयोजित आदिवासी जन आक्रोश रैली में भाग लेने के लिए जा रहे थे।घायलों को उपमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका ने भारत को प्रतिबंधों से छह महीने की दी छूट

भारत की बड़ी डिप्लोमेटिक जीत, चाबहार बंदरगाह परियोजना पर अमेरिका से 'गिफ्ट'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

रूस के कच्चे तेल की वजह से भारत और अमेरिका के रिश्तों में बढ़ा तनाव कम होता नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को बड़ी राहत दी है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका ने ईरान स्थित चाबहार पोर्ट परियोजना के लिए प्रतिबंधों से छूट की अवधि बढ़ा दी है। भारत को छह महीने की छूट मिली है।

भारत सरकार ने बड़ी डिप्लोमेटिक जीत हासिल की है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि ये प्रतिबंध 29 सितंबर से लागू होने थे, लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद एक महीने की छूट दी गई। छह महीने की नयी छूट 29 अक्टूबर से प्रभावी होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में बताया, ईरान में चाबहार बंदरगाह के लिए हमें अमेरिकी प्रतिबंधों से छह महीने की छूट दी गई है। पिछले महीने, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरान में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार बंदरगाह के संबंध में 2018 के प्रतिबंधों में छूट को रद्द करने के अपने फैसले की घोषणा की थी। ईरान के दक्षिणी छोर पर सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित चाबहार बंदरगाह के विकास में भारत एक प्रमुख भागीदार है। वर्तमान में, भारत इस बंदरगाह पर शाहिद बेहेश्टी टर्मिनल का संचालन कर रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने पिछले महीने ▶▶|शेष पेज 5 पर

1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'ऊर्जा स्रोत के व्यापक प्रश्न पर हमारी स्थिति सर्वविदित है। इस प्रयास में, हम अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विविध स्रोतों से किफायती ऊर्जा प्राप्त करने की अनिवार्यता से निर्देशित हैं।

क्या थे अमेरिकी प्रतिबंध?

चाबहार बंदरगाह पर अमेरिका ने एक आदेश जारी कर कहा था कि वो 29 सितंबर से इस बंदरगाह को चलाने, पैसे देने या उससे जुड़े किसी काम में शामिल कंपनियों पर जुर्माना लगाएगा। हालांकि ट्रंप प्रशासन ने इस छूट को बाद में बढ़ाकर 27 अक्टूबर तक बढ़ा दिया था। पिछले तीन से चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू थे। अब इन प्रतिबंधों पर 6 महीने के लिए फिर से छूट दे दी गई है।

क्यों अहम है चाबहार बंदरगाह

चाबहार बंदरगाह भारत के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह पाकिस्तान को बाईपास करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधा व्यापार मार्ग उपलब्ध कराता है। भारत ने 2003 में इस प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया था ताकि इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के जरिए क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा सके।

10 साल की लीज पर बंदरगाह

भारत ने 2024 में चाबहार बंदरगाह को ईरान सरकार से 10 वर्षों के लिए लीज पर लिया था। जिसके तहत भारत इस बंदरगाह पर 120 मिलियन डॉलर का निवेश करेगा, साथ ही 250 मिलियन डॉलर का सस्ता कर्ज देगा। यह बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान, मध्य एसिया, रूस और यूरोप के साथ सीधे व्यापार करने में मदद करता है।

इधर, ट्रंप और जिनपिंग में हुई ट्रेड डील

बुसान। दक्षिण कोरिया के बुसान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक कामयाब हो गई है। इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ने गुरुवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापक आर्थिक और व्यापारिक समझौतों की घोषणा की है। इस घोषणा में चीन के खिलाफ टैरिफ में 10 फीसदी की कमी, सोयाबीन की खरीद फिर से शुरू करना और दुर्लभ मृदा निर्यात के विवादास्पद मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण सफलता शामिल है।

ट्रंप ने चीन पर 10% टैरिफ घटाया

भारत की बेटियों ने सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को चटाई धूल

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

भारत ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने डीवी पाटिल स्टेडियम में 339 रन का टारगेट 48.3 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। इसी के साथ भारत ने तीसरी बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। 2 नवंबर को उसका सामना साउथ अफ्रीका से होगा। जेमिमा रॉड्रिग्ज 127 और ▶▶|शेष पेज 5 पर

इतिहास रच ऑस्ट्रेलिया से लिया हार का बदला

भारत की टीम जब महिला वर्ल्ड कप के लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया से हारी थी, तब हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 331 रनों का लक्ष्य दिया था। महिला क्रिकेट के इतिहास में यह लक्ष्य अब से पहले कभी चेज नहीं हुआ था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने यह करके दिखाया। अब भारत ने 339 यानी उससे भी बड़ा लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेज कर दिया है और वो भी सेमीफाइनल के मंच पर।

मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जब हर गेंद पर उम्मीदें डगमगा रही थीं, तब भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अदम्य साहस, संयम और जुनून से पूरे खेल का रुख ही बदल दिया। महिला क्रिकेट विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर वह कर दिखाया जिसकी प्रतीक्षा पूरे देश को थी। टीम इंडिया की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल भारतीय क्रिकेट के लिए, बल्कि देश की हर बेटी के आत्मविश्वास, संघर्ष और प्रतिबद्धता के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई

सब इंजीनियर, पटवारी समेत चार को रिश्वत के साथ एसीबी ने दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

खास खबर

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (एसीबी) बिलासपुर इकाई ने गुरुवार को जांजगीर-चांपा जिले में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एसडीएम कार्यालय चांपा के भू अर्जन शाखा में पदस्थ अमीन (पटवारी) और ऑपरेटर को 1 लाख 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ▶▶|शेष पेज 5 पर

डेढ़ साल में 36 वीं कार्रवाई

एसीबी सूत्रों के अनुसार, भ्रष्टाचार के खिलाफ यह मुहिम लगातार जारी है। पिछले डेढ़ साल में एसीबी बिलासपुर इकाई द्वारा यह 36वीं ट्रैप कार्रवाई है। बहरहाल दोनों आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 और 12 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पीडब्लूडी का सब इंजीनियर पकड़ा गया

मनेन्द्रगढ़। एंटी करप्शन ब्यूरो अंबिकापुर की टीम ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग में पदस्थ

सब इंजीनियर सीपी बंजारे को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ लिया। आरोपी सब इंजीनियर ठेकेदार से फाइल पास कराने के नाम पर 30 हजार रूपए की मांग कर रहा था। ठेकेदार ने इसकी शिकायत एसीबी में की, जिसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया और आरोपी को रंगेहाथ पकड़ने में सफलता प्राप्त की। मिली जानकारी के ▶▶|शेष पेज 5 पर

लिपिक 25 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

जगदलपुर/दरभा। तहसील दरभा में पदस्थ लिपिक को 25 हजार रुपए रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो ने रंगे हाथ

पकड़ा है। प्राकृतिक आपदा की राशि दिलाने के एवज में पीड़ित से 25 हजार रुपए रिश्वत ले रहा था। रिश्वत मांगे जाने की शिकायत पीड़ित ग्रामीण ने एसीबी से की थी। रिश्वतखोर लिपिक को पकड़ने जाल बिछाया गया था। मामला तहसील कार्यालय दरभा का है, जहां पदस्थ सहायक ग्रेड 3 हेमकुमार पानिग्राही ने ▶▶|शेष पेज 5 पर

घटना के बाद चालक व उसमें सवार लोग कार छोड़कर फरार

हिट एंड रन : कार चालक ने सड़क किनारे खड़ी महिला को मारी टक्कर, फिर बाइक लिया चपेट में, तीनों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत हिट एंड रन का मामला गुरुवार को सामने आया है।

■ धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र का मामला

सड़क किनारे खड़ी महिला को टक्कर मार कर भाग रहे कार के चालक ने कुछ दूरी पर सामने से आ रहे बाइक सवार दो युवकों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक व उसमें सवार लोग वाहन को घटनास्थल पर ही ▶▶|शेष पेज 5 पर

परखच्चे उड़ने पर घूमी कार, तब रोकना पड़ा

स्थानीय लोगों की माने तो इस हादसे में और भी लोगों की जान जा सकती थी, क्योंकि कार की रफ्तार इतनी थी कि उसे देख कर नहीं लग रहा था कि चालक के ▶▶|शेष पेज 5 पर

जल्द पकड़ लेंगे आरोपी को

दुर्घटना को अंजाम देने के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया है। मृतकों के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजवाते हुए चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया गया है। कार पुलिस के कब्जे में है, उसी के आधार पर चालक और मालिक की पतासाजी की जा रही है, जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।
- सुशांतो बनर्जी, डीएसपी पुलिस प्रवक्ता, रायगढ़

खुर्सीपारा थाना क्षेत्र की घटना

बहन से मिलने आया प्रेमी दोस्तों के साथ मिलकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

खुर्सीपार थाना अंतर्गत मांझी चौक खुर्सीपार में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक खुर्सीपार निवासी धीरज उर्फ विक्की सरोज (पासवान) बताया गया है। मामले में पुलिस ने प्रेमिका के भाई समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से तीन अन्य आरोपी फरार हो गए हैं। खुर्सीपार पुलिस ने बताया कि गुरुवार की सुबह युवती अपने घर पर अकेली थी, तभी मांझी चौक खुर्सीपार निवासी धीरज उससे मिलने पहुंचा। ▶▶|शेष पेज 5 पर

घटनास्थल पर हंगामा

घटना की खबर लगते ही मृतक के परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। घटना स्थल पर हंगामा भी हुआ। घायल धीरज को लेकर अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया, तब तक धीरज की मौत हो चुकी थी। युवक और उसकी प्रेमिका का मकान एक ही मोहल्ले में है। घटनास्थल पर फॉरेंसिक की टीम भी पहुंची थी। बहरहाल पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। विवेचना जारी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा-हिंदी में हों रोजमर्रा के कामकाज

एम्स के डॉक्टरों को हिंदी में लिखना होगा मरीजों का पर्चा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एम्स में अब डॉक्टर मरीजों के पर्चे हिंदी में लिखेंगे। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि डॉक्टरों को डेली के कामकाज में हिंदी का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जब पर्चे और दवाइयों का नाम हिंदी में लिखा जाएगा तो मरीज और उनके परिवार को आसानी होगी। अक्सर देखा गया है कि अंग्रेजी में लिखी दवा या परामर्श मरीज समझ नहीं पाते, जिससे इलाज में दिक्कत आती है।

अब यह बाधा काफी हद तक कम होगी और मरीज आसानी से जान पाएंगे कि कौन-सी दवा कब लेनी है।

हर विभाग में भविष्य की तैयारी

एम्स जैसे बड़े संस्थानों को धीरे-धीरे हर विभाग में हिंदी का इस्तेमाल शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। छात्रों को हिंदी में मेडिकल पढ़ाई का विकल्प मिलेगा और डॉक्टरों को मरीजों से बातचीत व पर्चा लिखने में हिंदी अपनाने की सलाह दी गई है। इसके लिए पूरा खाका तैयार किया जा चुका है।

इन छात्रों को भी होगा फायदा

इस पहल से उन छात्रों को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी जिन्हें अंग्रेजी समझने में दिक्कत होती है। अब वे अपनी भाषा में पढ़ाई कर पाएंगे। वहीं मरीजों के लिए भी यह राहत की बात होगी क्योंकि डॉक्टर जब हिंदी में परामर्श और दवा लिखेंगे तो उन्हें और उनके परिवारों को समझने में आसानी होगी।

हिंदी में भी कर सकेंगे मेडिकल पढ़ाई

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एम्स को निर्देश दिया है कि मेडिकल शिक्षा के लिए हिंदी किताबें खरीदी जाएं, साथ ही शोध कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाया जाए। न सिर्फ पढ़ाई बल्कि संस्थान के पत्राचार और रिसर्च रिपोर्ट्स में भी हिंदी को प्राथमिकता दी जाएगी। एम्स को मिलने वाले पत्रों का जवाब भी हिंदी में दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंग्रेजी अनुवाद भी भेजा जा सकेगा। मंत्रालय का मानना है कि इस कदम से स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम लोगों के लिए चिकित्सा सुविधाएं अधिक आसान हो जाएंगी।

चिंतन

भारत पर दबाव बनाने को कड़े फैसले ले रहे ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोगली नीति पर चल रहे हैं। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गुणगान करते हैं तो अगले ही पल भारत और भारतियों के खिलाफ किसी फैसले को अमल में ले आते हैं। वे लगातार भारत के खिलाफ चुभती बातें बोल रहे हैं। कभी पाकिस्तान की तारीफ करते हैं और कभी यह कहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद करेगा। दिवाली पर भारतीय प्रधानमंत्री को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भारत रूस से तेल का आयात कम करेगा, जबकि भारत ने ऐसा कोई फैसला नहीं लिया है। इसके बाद उन्होंने रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर पाबंदी लगा दी। इसके चलते भारत का रूस से तेल खरीदना कठिन हुआ ही साथ में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम भी बढ़ गए। भारत पर 25+25 टैरिफ लगाने के बाद वे एक के बाद एक भारत विरोधी फैसले ले रहे हैं। ये वही डोनाल्ड ट्रंप हैं, जिन्हें राष्ट्रपति चुनाव में जी भरकर भारतीय समुदाय के लोगों ने वोट दिए, लेकिन राष्ट्रपति बनते ही भारत के खिलाफ खड़े हो गए। अब ट्रंप प्रशासन ने ऑटोमैटिक वर्क परमिट एक्सटेंशन की सुविधा खत्म कर दी है। इसका सबसे बड़ा झटका अमेरिका में काम करने वाले भारतीयों को लगेगा। इसका मतलब ये हुआ कि अगर किसी का वर्क परमिट कल खत्म हो रहा है, तो वो आज खुद ही ऑटोमेटिक नहीं बढ़ेगा। अभी तक ये होता था कि अगर किसी का वर्क परमिट खत्म हो जाता था, उसे ऑटोमैटिक 540 दिनों का एक्सटेंशन मिल जाता था और इस दौरान उसे अपने परमिट का नवीनीकरण करवाना पड़ता था, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। इसीलिए सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या अब वर्क परमिट खत्म होने का बाद नौकरी चली जाएगी और क्या अमेरिका ही छोड़ना पड़ेगा। इस फैसले को लेकर अमेरिका में भारतीय पेशेवरों में खासी बेचैनी हैं। वो लोग भी खासे उलझन में हैं जिन्होंने अनुबंध आधार पर नौकरी पा रखी है। पहले होता यह था कि किसी कंपनी से अनुबंध आधार पर जॉब के बाद वे दूसरी कंपनी में चले जाते थे। अब उनके लिए परेशानी होगी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले का गंभीर असर उन हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स पर होगा, जो एच-1बी वीजा, एच-4 स्पाउस परमिट, या ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग पर अमेरिका में काम कर रहे हैं। इसके अलावा, जो भारतीय नागरिक ग्रीन कार्ड के लिए सालों से इंतजार कर रहे हैं, उन्हें अब हर बार वर्क परमिट रिन्यूअल में देरी होने पर नौकरी खोने का जोखिम झेलना पड़ेगा। यह नियम अमेरिका में वर्क परमिट रिन्यूअल की प्रक्रिया में एक बड़ा बदलाव है। अब यदि यूएस सिटीजनशिप एंड इमीग्रेशन सर्विस समय पर आवेदन अप्रूव नहीं करेगा तो कर्मचारी अपनी मौजूदा नौकरी तुरंत खो देगा और फिर उसे अमेरिका में रहने का अधिकार भी नहीं मिलेगा। वे नौकरी खत्म होते ही अवैध की श्रेणी में आ जाएंगे। वैसे भी मौजूदा प्रक्रिया के मुताबिक, वर्क परमिट रिन्यूअल में तीन से बारह महीने तक का समय लग सकता है। ये इस बात पर भी निर्भर करता है कि नौकरी क्या है और वो किस क्लास में आता है। इस बीच, जो कर्मचारी समय पर रिन्यूअल नहीं करा पाएंगे, उन्हें अवैध कर्मचारी या अवैध नागरिक माना जाएगा। अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे युवाओं के साथ ट्रंप प्रशासन क्या सलूक कर रहा है, ये पूरी दुनिया देख चुकी है। अब ट्रंप ने यह फैसला केवल और केवल भारत पर दबाव बनाने के लिए किया है, ताकि भारत उनकी शर्तों को माने, लेकिन वो ये नहीं जानते कि यह नया भारत है, जो अपनी शर्तों पर चलता है। कोई दबाव उसे झुका नहीं सकता।

जयंती विशेष

डॉ. किशोर अग्रवाल

हे लौह पुरूष ! राष्ट्र आपका कृतज्ञ है

सरदार पटेल ने एक बार कहा था कि एकता के बिना मनुष्य बल कोई शक्ति नहीं है, जब तक वह उचित रूप से समन्वित और संगठित ना हो जाए, तब वह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाता है। उनके लिए राष्ट्र की सच्ची शक्ति केवल सीमाओं में नहीं बल्कि उसके लोगों की एकता में निहित थी । 2014 में भारत सरकार ने सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य देशवासियों में एकता की भावना को पुनर्जीवित करना और पटेल की "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की दृष्टि को सम्मानित करना था। इस दिन शैक्षणिक संस्थानों से लेकर सेना और विभिन्न समुदायों में देशभर में "रन फॉर यूनिटी" सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और शपथ समारोह आयोजित किए जाते हैं।

सैकड़ों रियासतों में बंटे और आपस में लड़ते झगड़ते अनेक राजाओं को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति मिल भी जाती तो क्या अखण्ड भारत का यह स्वरूप होता जिसे हम भारतीय गणराज्य के रूप में जानते हैं। अनेक क्रांतिकारियों के बलिदान, गांधीजी के लगातार आंदोलन व तत्कालीन प्रणेताओं की कूटनीतियों से अंग्रेज पस्त होकर देश आजाद तो कर गये पर इन बिखरे राज्यों व अपनी अपनी सत्ता की सार्वभौमिकता को ही सर्वोपरि मानने वाले अलग-अलग राज्यों से एक अखंड भारत के निर्माण की परिकल्पना एक वृहत स्वप्नदृष्टा ही कर सकता था। देश का सौभाग्य हैं कि तब हमारे देश मे लौहपुरुष सरदार पटेल जैसा स्वप्न दृष्टा मौजूद था, जिसके पास एक पैनी दृष्टि, विवेकपूर्ण सोच और अपने निर्णयों को लागू करा लेने की दृढ संकल्प शक्ति थी।

दृढ़ निश्चय से वे धीरे-धीरे 560 से अधिक रियासतों का अखंड भारत में विलय करते गए। जूनागढ़, जम्मू कश्मीर और हैदराबाद के विलय लिए उन्होंने अपनी सारी योग्यता लगायी तब जाकर ये बड़ी रियासतें भारत का अंग बन पायी और भारत वर्तमान स्वरूप में आ पाया। यह एक ऐसा कार्य था जिसके लिए अद्वितीय कूटनीति, साहस और दृढ़ निश्चय की आवश्यकता थी। उनकी स्थिर दृष्टि और दृढ़ संकल्प ने उन्हें लौह पुरुष का खिताब दिलाया। हर साल 31 अक्टूबर को भारत राष्ट्रीय एकता दिवस मनाता है ताकि उनकी जयंती का सम्मान किया जा सके। एक ऐसा नेता जिनकी दूर दृष्टि और दृढ़ निश्चय ने एक एकीकृत भारत की नींव रखी।

सरदार पटेल ने एक बार कहा था कि एकता के बिना मनुष्य बल कोई शक्ति नहीं है, जब तक वह उचित रूप से समन्वित और संगठित ना हो जाए, तब वह एक आध्यात्मिक शक्ति बन जाता है। उनके लिए राष्ट्र की सच्ची शक्ति केवल सीमाओं में नहीं बल्कि उसके लोगों की एकता में निहित थी । 2014 में भारत सरकार ने सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की। इसका उद्देश्य देशवासियों में एकता की भावना को पुनर्जीवित करना और पटेल की "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की दृष्टि को सम्मानित करना था। इस दिन शैक्षणिक संस्थानों से लेकर सेना और विभिन्न समुदायों में देशभर में "रन फॉर यूनिटी" सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी और शपथ समारोह आयोजित किए जाते हैं। वैसे तो स्वतंत्रता प्राप्त होने के पश्चात ही सरदार पटेल का यथेष्ठ सम्मान देश को करना था और उनका महत्व स्थापित करना था। 2014 में सरकार ने इस लौह पुरुष को सम्मानित किए जाने की मुकम्मल व्यवस्था की। उस दिन मुख्य समारोह गुजरात के एकता नगर स्थित "स्टैचू ऑफ यूनिटी" पर आयोजित किया जाता है जो भारत की शक्ति साहस और सामूहिक संकल्प का प्रतीक है। यह स्टैचू विश्व में सबसे ऊंचा 182 मीटर ऊंचाई का बनाया गया है जिसे देखकर भारत की छाती गर्व से फूल उठती है।

सरदार पटेल का कहना था "धर्म के मार्ग पर चलो सत्य और न्याय के मार्ग पर क्योंकि वही सभी के लिए सही मार्ग है।" उनके ये शब्द हमें याद दिलाते हैं कि भारत के सामाजिक ताने-बाने में न्याय, परस्पर सम्मान और

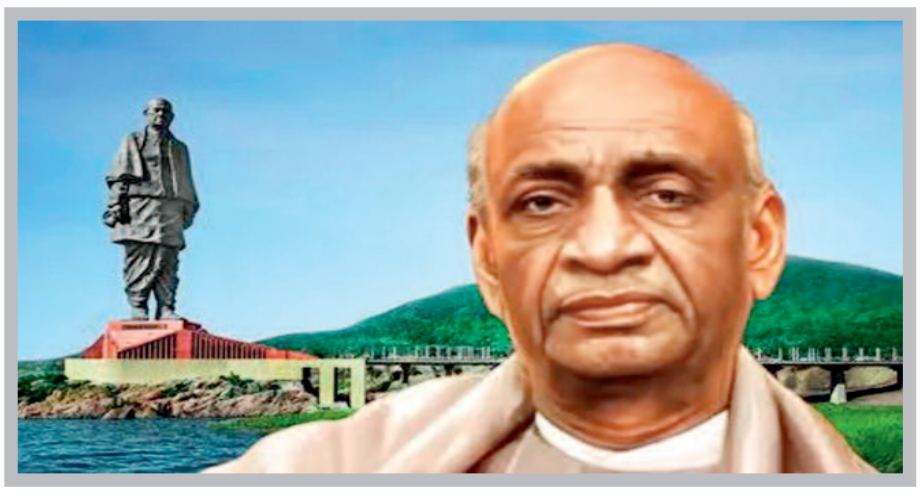

शांति बनाए रखना हम सब की साझा जिम्मेदारी है। एकता दिवस उस भारत के विचार को पुनर्स्थापित करता है जो अपनी विविधता के कारण फलता फूलता है ना कि उसके बिना। यह दिन हर नागरिक को राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण की याद दिलाता है। भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझने और भाषा क्षेत्र और धर्म के बीच बंधन मजबूत करने का आवाहन करता है।

यद्यपि एकता दिवस में वाद-विवाद, निबंध प्रतियोगिता, परेड और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं किंतु मात्र इन औपचारिकताओं से मूल उद्देश्य की प्राप्ति नहीं होती। आज जब भारत क्षेत्रीय असमानताओं ,सामाजिक विभाजनों और वैचारिक मतभेदों जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब एकता दिवस का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है यह केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं है ,राष्ट्रीय एकता और सामूहिक प्रगति की भावना को पुनर्जीवित करने का अवसर है। यह संदेश देता है कि भारत चाहे जितना विशाल और विविध हो उसका दिल और आत्मा एक है इसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। पटेल के शब्द आज भी प्रेरणादायक है वह कहा करते थे "मेरी केवल एक इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक बने और देश में कोई भूखा ना रहे किसी की आंखों में आंसू ना हो।" उनका दयालू राष्ट्रवाद सेवा और एकता पर आधारित नेतृत्व का सर्वोत्तम उदाहरण है। विखंडित हो रहे विश्व समुदाय के लिए यह दिन और श्री पटेल के विचार एक अखंड विश्व की कल्पना को साकार करते हैं। विभाजित होती दुनिया में पटेल का उदाहरण हमें अनुशासन एकजुटता और सामूहिक नियति में विश्वास का संदेश देता है। लौह पुरुष पटेल की कल्पित एकता कोई स्थिर आदर्श नहीं बल्कि एक जीवंत शक्ति है उनके यह शब्द आज भी गूंजते हैं कि कार्य ही पूजा है, श्रम ही ईश्वर है और जो व्यक्ति सही भावना से कार्य करता है वह सदैव शांत और प्रसन्न रहता है। ये वचन हर पीढ़ी को राष्ट्र की प्रगति और एकता में योगदान देने का आव्हान करते हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत इतिहास से परे है। वह भारत की आत्मा में जीवित है। हर वर्ष एकता दिवस यह सुनिश्चित करता है कि यह भावना कभी मंद ना पड़े। भारत सदैव एक रहे और पटेल का स्वप्निल सामंजस्य सदैव हमारा मार्गदर्शक बना रहे। इन शब्दों से न केवल भारत बल्कि विश्व को भी प्रेरणा लेनी चाहिए ताकि विश्व में जो विभाजन के लकीरें खींची हैं, उनसे उबरकर विश्व भी एक शांतिपूर्ण कुटुंब बन सके।

-लेखक छत्तीसगढ़ पुलिस के रिटायर्ड डीआईजी हैं।

जयंती विशेष

आचार्य दीप चन्द भारद्वाज

राष्ट्रीय एकता के सुदृढ़ स्तंभ कहलाए वल्लभभाई पटेल

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के नडियाद क्षेत्र में एक आत्मनिर्भर कृषक परिवार में हुआ था। प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत इन्होंने स्वाध्याय के माध्यम से ही शिक्षा प्राप्त की। 1910 में मिडिल टेबल लंदन में अध्ययन करने के लिए गए। उच्च सम्मान के साथ वहां पर दो वर्ष तक रहकर परीक्षा उत्तीर्ण की। 1913 में पुनः भारत लौटे, अहमदाबाद रहकर वकालत के क्षेत्र में यह तेजी से आगे बढ़े। अपनी योग्यता तथा दृढ़ परिश्रम के बल पर आपराधिक कानून के अग्रणी बैरिस्टर बनकर उभरे। 1917 से 1924 तक पटेल अहमदाबाद नगर पालिका के आयुक्त रहे तथा 1924 से 1928 तक नगर पालिका अहमदाबाद के अध्यक्ष भी रहे। सन 1928 में बारडोली सत्याग्रह में वल्लभ पटेल ने जमींदारों और किसानों के आंदोलन का दृढ़तापूर्वक नेतृत्व किया, जिससे उनकी ख्याति पूरे भारत में राष्ट्रवादी नेता के रूप में होने लगी। अंग्रेज सरकार ने किसानों के लगान में 22% की वृद्धि की थी जिसके विरोध में पटेल के नेतृत्व में यह बारडोली का किसान आंदोलन विराट रूप लेकर उभरा। अंग्रेज सरकार ने आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए परंतु लौह पुरुष पटेल के आगे अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा। इस सत्याग्रह आंदोलन की सफलता के बाद वहां की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को किसानों का 'सरदार' की उपाधि दी जो हमेशा के लिए उनके नाम के साथ जुड़ गई। बारडोली के आंदोलन के सफल नेतृत्व ने तथा सरदार की उपलब्धि ने पटेल को गांधी के बाद भारत का दूसरा प्रसिद्ध राष्ट्रीय नेता बना दिया। अंग्रेज सरदार पटेल को अपने सबसे खतरनाक शत्रु के रूप में मानते थे। पटेल को स्वावलंबन, दृढ़ परिश्रम, आत्म संयम जैसे गुण बचपन से ही परिवार की विरासत में मिले थे। अपनी कार्यशैली तथा फौलादी व्यक्तित्व के कारण सरदार पटेल भारतीय जनमानस की पहली पसंद थे। सन 1931 में कराची में हुए कांग्रेस के अधिवेशन की इन्होंने अध्यक्षता की। अपनी कर्तव्यनिष्ठता, ईमानदारी, राष्ट्रभक्ति की भावना ने सरदार पटेल को भारतीय राष्ट्रीय राजनीति का लब्ध प्रतिष्ठित नेता बना दिया था। यही कारण है कि सरदार पटेल का नाम तीन बार कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए प्रांतीय समितियों के माध्यम से भेजा गया परंतु महात्मा गांधी ने जवाहरलाल नेहरू के प्रति अपना स्नेह होने के कारण सरदार पटेल को पीछे रखकर नेहरू को अध्यक्ष बनाया। सरदार पटेल निष्काम, निस्वार्थ भाव से भारत वर्ष की स्वतंत्रता को समर्पित थे। उन्होंने सदैव गांधी के द्वारा चलाए गए सभी आंदोलन में अपना योगदान दिया। सरदार पटेल एक प्रतिष्ठित वकील, दूरदर्शी राजनीतिज्ञ थे। दृढ़ इच्छा शक्ति, साहस, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता तथा ठोस व्यक्तित्व उनके विशेष गुण थे। अपनी कुशाग्र बुद्धि के बल पर इन्होंने वकालत के क्षेत्र में भी प्रतिष्ठा प्राप्त की। वल्लभ जी ऐसे मुकदमे लड़ते थे जिनमें निर्दोष को फसाया गया हो तथा जिसे अपने अकाट्य तर्कों से काटा जा सके। महात्मा गांधी भी सरदार पटेल के फौलादी व्यक्तित्व से प्रभावित थे इसलिए उन्होंने वल्लभभाई पटेल को लौह पुरुष की उपाधि प्रदान की थी। इतिहासकारों ने पटेल जी को बिस्मार्क ऑफ इंडिया का नाम दिया है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात वल्लभ जी भारत के पहले उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री जैसे पदों पर सुशोभित रहे। सन 1947 में भारत तो आजाद हो गया था परंतु सबसे बड़ी समस्या जो अंग्रेज चालाकी से छोड़ गए थे वह थी बिखरी हुई 562 रियासतें। इन सभी रियासतों को भारतीय गणराज्य में विलय करना एक चुनौती पूर्ण कार्य था। वल्लभ भाई पटेल ने इस कार्य को अपनी सूझबूझ और विवेक के द्वारा अधिक से अधिक राजवाड़ों को पेंशन तथा अन्य लाभ देकर इन्होंने हटा दिया परंतु प्रतिरोध करने वाली रियासतों में मुख्य रूप से जूनागढ़, कश्मीर तथा हैदराबाद यह तीन प्रमुख थे। जूनागढ़ में जनमत संग्रह करवा कर इन्होंने भारत में शामिल करवाया। कश्मीर के शासक महाराजा हरि सिंह स्वतंत्र रूप से अलग रहना चाहते थे परंतु पाकिस्तानी कव्वाली सुना अचानक आक्रमण कर देने पर सरदार पटेल ने उनकी सहायता की और फिर 1947 में कश्मीर को भारत में मिला दिया गया। हैदराबाद के निजाम में वल्लभ पटेल का प्रतिरोध किया तथा अंत में वहां पर भी सेना भेज कर हैदराबाद रियासत को भारत वर्ष में मिल लिया गया। विश्व इतिहास में एक व्यक्ति भी ऐसा नहीं हुआ जिसने इतनी बड़ी संख्या में राज्यों का एकीकरण करने का साहस किया हो। इतनी विशाल संख्या में बिखरी हुई रियासतों के एकीकरण के असंभव कार्य को सरदार पटेल ने अपने फौलादी व्यक्तित्व के बल पर संभव बनाकर भारतवर्ष की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को सुदृढ़ता प्रदान की।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कैसे हो जीवन की यात्रा सुखमय

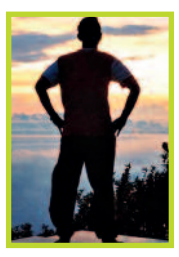

संकलित

दर्शन

मनुष्य का पूरा जीवन ही यात्रामय है। हम प्रायः दूसरों के दिखाए रास्तों पर ही चलते हैं, लेकिन जब मनुष्य अंतर्मन की यात्रा करता है, तब यहां किसी प्रकार के कोई पदचिह्न नहीं होते। इस यात्रा पर चलने से हम सब प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाते हैं। श्वास को देखे बिना शरीर को ठीक तरह से समझ नहीं सकते, देख नहीं सकते। शरीर को देखे बिना मन को नहीं देख सकते। मन को देखे बिना आभामंडल को नहीं देख सकते और आभामंडल को देखे बिना प्राण को नहीं देख सकते। जो हमने यात्रा प्रारंभ की है। यात्रा के लिए हमने एक मार्ग चुना है। मार्ग पर हर कोई चलता है। हम भी चलते थे और चल रहे हैं। हर मार्ग पर पदचिह्न होते हैं, किंतु आज हमने एक ऐसा मार्ग चुना है, जिसमें कोई पदचिह्न नहीं है। पदचिह्न होने का अर्थ है- अनुसरण होना। जहां अनुसरण नहीं होता, वहां कोई पदचिह्न भी नहीं होता। हमारा मार्ग बिना पदचिह्न का मार्ग है। इसमें कोई किसी का अनुसरण नहीं करता। एक चिंतन आता है और उसका संस्कार बन जाता है। एक प्रवृत्ति होती है और उसका संस्कार बन जाता है। एक शब्द आता है और उसका संस्कार बन जाता है। चिंतन चला जाता है, प्रवृत्ति चली जाती है, शब्द चला जाता है, किंतु वे अपने पीछे चिह्न छोड़ जाते हैं। जो छोड़ा जाता है, उसकी आवृत्तियां होती रहती हैं। संस्कार शेष रह जाते हैं। किंतु हमने ऐसे मार्ग पर यात्रा शुरू की है, जिसमें कोई अनुसरण नहीं है, पदचिह्न नहीं है। जब चलने वाला अपने मार्ग से आसक्त हो जाता है, तब पदचिह्न शेष रह जाते हैं।

सवाल का जवाब चाहिए तो रहें मौन

संकलित

प्रेरणा

मौन रहना न केवल कई समस्याओं का समाधान हो सकता है, बल्कि कई जिज्ञासाओं का जवाब भी हो सकता है। गौतम बुद्ध के अनुसार, मौन केवल चुप रहना नहीं होता, बल्कि यह भीतर की यात्रा है। जब मन शांत होता है, तब बोधि (ज्ञान) का द्वार खुलता है। एक बार एक विद्वान ब्राह्मण मौलुंकपुत्र, जो पांच सौ शिष्यों के साथ आया था, बुद्ध के पास पहुंचा। उसके मन में अनेक प्रश्न थे। जैसे कि, क्या आत्मा और शरीर एक ही हैं या अलग-अलग? संसार शाश्वत है या अस्थायी? मृत्यु के बाद क्या होता है? इन प्रश्नों को लेकर मौलुंकपुत्र बुद्ध के पास पहुंचे और बोले- भगवन! आपको मुझे इन प्रश्नों के जवाब देने ही होंगे। बुद्ध ने उसकी आंखों में देखा और कहा - मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा, लेकिन एक शर्त है। एक वर्ष तक मौन रहो, ध्यान करो और भीतर के शोर को शांत करो। जब तुम्हारे भीतर की बातचीत रुक जाए, तब तुम पूछना और मैं उत्तर दूंगा। मौलुंकपुत्र दुविधा में पड़ गया। इतने प्रश्न, इतनी जिज्ञासा... और एक वर्ष का मौन! पास बैठे बुद्ध के शिष्य सारिपुत्र हंस पड़े। उन्होंने कहा - मुझे भी यही शर्त दी गई थी। मैं पांच हजार शिष्यों का गुरु था। एक वर्ष मौन रहा... और जब समय आया, तो कोई प्रश्न ही नहीं बचा। बुद्ध ने उत्तर देने का वादा निभाया, लेकिन तब मुझे कुछ पूछने की ज़रूरत ही नहीं रही। मौलुंकपुत्र ने मौन स्वीकार किया। एक वर्ष ध्यान में डूबा रहा। भीतर का कोलाहल शांत हुआ। प्रश्न गल गए। एक वर्ष बाद बुद्ध ने पूछा - अब तुम पूछ सकते हो। मौलुंकपुत्र मुस्कराया और बोला - अब कोई प्रश्न ही नहीं बचा।

अंतर्मन

आज की पाती

जाम से कब मिलेगा निजात

पुराना धमतरी रोड, संजय नगर से आगे बढ़ते ही जाम मिलता है। वापसी पर फिर जाम की स्थिति बनी रहती है। भाठागांव में जब से अंतर्राज्यीय बस अड्डा आया। यहां की यातायात व्यवस्था बदहाल हो गई। सड़कों पर दुकानदारों का बेजा कब्जा भी जाम की वजह बन रही है। ऐसे में लोगों को आने-जाने में दिक्कतें हो रही है। समस्या पर किसी का ध्यान नहीं है। एक-दो दिन औपचारिकता पूरी करके प्रशासन फिर मुंह फेर लेता है।

-कृष यादव, रायपुर

ट्रेंड

संविधान मिटाने की कोशिश

संविधान को मिटाने-हटाने की कोशिश भाजपाई और उनके संगी-साथी कभी रूप बदलकर करते हैं तो कभी नया मुखौटा लगाकर। पीडीए संविधान की रक्षा के लिए वचनबद्ध है क्योंकि संविधान ही हमारी ढाल और संविधान ही संजीवनी है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

आस्था का अपमान

बिहार में राहुल गांधी ने अपने चुनाव प्रचार की शुरुआत जिस तरीके से की है, वह न केवल राजनीतिक अपरिपक्वता का प्रतीक है, बल्कि बिहार और दिल्ली के करोड़ों छठ श्रद्धालुओं की लोक आस्था का अपमान है। उनका यह बयान घोर निंदनीय है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

राहुल गांधी विदेशी नेता

देशी नहीं, विदेशी नेता है राहुल गांधी। उन्होंने 2015 से 2019 के बीच 247 विदेश यात्राएं की। औसतन हर एक साल 50 से अधिक विदेशी यात्राएं। इसमें वह यात्राएं शामिल नहीं हैं जो उन्होंने चोरी से की। ऐसे नेता पर देश कभी भरोसा नहीं कर सकता।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

मूल्यांकन और मूल्य

मूल्यांकन और मूल्य एक ही नहीं हैं। मूल्यांकन और वास्तविक मूल्य के बीच की विशाल खाई एक गहरी खाई की तरह इतनी चौड़ी होती जा रही है कि यह हमारे वित्तीय बाजारों को निगल सकती है।

- शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

सक्रिय रूप से यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा ईरान

संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने बताया कि ऐसा प्रतीत नहीं होता कि ईरान सक्रिय रूप से यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है, लेकिन एजेंसी ने हाल में देश के परमाणु स्थलों पर फिर से गतिविधियां देखी हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि ईरानी परमाणु स्थलों तक पहुंच न होने के बावजूद, निरीक्षकों को उपग्रह चित्रों में ऐसी कोई गतिविधि नहीं दिखी है जिससे यह संकेत मिले कि इस्लामिक गणराज्य ने जून में इजराइल के साथ 12 दिन के युद्ध के बाद अपने यूरेनियम संवर्धन को पहले से अधिक तेज किया है। ग्रॉसी ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक साक्षात्कार में कहा, हालांकि, 60 प्रतिशत संवर्धित परमाणु सामग्री अब भी ईरान में है। और यह उन बिंदुओं में से एक है जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं क्योंकि हमें वहां वापस जाकर यह पुष्टि करनी होगी कि सामग्री वहां है और उसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। ग्रॉसी ने कहा कि हालांकि, निरीक्षकों ने उन जगहों के आसपास गतिविधियां देखी है जहां भंडार रखा गया है। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त पहुंच के बिना, आईएईए को उपग्रह चित्रों पर निर्भर रहना पड़ता है, जो केवल कुछ ही जानकारी दिखा सकते हैं।

ऑफ बीट

महाराजा चार्ल्स और महारानी कैमिला नेसडेन मंदिर पहुंचे

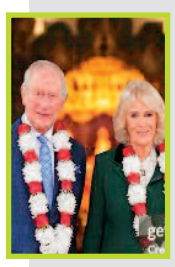

ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला ने लंदन में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर, जिसे नेसडेन मंदिर के नाम से जाना जाता है, की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। महाराजा (76) का स्वागत मुख्य पुजारी साधु योगविवेकदास स्वामी द्वारा पारंपरिक नादचड़ी या शांति और मैत्री के प्रतीक पवित्र धागा बांधने की रस्म के साथ किया गया। प्रवेश द्वार पर अपने जूते उतारने वाले राजपरिवार के सदस्यों को मोतियों से बंधे फूलों की माला पहनाई गई, जिसके बाद उन्हें अलंकृत मंदिर परिसर का भ्रमण कराया गया - यह यूरोप का पहला पारंपरिक हिंदू पत्थर मंदिर है, जिसका उद्घाटन अगस्त 1995 में हुआ था। मंदिर के प्रमुख देवता भगवान स्वामीनारायण की पवित्र प्रतिमा पर 11 वर्षीय स्कूली छात्र देव पटेल ने पुष्पांजलि अर्पित की, जबकि महाराजा ने हाथ जोड़कर नमस्कार किया। उन्होंने दक्षिण-पूर्व लंदन से आए पटेल परिवार द्वारा भगवान स्वामीनारायण के किशोर रूप श्री नीलकंठ वर्णी महाराज के अभिषेक समारोह का अवलोकन करने के बाद आभार व्यक्त किया और उपस्थित लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को था। साधु योगविवेकदास ने अपने स्वागत भाषण में कहा, यह मंदिर ईश्वर का घर है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

सिप्ला के शुद्ध लाभ में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। प्रमुख दवा कंपनी सिप्ला लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 3.7 प्रतिशत बढ़कर 1,353.37 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष इसी तिमाही में मुनाफा 1,305.01 करोड़ रुपये रहा था। आय 7,589.44 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी अवधि में 7,051.02 करोड़ रुपये थी।

चिप बनाने वाली कंपनी 'एनवीडिया' ने रचा इतिहास, 5 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका स्थित बड़ी टेक चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया कॉर्प के शेयरों में वॉल स्ट्रीट में 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। इसी के साथ कंपनी का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर (लगभग 420 लाख करोड़ रुपए) को पार कर गया।

- एनवीडिया ने तीन माह पहले ही 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की जबरदस्त उछाल के बीच अमेरिकी चिप निर्माता एनवीडिया ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। महज तीन महीने पहले ही एनवीडिया ने 4 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था। इस उपलब्धि के साथ कंपनी अब दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से लिस्टेड कंपनी बन गई है।

कंपनी एनवीडिया कॉर्प का पूंजीकरण 420 लाख करोड़ रुपए हुआ

500 अरब डॉलर के नए चिप ऑर्डर

कंपनी के सीईओ जेनसन हुआंग ने मंगलवार को खुलासा किया कि एनवीडिया को हाल ही में 500 अरब डॉलर (42 लाख करोड़ रुपए) के नए चिप ऑर्डर मिले हैं। इसके साथ ही कंपनी ने कई बड़े साझेदारी सौदे भी घोषित किए। जैसे- उबर के साथ मिलकर रोबोटैक्सी प्रोजेक्ट पर काम करेगी। नोकिया में 1 अरब डॉलर का निवेश, ताकि दोनों मिलकर 6G तकनीक पर काम कर सकें। इसके अलावा, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के साथ साझेदारी कर 7 नए एआई सुपरकंप्यूटर बनाए जाएंगे।

भारत, जापान और ब्रिटेन के जीडीपी से भी ज्यादा मूल्य : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी का मार्केट वैल्यू भारत, जापान और यूनाइटेड किंगडम के जीडीपी से भी अधिक हो गया है। यह आंकड़ा इस बात का संकेत है कि कैसे एआई अब केवल तकनीकी नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति का केंद्र बनता जा रहा है।

शेयरों में जबरदस्त तेजी

बुधवार को एनवीडिया के शेयर शुरुआती कारोबार में 207.86 डॉलर तक पहुंच गए। कंपनी के 24.3 अरब शेयरों के आधार पर इसका बाजार पूंजीकरण 5.05 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। साल 2023 की शुरुआत से ही एनवीडिया के शेयरों में रिकॉर्ड उछाल देखा गया है। इसका सबसे बड़ा कारण एआई चिप्स की वैश्विक मांग में विस्फोटक बढ़ोतरी है।

एआई क्रांति का अगुवा बना एनवीडिया

एनवीडिया की यह छलांग उस एआई क्रांति को दर्शाती है जिसने दुनिया की तकनीकी तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है। विशेषज्ञ इसे आईफोन क्रांति के बाद का सबसे बड़ा तकनीकी बदलाव मान रहे हैं। जैसे एप्पल ने आईफोन लांच के बाद 1, 2 और 3 ट्रिलियन डॉलर का मूल्य हासिल किया था, वैसे ही एनवीडिया अब एआई युग की नई एप्पल बनती दिख रही है।

ऊंची कीमतों के कारण 2025 की तीसरी तिमाही में देश में सोने की मांग 16% घटी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में वर्ष 2025 की जुलाई-सितंबर तिमाही में सोने की मांग मात्रा के हिसाब से 16 प्रतिशत घटकर 209.4 टन रह गई। यह गिरावट सोने की ऊंची कीमतों के कारण उपभोक्ताओं की खरीदारी में कमी के चलते आई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

उद्योग निकाय के अनुसार, इस साल की तीसरी तिमाही में सोने की कुल मांग घटकर 209.4 टन रह गई, जो पिछले साल समान अवधि में 248.3 टन थी। हालांकि, इस दौरान मूल्य के हिसाब से मांग 1,65,380 करोड़ रुपये से 23 प्रतिशत बढ़कर 2,03,240 करोड़ रुपये हो गई, जो सोने की कीमतों में तेजी को दर्शाता है।

अंतरराष्ट्रीय कीमतें 3456.5 डॉलर प्रति औंस रही

इसमें आयात शुल्क और जीएसटी शामिल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय कीमतें औसतन 3,456.5 डॉलर प्रति औंस रहीं, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 2,474.3 डॉलर प्रति औंस थीं। जैन ने कहा, "मात्रा में 16 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन मूल्य में 23 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सरकार यूएई के साथ सोने का कोटा आवंटित करेगी

सरकार ने कहा कि भारत और यूएई के बीच मुक्त व्यापार समझौते के तहत सोने के लिए शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) का आवंटन प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा। इस समझौते के तहत भारत टीआरक्यू के तहत एक प्रतिशत शुल्क या शुल्क रियायत के साथ यूएई से सालाना 200 मीट्रिक टन तक सोना आयात करने पर सहमत हुआ था।

आवंटन बोली प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा

भारत-यूएई व्यापार समझौते के तहत सोने के लिए टीआरक्यू आवंटन की प्रक्रिया में संशोधन करते हुए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक व्यापार नोटिस में कहा कि 'सीईपीए (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता) के तहत सोने के लिए टीआरक्यू का आवंटन प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर किया जाएगा।'

हुंडई मोटर के लाभ में 14.3 फीसदी की बढ़त

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 14.3 प्रतिशत बढ़कर 1,572.26 करोड़ रुपये हो गया। वाहन विनिर्माता कंपनी का पिछले साल की समान तिमाही में मुनाफा 1,375.47 करोड़ रुपये रहा था। जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 17,260.38 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी का कुल व्यय भी सालाना आधार पर बढ़कर 15,566.07 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले 15,602.79 करोड़ रुपये था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) संभाग छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बलौदा बाजार

क्रमांक/का.अ./ब.बा./सामा./3974 — बलौदाबाजार, 30/10/2025

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र अम्बेडकर चौक से 11 केव्ही पहंदा / रायपुर रोड फीडर में आवश्यक सुधार एवं रखरखाव कार्य हेतु नीचे लिखे विवरणानुसार सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सम्मानीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद है ।

क्र.	दिनांक	33 एवं 11 के. व्ही. फीडर का नाम	उपकेन्द्र का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	31.10.2025 (शुक्रवार)	11 केव्ही पहंदा / रायपुर रोड फीडर	33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र अम्बेडकर चौक बलौदाबाजार	पहंदा रोड, जिला संसाधन ऑडोटोरियम रायपुर रोड (मंथन राईस मिल तक) लवन रोड (सेक्रेड हार्ट स्कूल तक)

टीप :- 1) आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता हैं ।
2) स्वहित एवं राष्ट्रहित मे विद्युत की बचत करें।
3) विद्युत बिल का भुगतान समय पर करे ।

आदित्य कुमार ठाकुर)
कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा) संभाग
छ.स्टेट. पॉ.डि.कं.लि. बलौदा बाजार

बीएसएनएल ने दूसरी तिमाही में लक्षित राजस्व का 93 प्रतिशत किया हासिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी बीएसएनएल ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में अपने लक्षित राजस्व का 93 प्रतिशत यानी 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिया।

बीएसएनएल की तिमाही समीक्षा के बाद मंत्री ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 11,134 करोड़ रुपये रहा। सिंधिया ने कहा, '' इस (जुलाई-सितंबर) तिमाही में हमने अपने लक्ष्य का 93 प्रतिशत राजस्व हासिल कर लिया। हमने 5,740 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा था जिसमें से हमने 5,347 करोड़ रुपये हासिल कर लिए। इसलिए, हम उस बड़े लक्ष्य के काफी करीब हैं जो हमने पिछले साल की आय में उछाल के आधार पर अपने लिए तय किया था। मंत्री ने कहा कि समूचे वित्त वर्ष 2025-26 में बीएसएनएल का लक्ष्य राजस्व को 20 प्रतिशत बढ़ाकर 27,500 करोड़ रुपये करना है। मंत्री ने कहा, '' हमारा एआरपीयू भी बढ़ा है। इस वर्ष की पहली तिमाही में यह 81 रुपये था, जो इस वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 91 रुपये हो गया है। इस प्रकार एआरपीयू में 12 प्रतिशत का सुधार हुआ है।''

- केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कंपनी के तिमाही समीक्षा के बाद कहा
- पहली छमाही में कंपनी का राजस्व 11,134 करोड़ रुपए रहा

महाराष्ट्र, केरल ने किया अच्छा प्रदर्शन

प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) किसी दूरसंचार संचालक की वृद्धि को मापने का एक प्रमुख पैमाना है। मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र, केरल, पूर्वी उत्तर प्रदेश, अंडमान और निकोबार, और जम्मू-कश्मीर ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है जहां एआरपीयू 214 रुपये तक पहुंच गया।

मप्र, झारखंड व कोलकाता के प्रदर्शन पर चिंता जताई

सिंधिया ने मध्य प्रदेश, झारखंड और कोलकाता जैसे क्षेत्रों के प्रदर्शन पर चिंता जाहिर की जहां एआरपीयू 60 रुपये के दायरे में है।

विदेशी कोषों की निकासी से शेयर बाजार में खासी गिरावट

- सेंसेक्स 593 और निफ्टी 176 अंक लुढ़का
- फेड के ब्याज दरों पर स्पष्ट रुख न आने से बाजार में रही गिरावट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विदेशी कोषों की ताजा बिकवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दरों पर स्पष्ट रुख न आने से बृहस्पतिवार को स्थानीय शेयर बाजार में खासी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 593 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 176 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 592.67 अंक यानी 0.70 प्रतिशत टूटकर 84,404.46 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 684.48 अंक गिरकर 84,312.65 अंक पर आ गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 176.05 अंक यानी 0.68 प्रतिशत टूटकर 25,877.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट देखी गई। दूसरी तरफ, लार्सन एंड टुब्रो, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट और मारुति के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2,540.16 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,692.81 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसाईसीएल / म.प्र. / भू.रा. / 2025 / 750 — दिनांक 03.10.2025

सूचना

एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के प्रस्तावित अंबिका ओपन कॉस्ट परियोजना के ग्राम- करतली के प्रभावित भू-विस्थापितों को एसईसीएल में नौकरी प्रदान करने आरंभ है, जिसमें से निम्नलिखित 05 भू-विस्थापितों द्वारा रोजगार के बदले एकमुश्त वित्तीय सहायता राशि प्राप्त करना चाहते है के नामों में अंतर पाया गया है। इसका विवरण इस प्रकार है:-

क्रं.	घटते क्रम की सूची क्रं.	खातेदार का नाम / पिता का नाम	अर्जित खसरा नं.	अर्जित रकबा (ए.)	नामांकित व्यक्ति का नाम / पिता का नाम नामांकन फार्म में	संबंध	सीबीए स्टटमेंट-V	बी-1(वर्ष 2008-09 से 2012-13)	पी-2 (वर्ष 2008-09 से 2012-13)	नामांकन फार्म में खातेदार का नाम	सहमति / शपथ पत्र	वंशवृक्ष	आधार कार्ड	निवास प्रमाण पत्र	जाति प्रमाण पत्र	शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र
1	64	बुधवार सिंह पिता भूरा सिंह	185 / 1, 467	1.24	राज कुमार पिता इंजोर सिंह	पोता	बुधवार सिंह / भूरासिंह	बुधवार सिंह व. भूरासिंह	बुधवारा सिंह व. भूरासिंह	बुधवार सिंह पि. भूरासिंह	राम कुमार पिता श्री अंजोर सिंह, राम सिंह तिहारो सामबाई श्यामा, रमा पिता स्व. अंजोर सिंह, समलकुंवर पति स्व. अंजोर सिंह	बुधवार सिंह पिता भूरासिंह समल कुंवर पत्नी, राम कुमार, रामसिंह, तिहारो बाई, श्यामा बाई, रमा बाई	राम कुमार आत्मज अंजोर सिंह	राजकुमार पिता अंजोर सिंह	राजकुमार पिता अंजोर सिंह	-
2	67	गोविन्द सिंह पिता कंचन सिंह	559 / 1	1.19	मनीराम पिता स्व. गोविन्द सिंह	पुत्र	गोविन्द सिंह / कंचन सिंह	गोविन्द सिंह व. कंचन सिंह गोड़	गोविन्द पिता कंचन सिंह	गोविन्द सिंह पिता कंचन सिंह	राजकुमार, मनीता पिता स्व. गोविन्द सिंह, सहोद्रा बाई पति स्व. गोविन्द सिंह, मनीराम पिता स्व. गोविन्द सिंह	गोविंद सिंह पिता कंचन सिंह, सहोद्रा बाई पत्नी गोविंद सिंह, राजकुमार, मनीराम, मनिता पिता गोविंद सिंह	मनीराम आत्मज गोविन्द सिंह	-	-	मनीराम आत्मज गोविन्द सिंह
3	96	बीर सिंह पिता दुलार सिंह	158 / 1, 508 / 1, 511 / 5 kh, 512 / 32, 513 / 3	0.92	राम कुमार कमरो	पुत्र	बीर सिंह / दुलार सिंह	बीर सिंह व. दुलार सिंह गोड़	बीर सिंह व. दुलार सिंह	बीर सिंह पिता दुलार सिंह	रामकुमार पिता स्व. बीर सिंह, लच्छन, वसंत बाई कोरम, बचन कुंवर पिता बीर सिंह, शांति कमरो पति स्व. बीर सिंह, तिरिथराम कमरो पिता स्व. बीर सिंह	बीर सिंह पिता दुलार सिंह, शांति कमरो पत्नी, तिरिथराम, रामकुमार, लक्षन, बसंत बाई कोराम, बचन कुंवर पिता बीर सिंह	राजकुमार कमरो आत्मज बीर सिंह	-	राजकुमार कमरो पिता बीर सिंह	-
4	79	अमोल सिंह पिता परमानंद	596 / 7, 606 / 11, 627 / 3, 598 / 7	1.03	ललिता पति अमोल सिंह	पत्नी	अमोल सिंह / परमानंद	अमोल सिंह व. परमानंद	अमोल सिंह व. परमानंद	अमोल सिंह पिता परमानंद	ललिता सलाम पति अमोल सिंह, अमोल सिंह सलाम पिता परमानंद	अमोल सिंह पिता परमानंद, हेल्चिक सिंह सलाम पिता अमोल सिंह, ललिता सलाम पति अमोल सिंह	ललिता सलाम द्वारा अमोल सिंह सलाम	ललिता सलाम पति अमोल सिंह	ललिता पिता शंकर सिंह	ललिता पिता शंकर सिंह
5	71	बिरझा बाई पति प्रहलाद	629 / 6, 643 / 3	1.15	मीना पिता बुंदेल सिंह	पोती	बिरझा बाई पत्नी प्रहलाद	बिरझा व. प्रहलाद	बिरझा बाई पति प्रहलाद	बिरझा बाई	मीना पिता बुन्देल सिंह, बिरझा बाई पति प्रहलाद सिंह, बिरझाा बाई पति प्रहलाद सिंह, बुंदेल सिंह, मानमती, कीर्तिबाई पिता प्रहलाद सिंह, इन्द्रजीत सिंह, सुरजीत सिंह, मधु मंजू, पिसरान बुन्देल सिंह	बिरझा बाई पति प्रहलाद सिंह, बुन्देल सिंह, मानमती, कीर्ति बाई माता बिरझा बाई, इन्द्रजीत सिंह, मधु, मंजू, सुरजीत सिंह, मीना पिता बिन्देल सिंह	मीना आत्मज बुंदेल सिंह	मीना पिता बुन्देल सिंह	मीना पिता बुन्देल सिंह	मीना पिता बुन्देल सिंह

उपरोक्त वर्णित नामों के अंतर एवं भू-स्वामियों द्वारा रोजगार के बदले एकमुश्त वित्तीय सहायता राशि लेने के संदर्भ में यदि किसी को आपत्ति है तो अपनी आपत्ति प्रकाशन तिथि से सात (07) दिवसों के अंदर इस कार्यालय को सूचित करें। समय-सीमा समाप्त होने पर किसी प्रकार की आपत्तियों को स्वीकार नही किया जायेगा।

महाप्रबंधक, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, हजारीबाग

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय से आमंत्रित ई–निविदा IRQP work of Hazaribag Lake road (MDR-097) from Km 0.00 to 8.400 (Total Length 7.545 Km Excluding Approach Road for all residential Quarters) for the year 2025-26 Under RCD, Road Division, Hazaribag कार्य जिसका ई–निविदा प्रसंग संख्या (BID Reference No. RCD/HAZARIBAG/939/2025-26 दिनांक 18.10.2025, पी.आर. संख्या 364507 Road(25-26)_D दिनांक 19.10.2025 द्वारा प्रकाशित निविदा अपरिहार्य कारणवश रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता
प॰नि॰वि॰ पथ प्रमण्डल, हजारीबाग

PR 364890 Road (25-26)_D

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया नियम

अब केवल कानूनी पत्नी को ही मिलेगा पारिवारिक पेंशन का हक़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सरकारी कर्मचारियों की पेंशन व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार ने एक अहम स्पष्टीकरण जारी किया है। सरकार ने कहा है कि किसी सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद पारिवारिक पेंशन का अधिकार केवल उसकी 'कानूनी पत्नी' या 'वैध रूप से विवाहित पत्नी' को ही होगा।अगर कर्मचारी ने पहली पत्नी के ज़िंदा रहते एक से अधिक विवाह किए हैं, तो दूसरी या बाद की पत्नी, जो हिंदू मैरिज एक्ट के तहत कानूनन अवैध विवाह की श्रेणी में आती है, उसे पारिवारिक पेंशन का लाभ नहीं मिलेगा। जाहिर ये हिंदू मैरिज के कानून हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन धर्म के अनुयायियों पर लागू होते हैं केवल उन पर ही नई पेंशन नीति लागू होगी। दरअसल ये स्पष्टीकरण केंद्र सरकार ने अपने पूर्व के नोटिफिकेशन पर उपजे संशय को खत्म करने के लिए 27 तारीख को जारी किया है। इससे पहले 21 अक्टूबर 2024 को जारी नोटिफिकेशन में पेंशन रूल 50(8)(सी) का जिक्र करते हुए ये व्यवस्था दी थी कि एक से अधिक पत्नी होने पर समान रूप से पेंशन का बंटवारा कर दिया जाएगा।

क्या कहा गया है नए स्पष्टीकरण में

केंद्र सरकार ने हाल ही में 27 तारीख को जारी एक परिपत्र जारी कर स्पष्ट किया है कि 'यदि किसी सरकारी कर्मचारी ने, हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के अधीन रहते हुए, पहली पत्नी के रहते हुए दूसरी शादी की है, तो दूसरी शादी अवैध मानी जाएगी, और उस विवाह से जुड़ी महिला या उसके बच्चों को परिवार पेंशन का कोई कानूनी अधिकार नहीं होगा।'इस परिपत्र के अनुसार, केवल वही पत्नी, विवाह और पारिवारिक स्थिति मान्य होगी, जो संबंधित वैधानिक अधिनियम के तहत विधिसम्मत हो।

जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा (प्रारंभिक) जिला बस्तर, जगदलपुर
EMail- mis.baster@gmail.com, Ph: 07782-221865

क्रमांक /682/SS/EE / नीति आ. / निविदा / 2025-26

जगदलपुर, दिनांक 29/10/2025

कार्यालय जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा (प्रारंभिक), जगदलपुर जिला बस्तर की ओर पंजीकृत फर्म / संस्था द्वारा आवासीय विद्यालयों में अबेकस (गणित) विषय के संचालन करने हेतु मोहर बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं शर्तो की जानकारी जिले के वेबसाइट **bastar.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

निविदा जारी करने की तिथि - 29/10/2025
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 27/11/2025 समय संध्या 05:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 28/11/2025 समय संध्या 04:00 बजे

S-45732/1

जिला मिशन समन्वयक
समग्र शिक्षा, जिला बस्तर

न्यायालय तहसीलदार नजूल जिला-दुर्ग

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./202509104200005 /अ/20 (1)/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग (छ.ग) के ज्ञापन क्र / 6975 / चार- 1 - 5 / 2001 दुर्ग दिनांक 22/08/2025 के अनुसार लेख है कि डी.एफ.ओ एवं कलेक्टर आवास के मध्य शासकीय आवास क्रमांक सी - 1 स्थित है जो कुटुम्ब न्यायाधीश दुर्ग को पूर्व से आबंटित था । उक्त संबंध में डी.एफ.ओ एवं कलेक्टर आवास के मध्य शासकीय आवास क्रमांक सी-1 की भूमि न्यायाधीशों के आवास गृह निर्माण हेतु आबंटित किये जाने की कार्यवाही करने हेतु पत्र कार्यालय कलेक्टर (आबंटन) दुर्ग छ.ग. के ज्ञापन क्रमांक / 6982 / नजूल / आबंटन / 2025 दुर्ग, दिनांक 02/09/2025 के माध्यम से इस न्यायालय में प्राप्त हुआ है। रा. नि नजूल के द्वारा नजूल भूमि शीट क्र. 77, मोहल्ला सिविल लाईन कसारीडीह भू.क्र. 10 का भाग क्षेत्रफल 840.00 वर्गमीटर चिन्हांकित किया गया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा / आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 03/11/2025 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकतें हैं । समयावधि समाप्त होने पर आपत्ति या दावा पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 23/10/2025 को यह उदघोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

G-252604453/2 (मुहर)

तहसीलदार नजूल
दुर्ग

Chhattisgarh Rural Roads Development Agency
VIKASH BHAVAN, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No. 1046,1047 & 1048/TC-T/CGRRDA/2025 Dated 24/10/2025

Chief Engineer, CGRRDA, Raipur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for Construction & Maintenance under MMGSVY, Construction & Maintenance of road, SCA Fund & MMGGPY sanctioned for districts of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

S. No	NIT No	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs)	Districts	Rate invited
01	1046	MMGSVY	Total Cost 559.69 Lakhs (Const. Cost 526.30 Lakhs, Maint. Cost 33.38 lakhs.) (Including GST)	Sukma	Percentage Rate of PMGSY SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur
02	1047	Construction & Maintenance Road (SCA Fund)	Total Cost 2676.42 Lakhs (Excluding GST) (Const.Cost 2513.53 Lakhs, Maint.Cost 162.89 lakhs)	Sukma, Bijapur,	Percentage Rate of PMGSYSOR 22.02.2018 issued by CE,CGRRDA Raipur
03	1048	MMGGPY	Total Cost 235.34 Lakhs (Including GST)	Bilaspur, Gaurela Pendra Marwahi	Percentage Rate of PMGSY SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur
04	1049	MMGSVY	Total Cost 203.00 Lakhs (Const. Cost 169.18 Lakhs, Maint. Cost 33.82 lakhs.) (excluding GST)	Dhamtari	Percentage Rate of PMGSY SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed NIT and other details can be viewed our on website https://eproc.cgstate.gov.in from 30.10.2025 from 5:30 PM & onwards. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of this website.

Chief Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Civil Lines, Raipur (C.G.)
E-mail: pmgsyrc4@yahoo.co.in

S-45727/2

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) गरियाबंद, छत्तीसगढ़
कलेक्टर परिसर (रूम न 73. प्रथम तल)
e-mail: mininggariaband@gmail.com

क्रमांक 800/ ख.लि./ रेत/ न.क्र./2025-26 गरियाबंद, दिनांक 24/10/2025

// रेत खदानों के आबंटन हेतु नीलामी सूचना //

1- MSTC/RPR/Chhattisgarh/Gariyaband Tender/7/25-26/39629- For Majarkatta Block
2- MSTC/RPR/Chhattisgarh/ Gariyaband Tender/8/25-26/39630 - For Ranipartewa 03 Block
3- MSTC/RPR/Chhattisgarh/Gariyaband Tender /9/25-26/39631- For Kutena 02 Block

सर्वसाधारण की जानकारी के लिये यह प्रकाशित किया जाता है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला गरियाबंद (छत्तीसगढ) द्वारा छत्तीसगढ गौण खनिज साधारण रेत (उत्खनन एवं व्यवसाय) नियम, 2025 के नियम-7 अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक - नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) के माध्यम से उत्खनन पट्टा आबंटन किया जाना है। जिस हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक बोलीदार इलेक्ट्रानिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) में भाग ले सकता है। इलेक्ट्रॉनिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) हेतु बोली प्रारंभ करने की आरंभिक तिथि 19.11.2025 (सुबह 10.00 बजे से) तथा अंतिम तिथि 25.11.2025 (शाम 05.30 बजे तक) है ।

इच्छुक बोलीदार खदानों का आबंटन हेतु इलेक्ट्रानिक- नीलामी (रिवर्स ऑक्शन) की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी एमएसटीसी के वेबसाइट mstcecommerce.com एवं जिले के वेबसाइट gariaband.gov.in एवं कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) गरियाबंद एवं संबंधित ग्राम पंचायत /जनपद/ जिला पंचायत भवन के सूचना पटल से प्राप्त कर सकता है।

एमएसटीसी लिंक https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/mmb/sandcg/index.jsp
(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

अपर कलेक्टर
जिला गरियाबंद (छ.ग.)

G- 252604423/2

कार्यालय मुख्य अभियंता,
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 28.10.2025

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1.	112/CE/NH/TC/44-85/2025 (2nd Call)	2025_MoRTH_882906_1	B.T ROAD REPAIR WORK OF EXISTING ROAD SECTION AMBIKAPUR TO RAJPURIKHURD KM 0.000 To 7.830 = 7.830 KM OF AMBIKAPUR RAMANUJGANJ GARHWA ROAD N.H.-343.	Rs. 187.00 Lakhs

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 03.11.2025 शाम 17.30 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

G-252604421/4

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

प्रवेश प्रारंभ
श्री बालाजी इंस्टीट्यूट
ऑफ नर्सिंग, पैरामेडिकल एवं फार्मेसी

Nursing Course	Duration
B.Sc. Nursing	4 Years
P.B.B.Sc. Nsg	2 Years
M.Sc. Nursing	2 Years
Paramedical Course	**Duration**
Lab tech, OT tech, X-Ray tech,Ortho tech	1 Year
Pharmacy Course	**Duration**
D Pharmacy	2 Years

क्लीनिकल सुविधा
श्री बालाजी हॉस्पिटल
1500 बिस्तरों का एडवांस्ड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं 150 सीटों का मेडिकल कॉलेज
नर्सिंग प्रवेश हेतु 7694016816, 6266631615, 7999665899
पैरामेडिकल एंड फार्मेसी प्रवेश हेतु 9201641200, 9201631200, 9201622400

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सरोना, तेलीबांधा, मोतीबाग, टाटीबंध, चंदनडीह एम.जी. रोड हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी हेड गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एंव हाउसकीपिंग स्टाफ की आवश्यकता है ड्यूटी 12 घंटा, योग्यता न्यूनतम दसवीं पास। वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क-** 8602776151. (RO-6551)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित संस्था में कार्य हेतु सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है (मेल / फीमेल) **संपर्क करें मोबाइल नंबर:-** 9981855505, 9131941253.(RO-339)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मिल कार्य

आवश्यकता है- तेल मिल मे काम करने के लिए लड़के लड़की की आवश्यकता है. रायपुरा चौक. **पगार 8 से 10 हजार** 8839105162. (RO-398)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता 10वी, 12वी, **संपर्क करे:- रामा मेडिटेक, गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर-15/A, रायपुर,** 6269933233.(RO-389)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 5 युवक/युवतियों की आवश्यकता है वेतन 6000 से 15000 तक भिलाई/दुर्ग वाले को प्राथमिकता, **मो-** 78038-56087, 82694-65640, 91094-79330 (आरो न.-684)

आवश्यकता है- न्यू ऑफिस कार्य हेतु लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। कंप्यूटर ऑपरेटर, रिसेप्शनिस्ट, टेलीकॉलर, अकाउंटेंट, मार्केटिंग, सुपरवाइजर, गार्ड एंव ऑफिस बॉय भी **संपर्क करें।-** , 9981855505, 9131941253.(RO-333)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर,कप्तान .जानकार को प्राथमिकता। **संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव- प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-** 98932-15251, 89669-81590.(आरो न.-682)

ठेकेदार/मिस्त्री

आवश्यकता है- कूलर फैक्ट्री में विंडो कूलर बनाने एवं मिग वेल्डिंग,गैस वेल्डिंग करने के लिए ठेकेदार एवं मिस्त्री की आवश्यकता है। **संपर्क - कूलर हाउस,गांधी चौक,रायपुर मोबाइल** 9827129211.(RO-353)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए,वेतन 10000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करे** - 9039470547.(RO-512)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन-12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। **संपर्क करें-** 8982690021, 9993911979.(RO-511)

वेल्डर

आवश्यकता है- वेल्डर की जॉब के लिए संपर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस धमधा रोड दुर्ग बायपास के पास **फोन नंबर :-** 9329870104. (आरो नं.-1677)

मैनेजर/हेल्थ वर्कर

आवश्यकता है- भिलाई-आयुर्वेदिक कंपनी में मार्केटिंग मैनेजर (Event Manager) कार्य हेतु (1- POST) 2- 5 YEAR EXPERIENCE वेतन 30000 + योग्यतानुसार ऑफिस कार्य 2, हेल्थ वर्कर3, युवक-युवतियों की आवश्यकता है। वेतन 7000 - 8000, **मो-** 62682-79954.(आरो नं.-1681)

डिजाइनर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- विज्ञापन एंव प्रिंटिंग ऑफिस हेतु अनुभवी सेल्समैन, ग्राफिक्स डिजाइनर, टेलीकॉलर, हेल्पर, कम्प्युटर ऑपरेटर, पी ए, चपरासी, एंव ड्रायवर की आवश्यकता है। **संपर्क मां एड एजेंसी रायपुरा चौक।** 7974351591.(RO-4024)

क्लीनिक कार्य

आवश्यकता है- क्लीनिक में कार्य हेतु दसवीं/बारहवीं पढ़े लड़के की आवश्यकता है। दुर्ग निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार 6000 से 7000 , संपर्क - डॉ. एच.सी.अग्रवाल मों नं.- 96177-89223, 942555-55659, समय- शाम 5 बजे से 8 बजे तक **पता:- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.)** (आरो न.-4114)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- टाटीबंध,रायपुर नर्सिंग होम, ट्रेनी स्टाफ (12 वी)। नर्सिंग स्टाफ(ANM, GNM)। आया बाई। वेतन योग्यतानुसार। रहने की सुविधा । **मो.** 9826077576, **समय 1-2 PM** (RO-0068)

लोडिंग/अनलोडिंग

आवश्यकता है- पानी काम के लिए गाड़ी लोडिंग अनलोडिंग करने एवं बिल बनाने सक्षम, मेहनती, ईमानदार युवक की आवश्यकता है, **संपर्क:- डी. डी नगर रायपुर** Mob. 8770021818.(RO-341)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित **सम्पर्क करें- पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर** 7974770055, 8889997826.(RO-38966)

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- दुर्ग/ राजनांदगांव में निम्न पदों के लिए कर्मचारी (युवक/युवतियां) की आवश्यकता है। 5 साल अनुभवी को प्राथमिकता। * बी.ई/ डिप्लोमा सिविल इंजीनियर - 4 पद , * सुपरवाइजर भवन/सड़क निर्माण कार्य हेतु - 4 पद , * फार्म हॉउस मैनेजर -1 पद ,* फार्म हॉउस टेडेसरा साफ-सफाई कर्मचारी (फैमिली सहित) , के.पी.मिश्रा कन्स्ट्रक्शन **पता- महाराजा चौक, डी-15, आदर्श नगर दुर्ग-** 78698-77505, 70003-43771.(आरो न.-683)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- मैग्नेटो मॉल/वीआईपी चौक के पास निजी कार हेतु अनुभवी ड्राइवरों और जेल रोड में ऑफिस/फील्ड कार्यों हेतु स्टाफ की आवश्यकता है। बीड़ी-सिगरेट/शराब-गुटखा निषेध। **संपर्क:** 9300593000.(RO-7233)

शीघ्र आवश्यकता- स्कूल बस चालक/ मैजिक चालक- 10 पद, सुरक्षागार्ड- 05 पद **संपर्क करे- मो. नं.** 7389358588, 7805015500, **पता- 01, सुंदर नगर रायपुर.** (RO-0070)

कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर घर में शाकाहारी खाना बनाने महिला कुक की आवश्यकता, समय सुबह 10.30-1, शाम 5.30-7.30 तक, वेतन काम अनुसार **संपर्क करें** 8120289207, 9300201654. (RO-6552)

एच.आर./मैनेजर

आवश्यकता है- शिवाय & रूद्र कार्पोरेशन शंकर नगर रायपुर को विभिन सर्विस के लिए HR मैनेजर/एग्जीक्यूटिव प्रोजेक्ट का ऑर्डिनेटर की आवश्यकता है, योग्यता पोस्ट ग्रेजुएशन, ग्रेजुएशन, वेतन योग्यतानुसार **कॉन्टैक्ट-** 7354154632.(RO-336)

सेल्स एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- वाशिंग पाउडर कंपनी शिवशक्ति एंटरप्राइजेस दुर्ग क्षेत्र के लिए अनुभवी सेल्स एग्जीक्यूटिव एवं फैक्ट्री अंदर कार्य हेतु कर्मचारी कि आवश्यकता स्वयं का वाहन आवश्यक वेतन योग्यतानुसार **संपर्क** 7000169593.(आरो नं.-1679)

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

गोडाऊन कर्मी

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में गोडाउन कार्य हेतु मेहनती युवक/ युवतियों की तथा बिलिंग कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है। **मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई रायपुर . मो.** 9669164000, 9165929000.(RO-465)

आवश्यकता है- डाबर की एजेंसी के गोडाउन एवं कम्पुटर पर कार्य करने हेतु लडको की एवं टाटा एस के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। **सम्पर्क करें किसन मार्केटिंग, महेश कालोनी, श्रीनगर रोड गुढियारी, रायपुर मो** 9827168307.(RO-349)

ऑफिस कार्य/मार्केटिंग

आवश्यकता है- आफिस कार्य एवं मार्केटिंग हेतु युवतियों/ महिलाओ कि आवश्कता है, योग्यता: १२वीं पास **सम्पर्क करें:- मीताली वेलनेस रायपुर ढाबा के पास, पचपेड़ी नाका चौक रायपुर फोन नंबर** 0771-3502204.(RO-337)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर स्थित एक प्रतिष्ठित बंगले के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, विश्वसनीय एवं जिम्मेदार घरेलू नौकर की आवश्यकता है अनुभवः 5 से 10 वर्ष शैक्षणिक योग्यताः न्यूनतम 10वीं पास वेतनः 25,000 तक प्रतिमाह सुविधाएंः रहने और खाने की व्यवस्था निःशुल्क स्थानः सिविल लाइन्स रायपुर **संपर्क करें:** 9109125252 / 9109972720 **केवल अनुभवी और जिम्मेदार उम्मीदवार ही संपर्क करें।** (RO-338)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

हेल्पर

आवश्यकता है- राईस मिल हेतु परबाईलिंग में हेल्पर कार्य के लिये कुल 4 पद लड़को की आवश्यकता हैं। **सम्पर्क करें- बोरझरा, उरला, रायपुर (छ.ग.), मो.** 9826136200. (RO-6999)

सेल्समैन/हेल्पर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन व कपड़े की दुकान में काम किया हुआ व्यक्ति एवं हेल्पर की आवश्यकता है समय 3 से 6 **चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29-30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर-** 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7262)

टेक्नीशियन/असिस्टेंट

आवश्यकता है- यूरेकाफॉर्ब्स लिमिटेड प्रोडक्ट हेतु टेलीकॉलर- 2, ऑफिस असिस्टेंट- 02, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव- 4, सर्विस टेक्निशियन- 2, ऑफिस बॉय-1 **संपर्क करें:- दीपिका सर्विसेज कर्मचारी कॉलोनी कुशालपुर रायपुर** 9826652461. (RO-327)

सेल्स कार्य

आवश्यकता है- श्रीमारूति कोरियर ऑफिस में लड़कियों एवं डाक-पार्सल बांटने बाइकर 12वीं पास लड़के चाहिए। श्री मारूति कोरियर, **रिंगरोड-1, कालीमाता मंदिर के आगे, कुशालपुर, रायपुर, बायोडाटा भेजे** 9399676408. (RO-352)

थैरापिस्ट

आवश्यकता है- आयुर्वेदिक हॉस्पिटल में काम करने हेतु लड़की (पंचकर्म थैरापिस्ट) की आवश्यकता है **संपर्क करें श्री आयुर्वेद, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** 9827312343, 9406010081.(RO-4030)

सर्विस सेन्टर कर्मी

आवश्यकता है- रायपुर में इंडस्ट्रियल मोटर / जनरेटर सर्विस सेंटर में आईटीआई इलेक्ट्रीशियन तथा वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा मार्केटिंग कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। **संपर्क** 7869096500, 7898900131.(RO-465)

Business व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित **संपर्क:-** APS इंटरप्राइजेस, **रायपुर-** 9111760925, 9977676447, **बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर-** 8827848099. (RO-302)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

CLASSIFIED RATE CARD
हरिभूमि — समाचार ही नहीं, विचार भी — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 6+4
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

जैकेट के शेष

सज गया मेला ....

जवानों का जत्था मंगलवार से रायपुर पहुंच चुका है और उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के अनुसार अभनपुर तथा नवा रायपुर से सटे 15 किलोमीटर के एरिया को हाई अलर्ट जोन घोषित किया गया है। जिन ग्रामीण इलाकों को हाई अलर्ट जोन घोषित किया गया है, उन क्षेत्रों को जोन में बांटकर पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। सुरक्षा प्रभारी राजपत्रित पुलिस अधिकारी होंगे। जवानों की तैनाती प्रधानमंत्री के आगमन के एक दिन पूर्व की जाएगी। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में पांच हजार पुलिस जवानों की तैनाती की जा रही है। इनमें कई जिलों के जवान, अफसर शामिल हैं। मंच से 60 फीट दूर होगी बैठक व्यवस्था - मेला स्थल पर प्रधानमंत्री जहां लोगों को संबोधित करेंगे, वहां वीआईपी के साथ सामान्य लोगों की बैठने की व्यवस्था मुख्य मंच से 60 फीट दूर होगी। जहां सीटिंग व्यवस्था की गई है, वहां और 10 फीट दूर से चेयर लगाए जाएंगे। इस तरह से लोगों से प्रधानमंत्री की दूरी 70 फीट रहेगी। यह व्यवस्था एसपीजी के प्रोटोकॉल के हिसाब से की गई है।

आज से आवाजाही बंद ....

रायपुर आएंगे, उसी दिन बंद रहेगा। एयरपोर्ट पहुंचने वाले लोगों की बारीकी से जांच होगी। इसीलिए शनिवार को एयरपोर्ट जाने वालों को समय से एक घंटा पहले पहुंचने कहा जा रहा है।

ऑडिशन देने आए ....

ने कहा कि जल्द ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उनके पास गृह विभाग भी है। पुलिस उपायुक्त दत्ता नलावडे ने बताया, दोपहर करीब डेढ़ बजे पवई पुलिस थाने को सूचना मिली कि महावीर क्लासिक बिल्डिंग में एक व्यक्ति ने 17 बच्चों को बंधक बना लिया है। मुंबई पुलिस की टीम ने बचाव अभियान चलाया और सभी बच्चों को सुरक्षित मुक्त करा लिया। बच्चों को मुक्त कराने के अभियान के दौरान आरोपी घायल हो गया, जिसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) सत्यनारायण ने कहा, सभी बच्चे सुरक्षित हैं।

जलसंचय जनभागीदारी ...

नेशनल वाटर कमीशन की मिशन डायरेक्टर अर्चना वर्मा ने पत्र जारी कर बधाई दी है। मिशन डायरेक्टर की ओर से दिव्या मिश्रा के नाम से जारी पत्र में कहा गया है कि हम बालोद ज़िले को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और श्रेणी 1 में जल संचय जन भागीदारी (जेएसजेबी) 1.0 पुरस्कार जीतने के लिए हार्दिक बधाई देते हैं, जिसमें जेएसजेबी के अंतर्गत जल संरक्षण कार्यों के लिए 2 करोड़ रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि भी शामिल है। जल-सुरक्षित भविष्य के लिए आपके नेतृत्व और दृष्टिकोण तथा परिवर्तन लाने की आपकी क्षमता ने न केवल जल संरक्षण में, बल्कि व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आपने जेएसजेबी के अंतर्गत समुदाय-नेतृत्व वाले जल संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करके न केवल अपने ज़िले में जल-सकारात्मक कार्यवाही को गति दी है, बल्कि जल के प्रति खोए हुए सम्मान को पुनः जगाने में भी मदद की है। अब जब हम जेएसजेबी 2.0 के अंतर्गत 1 करोड़ कृत्रिम पुनर्भरण और जल संरक्षण संरचनाएँ बनाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं, तो हमें आपके निरंतर नेतृत्व और समर्पण पर भरोसा है। हमें विश्वास है कि आपका ज़िला एक बार फिर इस अवसर पर खरा उतरेगा और आपके नेतृत्व में जल संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से दूसरों को प्रेरित करेगा।

डिप्टी सीएम साव ने सराहा...

क्षेत्र में अव्वल स्थान मिला है। उपमुख्यमंत्री ने बालोद जिले की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन के लिए बालोद जिला प्रशासन की टीम ने योजना के अनुरूप काम किया है।

हिमाचल की 5340 मीटर ....

कैंप से केवल 12 घंटे में पूरी की। वह भी आल्पाइन शैली में, जो तकनीकी रूप से अत्यंत कठिन मानी जाती है। यह ऐतिहासिक अभियान सितंबर 2025 में आयोजित हुआ, जिसका आयोजन जशपुर प्रशासन ने पहाड़ी बकरा एडवेंचर के सहयोग से किया। इस अभियान को हीरा ग्रुप सहित अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों का सहयोग प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि इस दल के पांचों पर्वतारोही पहली बार हिमालय की ऊंचाइयों तक पहुंचे थे। सभी ने देशदेखा क्लाइम्बिंग एरिया में प्रशिक्षण प्राप्त किया, जो जशपुर प्रशासन द्वारा विकसित भारत का पहला प्राकृतिक एडवेंचर खेलों के लिए समर्पित प्रशिक्षण क्षेत्र है। विश्वस्तरीय मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने भारतीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को जोड़ा, जिनमें बिलासपुर के पर्वतारोही एवं मार्गदर्शक स्वप्निल राचेलवार, न्यूयॉर्क के रॉक क्लाइम्बिंग कोच डेव गेट्स, और रनर्स एक्सपी के निदेशक सागर दुबे शामिल रहे।

ये रहे पर्वतारोही ....

(आईएएस) से मिला। तकनीकी सहायता डेव गेट्स, अर्नेस्ट वेंटुरिनी, मार्टा पेड्रो (स्पेन), केल्सी (यूएसए) और ओयविंड वाई. बो (नॉर्वे) ने दी। पूरे अभियान का डॉक्यूमेंटेशन और फोटोग्राफी ईशान गुप्ता की कॉफी मीडिया टीम ने किया। प्रमुख सहयोगी और प्रायोजक संस्थानों में पेट्ज़ल, एलाइड सेफ्टी इक्विपमेंट, रेड पांडा आउटडोर्स, रेक्की आउटडोर्स, अडवेनम एडवेंचर्स, जय जंगल प्राइवेट लिमिटेड, आदि कैलाश होलिस्टिक सेंटर, गोल्डन बोल्डर, क्रैग डेवलपमेंट इनिशिएटिव और मिस्टिक हिमालयन ट्रेल शामिल रहे।

नए पर्वतारोहियों के ....

रोप या सपोर्ट स्टाफ के यह चढ़ाई पूरी की। यही असली आल्पाइन शैली है। यह अभियान व्यावसायिक पर्वतारोहण से अलग था। जहां पहले से तय मार्ग और सहायक दल पर निर्भरता होती है। इस दल ने पूरी तरह आत्मनिर्भर रहते हुए नई मिसाल कायम की। अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली। स्पेन के प्रसिद्ध पर्वतारोही टोती वेल्स, जो इस अभियान की तकनीकी कोर टीम का हिस्सा थे और स्पेन के पूर्व वर्ल्ड कप कोच रह चुके हैं, ने कहा कि "इन युवाओं ने, जिन्होंने जीवन में कभी बर्फ नहीं देखी थी, हिमालय में नया मार्ग खोला है। यह साबित करता है कि सही प्रशिक्षण और अवसर मिलने पर ये पर्वतारोही विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

12वीं की परीक्षाएं 17 ....

आयोजित करेगा। यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की सिफारिशों के तहत किया जा रहा है। सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं की परीक्षा तिथियां जारी कर दी हैं। बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। कक्षा 10वीं की परीक्षा 10 मार्च 2026 को समाप्त होगी, जबकि 12वीं की परीक्षा 9 अप्रैल 2026 तक चलेगी। दोनों कक्षाओं की परीक्षाएं सुबह 10:30 बजे से शुरू होकर दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई ने कक्षा 9वीं और 11वीं के पंजीकरण डेटा के आधार पर 24 सितंबर 2025 को पहली बार 2026 की परीक्षाओं के लिए एक प्रारंभिक अस्थायी डेटशीट भी जारी की थी।

नगर सेना, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा SDRF मुख्यालय छत्तीसगढ़ सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर

छ.ग. अग्निशमन विभाग में भर्ती हेतु अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा की सूचना

छ.ग. अग्निशमन विभाग में विभिन्न संवर्ग के 295 पदों की भर्ती हेतु दिनांक 06.11.2025 से अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षा ली जावेगी। इस हेतु प्रवेश पत्र जारी किए गए है, जिसे अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट cghgcd.gov.in एवं firenoc.cg.gov.in से डाऊनलोड कर सकते है। समस्त अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त हेतु प्रवेश पत्र में अंकित निर्धारित तिथि/समय/स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

निदेशक ट्रेनिंग ऑपरेशन नगर सेना,
अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएँ
तथा एसडीआरएफ, छत्तीसगढ़

G-252604441/1

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संभाग -03 रायपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना
विज्ञापन क्र. - 370

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,संभाग - 03, मौलश्री विहार रायपुर के अंतर्गत निक्षेप कार्य के तहत (1) उप पंजीयक कार्यालय, राजिम, जिला-गरियाबंद का उन्नयन कार्य तथा (2.) पंजीयक कार्यालय, गरियाबंद जिला गरियाबंद हेतु बाउन्ड्रीवाल, प्रवेश द्वार, पार्किंग एवं अन्य सेवा कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना मण्डल की वेबसाईट www.cghb.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यालयीन समय पर कार्यालय छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संभाग - 03 मौलश्री विहार रायपुर में संपर्क कर सकते है।

कार्यपालन अभियंता
मो.नं. 9753266721

S-45726/2

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

TADK के बदले में अटेंडेंट्स सेवा की नियुक्ति के लिए ई-निविदा सूचना

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, MIB-WS, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:

निविदा सूचना सं.:एमआईबीडब्ल्यू-2025-19060504R1 दिनांक: 28.10.2025

कार्य का विवरण: मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर के अंतर्गत 03 अधिकारियों के लिए 09 महीने के लिए कार्य के दायरे के अनुसार TADK के बदले में अटेंडेंट्स की सेवाएं लिए जाने हेतु निविदा।

अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 10,21,394/- (रु. दस लाख इक्कीस हजार तीन सौ चौरानवे मात्र), सभी करों सहित.

बयाना राशि: ₹ 20,430/- (रु. बीस हजार चार सौ तीस मात्र)

अनुबंध की अवधि: 09 महीने,

निविदा प्रपत्र मूल्य: ₹ 0 (शून्य)।

निविदा जमा करना: बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियां केवल दिनांक **18.11.2025** के **11:00** बजे तक ही प्रस्तुत कर सकते है।

इस निविदा के अंतर्गत मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है। ऐसे प्रस्तुत किए गए मैनुअल प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया जाएगा। ।

उपरोक्त निविदा सम्बंधित विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

उप सीएमएम - जीएसडी,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
मोतीबाग, नागपुर

FL/35-168

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पेज एक के शेष

जाति सूचक और अपमानजक...

यह 2024 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आधारित है, जिसमें 'चमार', 'कंजर', 'चूहरा' और 'भंगी' जैसे शब्दों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया गया। छत्तीसगढ़ में भी ऐसे कई गांव हैं, लेकिन पूर्ण आधिकारिक सूची अभी सार्वजनिक नहीं है।

जाति सूचक अपमानजनक...

जांजगीर-चांपा, भंगी (अनुसूचित जाति, सफाईकर्मी समुदाय) से जुड़ा। चूहरा टोला बस्तर, कांकेर चूहरा (दलित उप-जाति) का संकेत। यह नाम उत्तर भारत से प्रभावित है और सामाजिक अपमान को दर्शाता है। महार वाड़ा, राजनांदगांव, कोरबा, महार (अनुसूचित जाति) समुदाय की बस्ती। महाराष्ट्र से सटा होने के कारण यह नाम प्रचलित, लेकिन अपमानजनक माना जाता है। डोमपाड़ा, सरगुजा, जशपुर डोम (अनुसूचित जाति, अंत्येष्टि से जुड़ी) का संकेत। आदिवासी-दलित मिश्रित क्षेत्रों में पाया जाता है।

भारत की बड़ी डिप्लोमेटिक ...

कहा था कि चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वाले और अन्य संबंधित गतिविधियों में शामिल लोगों को 29 सितंबर से अमेरिका ईरान स्वतंत्रता और प्रसार-रोधी अधिनियम (आईएफसीए) के तहत प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। भारत और ईरान द्वारा संपर्क और व्यापार संबंधों को बढ़ावा देने के लिए चाबहार बंदरगाह का विकास किया जा रहा है। दोनों देश चाबहार बंदरगाह को अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) का एक अभिन्न अंग बनाने पर भी ज़ोर दे रहे हैं। आईएनएसटीसी भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी विभिन्न माध्यम वाली परिवहन परियोजना है।

सब इंजीनियर, पटवारी...

पकड़ लिया। दोनों आरोपी एक किसान से मुआवजा राशि के भुगतान और बैंक से निकालने में मदद के नाम पर अवैध वसूली की मांग कर रहे थे। जानकारी के अनुसार ग्राम रायपुरा (जिला सक्ती) निवासी किसान बुधराम धीवर ने 16 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी और उसकी बहन की जमीन ग्राम कोसमंदा (जिला जांजगीर) में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के लिए अधिगृहित की गई थी। इसके एवज में दोनों को कुल 35,64,099 की मुआवजा राशि अगस्त 2025 में संयुक्त बैंक खाते में प्राप्त हुई थी।

पीडब्लूडी का सब इंजीनियर...

अनुसार मनेन्द्रगढ़ संभाग अंतर्गत पदस्थ यह सब इंजीनियर लंबे समय से ठेकेदारों से निर्माण कार्यों के भुगतान एवं फाइल अग्रेषण के नाम पर अवैध वसूली कर रहा था। हाल ही में विभाग के एक ठेकेदार ने अपने कार्य की बिल फाइल को विभागीय कार्यालय से पारित कराने के लिए संपर्क किया। सब इंजीनियर ने फाइल आगे बढ़ाने और बिल भुगतान सुनिश्चित करने के नाम पर 30 हजार रूपए की मांग की।

लिपिक 25 हजार ...

सर्पदंश से मृत महिला के परिजनों से शासन से स्वीकृत 4 लाख रुपए की सहायता राशि दिलाने के बदले 50 हजार रुपए की मांग की थी। डीएसपी रमेश मरकाम ने बताया कि मामला दरभा थाना क्षेत्र का है। पीड़ित सामनाथ बघेल की पत्नी रामबती बघेल की मौत सर्पदंश से हुई थी। बाबू ने फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर रिश्वत मांगी थी। गुरूवार को जब कर्मचारी हेमकुमार पानीग्राही पीड़ित के बड़े भाई से रिश्वत की अंतिम किश्त के रूप में 25 हजार रुपए ले रहा था, तभी एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथ दबोच लिया। टीम ने रिश्वत की राशि और अन्य साक्ष्य मौके से जब्त किए है।

हिट एंड रन...

छोड़कर फरार हो गए। यह घटना रास्ते पर संचालित एक ढाबे की सीसीटीवी में कैद हो गई है। हालांकि ढाबे की मालकिन अभी मौजूद नहीं है। ऐसे में उसके लौटने के बाद ही पूरे मामले की जांच होगी।

परखच्चे उड़ने ...

कंटोल कार पर है। बाइक से टकराने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए और सामने का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने पर कार सड़क से विपरीत दिशा में मुड़ गई, जिससे कार को रोकना पड़ा। वरना सड़क पर चलने वाले और भी लोग इसकी चपेट में आ सकते थे।

बहन से मिलने ...

ये बात प्रेमिका के परिजन में भाई सिद्धांत चौधरी, सूरज समेत तीन अन्य को मिली। पांचों ने मिलकर धीरज की हत्या का प्लान तैयार किया। अचानक युवती के घर पांचों आरोपी पहुंच गए। धीरज को देखते ही पिटाई शुरू कर दी। डंडे-राड से बेदम पीटा। उसके शरीर के विभिन्न हिस्सों में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी मौत हो गई।

भारत की बेटियों...

अमनजोत कौर 15 रन बनाकर नाबाद लौटीं। भारतीय टीम ने 59 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेमिमा रॉड्रिग्ज ने मोर्चा संभाला और टीम को जीत दिलाई। वे 134 बॉल पर 127 रन बनाकर नाबाद लौटीं। जेमिमा ने 14 चौके लगाए।

कार्यालय वनमंडलाधिकारी
बालोद वनमंडल बालोद, जिला - बालोद (छ.ग.)
काष्ठागार परिसर, दल्ली रोड़, बालोद फोन नं. 07749-223904
ई-मेलः- dfobalod@yahoo.com

क्रमांक /स्था. /1882 बालोद, दिनांक 29.10.2025

// शारीरिक दक्षता परीक्षण की सूचना //

छत्तीसगढ़ शासन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के विभिन्न वनमंडलों को आबंटित वनरक्षक सीधी भर्ती के 1484 पद में से नोडल अधिकारी बालोद वनमंडल के अंतर्गत वनरक्षक के कुल 20 (बालोद वनमंडल से 13 एवं दुर्ग वनमंडल से 07) रिक्त पदों की सीधी भर्ती के पात्र अभ्यर्थियों का दक्षता परीक्षण सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम बालोद में दिनांक 25.11.2024 से 29.11.2024 तक करायी गई है। ऐसे अभ्यर्थी जिनका लंबीकूद मैनुअल कराया गया था को सूचित किया जाता है कि दिनांक 05.11.2025 से 08.11.2025 तक प्रातः 06.00 बजे से काष्ठागार डिपो, वन परिसर दल्लीरोड़ बालोद में लंबीकूद दक्षता परीक्षण डिजीटल टेक्नोलॉजी सिस्टम के माध्यम से पुनः कराई जायेगी, जिसमें अभ्यर्थी अपना आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होवें । अभ्यर्थी अपना प्रवेश पत्र अथवा अन्य जानकारी हेतु विभागीय वेबसाईट forest.cg.gov.in में देख सकते है ।

वनमंडलाधिकारी
एवं नोडल अधिकारी
बालोद वनमंडल बालोद

G-252604420/1

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 17/11/2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
दुर्ग, गुरुद्वारा स्टेशन रोड, 112310700026540, रायपुर, तेलीबंधा रायपुर, 123840700027818,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:– इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/– नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 7076372064 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

पावरग्रिड POWERGRID

सूचना

1. विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 79 (1) (डी) के साथ पठित धारा 62 और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (व्यवसाय का संचालन) विनियम, 2023 के विनियम 15 (1) (ए) और विनियम 23 के साथ पठित केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (टैरिफ विनियमों के नियम और शर्तें) 2024 के तहत **परिसंपत्ति 1:** 1x1500 एमवीए 765/400 केवी आईसीटी (तृतीय) के साथ रायगढ़ (कोटरा) खंड ए और **परिसंपत्ति 2:** 1x1500 एमवीए 765/400 केवी आईसीटी (चतुर्थ) के साथ रायगढ़ (कोटरा) खंड बी में संबद्ध बे के लिए टैरिफ के निर्धारण के लिए याचिका **"पश्चिमी क्षेत्र विस्तार योजना-XXV"** के तहत
उपर्युक्त पारेषण प्रणाली के लाभार्थी हैं (1) एमपीपीएमसीएल, जबलपुर (2) एमएसईडीसीएल, मुंबई (3) जीयूवीएनएल, वडोदरा (4) विद्युत विभाग, गोवा सरकार, पणजी, (5) डीएनएचडीडीपीसीएल, सिलवासा (6) सीएसपीडीसीएल, रायपुर
2. टैरिफ विवरण:
परियोजना का एससीयूडी: 14.11.2023
परियोजना के लिए स्वीकृत लागत: ₹ 385.84 लाख
अनुमानित पूर्णता लागत: ₹ 295.70 लाख

2024–29 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ
(रु. लाख में)

ऐसेट सं.	ऐसेट का नाम और उसका स्थान	सीओडी	2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
1	परिसंपत्ति 1: 1x1500 एमवीए 765/400 केवी आईसीटी (तृतीय) रायगढ़ (कोटरा) खंड ए में संबद्ध खाड़ियों सहित	27.10.2024	715.86	1,876.31	1,978.36	2,009.83	2,004.60
2	परिसंपत्ति 1: 1x1500 एमवीए 765/400 केवी आईसीटी (चौथा) रायगढ़ (कोटरा) खंड बी में संबद्ध खाड़ियों सहित	27.07.2025	0.00	2,200.46	3,362.33	3,388.00	3,361.10

4. टैरिफ निर्धारण के लिए किए गए आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट **www.powergrid.in** पर पोस्ट की गई है।
5. आवेदन में निहित टैरिफ के निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्तियां, यदि कोई हों, तो लाभार्थी सहित किसी भी व्यक्ति द्वारा सचिव, केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 6वीं, 7वीं और 8वीं मंजिल, टॉवर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली–110029 (या अन्य पता जहां आयोग का कार्यालय स्थित है) के समक्ष इस नोटिस के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर दायर की जानी चाहिए, जिसकी एक प्रति आवेदक को अपने कॉर्पोरेट कार्यालय के पते पर भेजनी होगी।

हस्ता./–
महाप्रबंधक (वाणिज्यिक)

स्थान : गुरुग्राम
दिनांक : 24.10.2025

PG/CC/Notice-57/Advt-71/2025-26/Alaknanda

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय : बी–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016
कॉर्पोरेट कार्यालय : "सौदामिनी", प्लॉट नं. 2, सैक्टर–29, गुड़गांव, हरियाणा–122001
वेबसाइट www.powergrid.in, सीआईएन नंबर L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

BAJAJ FINANCE

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना
बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः मुंबई–पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे–411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार–बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें ("टी एण्ड सी") वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?WOUB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी/आरटीजीएस/बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक/नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित/निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे – gold.auction@bajajfinserv.in

(10-12-25): भिलाई जीई रोड; PBX2GOL14291335. बिलासपुर अग्रसेन चौक; PGJ8GOL14254372, 14320575. (11-12-25) अंबिकापुर – अम्बेडकर चौक; PL14GOL14071723, 14130562. (12-12-25) बिलासपुर मुंगेली नाका; PCZ5GOL13979684, 14088584, 14206332, 14245419. बिलासपुर - सरकंडा; P42HGOL13912666, 13910541, 13976641, 13976992, 14030281, 14097033, 14136626, 14130742, 14203522, 14247552. (15-12-25) कोरबा – सीएसईबी चौक; PEQ2GOL13860306, 13875061, 13976746, 14033030, 14134135, 14184415, 14226745, 14293690. (16-12-25) दुर्ग – स्टेशन रोड; P08IGOL14081322, 14178208, 14253936. कटघोरा - BGL; P25EGOL14070345, 14096568, 14249619, 14312264, 14338231. (17-12-25) मनेन्द्रगढ़ - BGL; PV99GOL13927430, 13977616, 14055743, 14071963, 14097629, 14138380, 14138884, 14177186, 14276181, 14273115, 14312726. रायपुर – जगतपुर; PLI6GOL14155845. (18-12-25) रायपुर – पाचपेडी नाका; PLI9GOL14174627, 14322489. रायपुर - पियांक टावर; PEN5GOL13884873, 13978651, 14040630, 14336076. (19-12-25) रायपुर - टेलीबांधा रोड; PF45GOL13879382, 13908465, 13980347, 14018012, 14038467, 14034311, 14058547, 14061650, 14050631, 14185556, 14173822, 14244999, 14294305. राजनंदगाँव–ग्रेट ईस्टर्न रोड; PEN6GOL14091568, 14201985, 14222469.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE BILASPUR, CHHATTISGARH

AMENDMENT NOTICE

Amendment are made in N.I.T. No. 313 to 338, and 345 to 347 dated 06.10.2025:-

Existing Description	To be read
Last date of tender download - 28.10.2025	Last date of tender download - 07.11.2025

Other conditions will remain same.

Superinetending Engineer
PWD Bilaspur Circle
Bilaspur (C.G.)

G-252604426/3

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)
No. 03-03/ TN-347/4717 Raipur, Dtd 29/10//2025
E-TENDER NOTICE NO. TN-347
Online bids are invited for Supply/ work as mentioned below:-

S. No.	Tender no. /RFx no.	Description	Submission Date & time
1.	HW-431/25-26 8100046530 (With RLA)	Miscellaneous Round the year job of Ash handling, 4x210 MW, HTPS, Korba West.	28.11.2025 Upto 15:00 Hrs

For details please visit our website **https://cspc.co.in** or e-bidding portal:– **https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal**

EXECUTIVE DIRECTOR(S&P:GEN)
CSPGCL:RAIPUR

SAVE ELECTRICITY

MUNICIPAL COUNCIL BHATGAON, DISTRICT-SURAJPUR
E-Procurement Tender Notice
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in,
UDD Portal: https://uad.cg.gov.in
NO:1287/NIT/BHATGAON/S/2025-26 BHATGAON Dated-29/10/2025
Online bids are invited for the following works of Items up to:
Start Date and Time 29/10/2025 (Start date & time of Bid preparation) at 17:31 PM on wards.

NO.	SYSTEM TENDER NO	Name of Work	Probable Amount of Contract
1	178249	Construction of mini stadium at ward no. 05	Rs. 190.40 Lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-proc Portal https://eproc.cgstate.gov.in on Sub Portal of Urban Administration and development Department. https://eproc.cgstate.gov.in from (Start Time) Date 29-10-2025 17:31 PM and Bid Due Date & Time 14-11-2025 Before 17.30 PM onwards.

Chief Municipal Officer
Municipal Council Bhatgaon
District-Surajpur (C.G.)

JHARKHAND URBAN INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT COMPANY (JUIDCO) LIMITED
(A Government of Jharkhand Undertaking)
JUIDCO Bhawan, Kutchery Chowk, Ranchi-834001
E-Mail Id - pdt.juidco@gmail.com , juidcolimited@gmail.com
CIN: U45200JH2013SGC001752

NIT No.: JUIDCO/NIT/RB/OM/675 Date: 30.10.2025
Notice Inviting Tender
National Competitive Bidding

1.	Name of the Work	Selection of Agency for providing Comprehensive Facility Management Services (CFMS) at Rabindra Bhawan Convention Centre and Banquet Hall at Ranchi
2.	Mode of submission of bids	Online Tender
3.	Tender Fee & Earnest Money Deposit (EMD) (In INR) – To be submitted online	Cost of Tender Document: 10,000/- *(Rupees Ten Thousand) only (Non-refundable)* Earnest Money Deposit (EMD) – Rs. 5,00,000/- *(Rs. Five lakh) only*
4.	Date & Time of Publication of Tender on Website	31.10.2025 17:00 Hrs
5.	Date and Time of Pre-Bid Meeting	06.11.2025 at 12:30 Hrs
6.	Venue of Pre-Bid Meeting	2nd Floor, JUIDCO Bhawan, Near Kutchery Chowk, Ranchi
7.	Last Date & Time of submission of Bid, Tender Fee and EMD online	13.11.2025 17:00 Hrs
8.	Date & Time of Bid Opening	14.11.2025 17:00 Hrs
9.	Address of Bid Inviting Authority	JUIDCO Bhawan, Near Kutchery Chowk, Ranchi
10.	Helpline No. of e-Procurement Cell	+91 651 222 5878

Note: Only e-tender will be accepted
Further details are available on Jharkhand Government e-procurement website https://jharkhandtenders.gov.in

Sd/-
Project Director (Technical)
JUIDCO Ltd.

PR 364893 (Urban Development and Housing)25-26*D

शब्द पहेली - 6033

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय,निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा,रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेनापति-5
15. शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के,सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला,गंदा-3
23. रसद,आहार पदार्थ-3
25. प्रणाम,नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी,प्राचीन-4
28. हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात,मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक,नौकर,दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान,एक जैसा-4
13. पंकज,जलज-3
14. आघात,चोट-3
16. भरोसा,विश्वास-3
17. कुली,पालकी वाहक-3
18. जुर्म,गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -6032 का हल

सूडोकू नवताल - 6043

★★★★ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL BENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहेली से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6042 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

रोचक / शिखर चंद जैन

बच्चों के मन को भाती प्यारी-अनोखी डॉल्स

बच्चो, तुम सभी को डॉल्स यानी गुड़ियों से खेलने में बहुत मजा आता होगा, है न! तुम ही नहीं दुनिया के अनेक देशों में रहने वाले बच्चे भी डॉल्स के संग खेलना पसंद करते हैं। जानो, देश-दुनिया में फेमस कुछ प्यारी-अनोखी डॉल्स के बारे में।

अमेरिका की बार्बी डॉल्स

बार्बी डॉल को अमेरिका की बिजनेस वूमेन रूथ हैंडलर ने 1959 में तैयार किया था। पहली बार्बी डॉल ने चमकीले लाल होंठों के साथ एक स्मार्ट काले और सफेद धारीदार छोटी पोशाक पहनी थी, जो हॉलीवुड एक्ट्रेस मर्लिन मुनरो से प्रेरित थी। धीरे-धीरे बार्बी डॉल्स लोगों, खासकर बच्चों के बीच लोकप्रिय होने लगी। आज बार्बी डॉल केवल अमेरिका ही नहीं दुनिया भर के अनेक देशों में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली डॉल मानी जाती है। *

कर्नाटक की चन्नापटना डॉल्स

चन्नापटना खिलौने, लकड़ी से बनने वाले खिलौने और गुड़िया का एक विशेष रूप है, जो कर्नाटक के रामनगर जिले के चन्नापटना शहर में निर्मित किए जाते हैं। चन्नापटना को गोम्बेगाला ऊरू यानी खिलौनों के शहर के नाम से भी जाना जाता है। इन लकड़ी के खिलौनों को चन्नापटना में लाने का श्रेय मैसूर के शासक टीपू सुल्तान को दिया जाता है। उन्होंने स्थानीय कलाकारों को लकड़ी के खिलौने बनाने का प्रशिक्षण देने के लिए फारस से कलाकारों को आमंत्रित किया था, जिससे इस उद्योग को स्थानीय स्तर पर फलने-फूलने में मदद मिली। चन्नापटना खिलौने पूरी तरह रसायन मुक्त यानी केमिकल फ्री होते हैं। इन्हें सब्जियों और पौधों से निकाले गए जैविक रंगों और प्राकृतिक रंगों से रंगा जाता है। आजकल इन्हें बनाने में चंदन और आम की लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इनका आकार अधिकतर गोल और कुंद किनारों वाले घनाकार होता है, इसलिए ये बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं। चन्नापटना ट्वॉयज को जीआई टैग प्राप्त है। *

जापान की दारुमा डॉल्स

दारुमा, एक पारंपरिक गोल, खोखली डॉल है। यह लचीलेपन, सौभाग्य और आध्यात्मिक एकाग्रता का प्रतीक है। आमतौर पर इनका रंग लाल होता है, लेकिन इसके डिजाइन अलग-अलग होते हैं। इसकी खासियत यह है कि इसकी आंखों में पुतलियां (प्यूपिल्स) नहीं होतीं। लोग इस डॉल से अपनी विश मांगते हैं, जब उनकी विश पूरी हो जाती है तो वे इसकी आंखों में कलर भरते हैं और इसकी पुतलियां बनाते हैं। यह डॉल सफलता तक हार न मानने के लिए प्रचलित एक जापानी मुहावरे 'सात बार गिरती है, आठ बार उठती है' का प्रतीक है। इस डॉल को अगर तुम गिराओगे, तो यह गिरने के बाद फिर से सीधी खड़ी हो जाती है। जापान में नए साल की शुरुआत में लोग दारुमा डॉल्स खरीदते हैं। इसकी एक पुतली पर रंग भरते हुए अपनी कोई इच्छा (विश) मांगते हैं। जब वह इच्छा पूरी हो जाती है, तो गुड़िया की दूसरी पुतली पर भी रंग भर दिया जाता है। इस डॉल को जापान में 'लकी चार्म' माना जाता है। *

आंध्र प्रदेश की कोंडापल्ली डॉल्स

कोंडापल्ली खिलौने या कोंडापल्ली डॉल्स का इतिहास बड़ा ही दिलचस्प है। 16वीं शताब्दी में जब आर्य क्षत्रियों का समुदाय राजस्थान से कोंडापल्ली आया था तो वे अपने साथ खिलौने बनाने की कला भी लाए। पौराणिक मान्यता है कि उन्हें इसे बनाने का कौशल भगवान शिव ने सिखाया था। मंदिरों में इन खिलौनों को कोंडापल्ली बमालू कहा जाता है। ये खिलौने ग्रामीण भारत और हिंदू देवताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये खिलौने टेला पोनिकी (सफेद चंदन की लकड़ी) के बने होते हैं। कोंडापल्ली गुड़िया या खिलौने को बड़ी खूबसूरती से तराशा और रंगा जाता है। अंतिम चरण में इसे अलसी के तेल में डाला जाता है, जिससे यह पानी से खराब नहीं होती। कोंडापल्ली डॉल के एक सेट में 24 डॉल्स मौजूद होती हैं। ये डॉल्स ग्रामीण समाज के विभिन्न वर्गों, जैसे- मछुआरे, पुजारी, जनजातीय लोग, किसान, संगीतकार आदि का चित्रण करती हैं। कई बार इन डॉल्स को कुछ इस तरह बनाया जाता है कि इसके टुकड़े जैसे- शरीर, सिर, कान, सूंड़ और पूंछ आदि अलग-अलग बने होते हैं और फिर उन्हें सोने के तार से जोड़ा जाता है। कोंडापल्ली डॉल्स, आंध्र प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। कोंडापल्ली डॉल्स आंध्र प्रदेश के जीआई टैग हस्तशिल्प के रूप में भी पंजीकृत हैं। *

बच्चो, हनी बेजर इतना बुद्धिमान, बेखौफ और जुझारू एनिमल है कि जंगल का राजा शेर भी आमतौर पर इससे नहीं टकराता! आकार में छोटे, लेकिन साहस, बुद्धि और ताकत से भरपूर इस अनोखे जंतु के बारे में जानो कुछ अमेजिंग-इंटरेस्टिंग बातें।

बुद्धिमान-साहसी-निडर हनी बेजर

अनोखा जंतु

रेखा शाह आरबी

बच्चो, जंगल में एक से एक आक्रामक, शिकारी और जहरीले जीव-जंतु निवास करते हैं। जंगलों में ही पाया जाने वाला हनी बेजर कई सारी खूबियों से युक्त एक लड़ाका (फाइटर) और बेखौफ जानवर है।

नहीं डरता किसी से: हनी बेजर एक निडर शिकारी जानवर है। जंगल का कोई भी जानवर, चाहे वो कितना भी विशाल, शक्तिशाली या जहरीला क्यों न हो, अगर इससे टकराए, तो यह पलटकर जोरदार वार करता है। यह इतना शक्तिशाली होता है कि कछुए के मजबूत खोल को अपने जबड़े से चीर-फाड़ देता है। यह अपनी मोटी खाल, नुकीले दांत और शक्तिशाली लंबे पंजे के बल पर अपने दुश्मनों को तगड़ी चुनौती देने की ताकत रखता है। आमतौर पर शेर भी हनी बेजर का शिकार नहीं करता, क्योंकि यह देर तक शेर का सामना करने की हिम्मत और ताकत रखता है।

निवास-शारीरिक बनावट और जीवन काल: हनी बेजर का वैज्ञानिक नाम 'मेलिवोरा कैपेंसिस' है। यह भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर दक्षिण पश्चिम-एशिया और अफ्रीका में पाया जाता है। भारत में इसे 'बिज्जु' भी कहा जाता है। अपने देश में यह मुख्य रूप से उत्तर भारत के तालाब, नदियों के कगारों पर 25-30 फुट लंबी मांद बनाकर रहता है।

शारीरिक बनावट की बात करें, तो हनी बैजर के शरीर का ऊपरी भाग भूरा, बगल और पेट काला, माथे पर सफेद चौड़ी धारी होती है। इसकी त्वचा बहुत अधिक मोटी (गैंडा, जिराफ, भैंस जैसे जानवरों से भी अधिक मोटी) होती है। इसके पैरों में 5 मजबूत नाखून होते हैं, जो इसे जमीन खोदने में और मांद बनाने में मदद करते हैं। आमतौर पर वयस्क नर हनी बेजर का वजन 9 से 16 किलोग्राम और मादा हनी बेजर का वजन 5 से 10 किलोग्राम होता है। इसकी अनुकूलन क्षमता इसे अलग-अलग और कठोर परिस्थितियों में भी जीवित रहने में सक्षम बनाती है। हनी बेजर लगभग 24 वर्षों तक जीवित रहता है।

हनी बेजर बहुत बुद्धिमान भी होता है। यह शुतुरमुर्ग के अंडों को तोड़ने के लिए पत्थरों का इस्तेमाल करता है। यह दीमक के टीलों पर जाकर लकड़ियां ठोकने के लिए भी पत्थर का इस्तेमाल करता है। *

बुद्धिमान और माहिर शिकारी

हनी बेजर मूल रूप से सांप, बिच्छू, पक्षी, कीड़े, छोटे स्तनधारी, वनस्पति और फल खाता है। हनी बेजर मुश्किल से मुश्किल हालातों में भी भोजन ढूंढने में माहिर होता है। यह दबे हुए शिकार को खोदकर निकाल लेता है। शहद और लार्वा के लिए मधुमक्खियों के छत्ते पर धावा बोल देता है। शिकार कौशल के अलावा यह भागने में भी माहिर होता है। जरूरत पड़ने पर पेड़ों पर चढ़ सकता है। पानी में तैर भी सकता है। मतलब कि यह हर सिचुएशन के हिसाब से अपने आप को ढाल लेता है।

कविता / डॉ. फहीम अहमद

गौरैया

अच्छी लगती है गौरैया,
चीं-चीं की यह तेरी धुन!
तिनका-तिनका जोड़ सुहाना
नीड़ बना लेती कैसे?
नन्हा-मुन्ना घर बनने में,
लगते नहीं तनिक पैसे।
मुझे सिखा दे यही कला तू
मेरी इतनी विनती सुन!
सूरज के उगने से पहले,
नींद तुम्हारी खुल जाती।
मीठी-मीठी हवा बहे तो,
काया तेरी धुल जाती।
बैठ डाल पर चुपके-चुपके,
नई सुबह के सपने बुन!
यहां-वहां से, कहां-कहां से,
लाती है तू चुन-चुन के।
लाकर रोज खिलाती है तू
बच्चों को दाने-दुनके।
मुझे बहुत अच्छा लगता यह
तेरा मेहनत वाला गुन!

हंसगुल्ले

मोनू : इस बार दिवाली पर मैंने एक रॉकेट छोड़ा तो वो सीधा आकाश से जा टकराया।
सोनू (हैरानी से) : अरे! फिर क्या हुआ?
मोनू : फिर क्या, आकाश की मम्मी ने मुझे खूब डांटा और मेरी मम्मी से भी मेरी शिकायत कर दी।
-संभव, रायपुर

चिंटू : अगर आलू किसी की हेल्प करे तो उसे क्या कहेंगे?
मिंटू : क्या कहेंगे?
चिंटू : दयालु।
-पलक, बिलासपुर

सोनू : ऐसी कौन-सी चाय है, जिसे पीने के बाद बहुत बुरा लगता है?
मोनू (देर तक सोचने के बाद) : मुझे नहीं पता, तुम बता दो।
सोनू : गिल्टी।
-कोमल, दुर्ग

जीके क्विज-177

1. किस विश्वप्रसिद्ध फुटबॉलर को साल 2025 का गोल्डन बूट अवार्ड मिला?
2. हाल ही में कहां दीपावली के अवसर पर 26 लाख से भी अधिक दीये जलाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया?
3. सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को किस दिवस के रूप में मनाते है?
4. पिछले दिनों किस तिथि को संयुक्त राष्ट्र दिवस मनाया गया?
5. विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला किस राज्य में आयोजित होता है?
6. कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) दूध को दही में बदल देता है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम रेल मंत्री कौन बने थे?
8. टेलीस्कोप (दूरबीन) की खोज किसने की थी?
9. विक्टोरिया मेमोरियल भारत के किस शहर में स्थित है?
10. प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'गोदान' के लेखक कौन हैं?

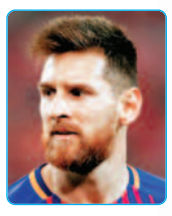

बच्चों, जीके क्विज-177 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-176 का उत्तर : 1.मारिया कोरिना मचाडो, 2.ज्ञानेश कुमार, 3.संयुक्त राज्य अमेरिका, 4.न्यूटन, 5.शतरंज, 6.विटामिन ए, 7.दुग्ध उत्पादन, 8.इंदिरा प्वॉइंट, 9.अरुणाचल प्रदेश, 10.लैक्टोमीटर

जीके क्विज-176 का सही उत्तर देने वाले : तनिष्क-राजनांदगांव, कबीर-हिसार, आद्या-उमरिया, अविनाश-ईमेल से, रमेश-बैकुंठपुर, रजनी-बलरामपुर, श्रद्धा-ईमेल से, कुसुम-बेमेतरा, प्रियांक-बलौदा बाजार, सोहम-कांकेर

कहानी

क्षमा शर्मा

नन्हे अंतरिक्ष ने इतनी जोरों से किक मारी कि उसकी फुटबॉल ना जाने कहां गायब हो गई। दादाजी ने कहा कि लगता है स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है। यह सुनकर भोले-भाले अंतरिक्ष ने भी फुटबॉल पर बैठकर स्पेस पर जाने की सोची। स्वयं ही नहीं, घर के और लोगों को भी स्पेस पर ले जाने की सोची। लेकिन अंतरिक्ष की फुटबॉल गई कहां, क्या वह उसे मिली? पढ़ो, बहुत मजेदार कहानी।

अंतरिक्ष की फुटबॉल

अंतरिक्ष के बड़े से बगीचे में तरह-तरह के गुलाब, लाल-पीले गेंदे और गुड़हल के गुलाबी फूल खिले हुए थे। बगीचे में हरी-हरी घास थी। शाम के समय कभी पापा, कभी बुआ, कभी मम्मा के साथ अंतरिक्ष टेनिस, बैडमिंटन या फुटबॉल खेलता था। टीवी पर फुटबॉल खिलाड़ियों को देख वैसे ही करतब करने की कोशिश करता। वह अकसर अपने दादाजी से बोलता, 'मैं रोनाल्डो बनूंगा, ऐसे गोल मारूंगा।' कहकर वह अपनी फुटबॉल की तरफ दौड़ता और जोर से किक जमाता। फुटबॉल कभी ऊपर टेरेस पर गिरती, कभी नीम के पेड़ में उलझ जाती। एक रात जब आसमान में पूरा चांद उगा था, अंतरिक्ष ने खेल-खेल में फुटबॉल उछाली, तो वह कहीं अटक गई। उसने फुटबॉल खोजने की कोशिश की लेकिन नहीं मिली।

'कहां गई?' अंतरिक्ष ने मम्मा से पूछा। वह बोलीं, 'कहां गई होगी, बाहर चली गई होगी। अब सवेरे जाकर खोजना।'

बुआ ने कहा, 'क्या पता आसमान में जो एक बड़ा पक्षी उड़ता हुआ दिख रहा था, वही उसे अपनी चोंच में दबाकर उड़ गया हो।'

दादाजी बोले, 'अरे वो पक्षी नहीं, वो जो तीन खरगोश बगीचे में घूमते हैं, हो सकता है, उनमें से कोई उसे मुंह में दबाकर भाग गया हो। अपने बच्चों और दोस्तों के साथ खेल रहा हो।' पापा ने बहुत अलग बात कही, 'मुझे तो लगता है, इसकी फुटबॉल स्पेसशिप बनकर चांद पर चली गई है।'

'स्पेसशिप..!' अंतरिक्ष मुस्कराया फिर कुछ सोचता हुआ बोला, 'अगर मैं उस पर बैठा होता तो मैं भी चांद पर चला जाता।' उसकी बात सुन पापा हंसे। 'ठीक है, मैं अपनी दूसरी फुटबॉल लाता हूं। वह भी स्पेसशिप बन जाएगी। मैं दादाजी के साथ उस पर बैठकर चांद पर जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने चहकते हुए कहा। 'फिर वहां क्या करोगे?' पापा ने पूछा। 'दादाजी से मैथ्स पढ़ूंगा। होमवर्क भी कर लूंगा। सुना है चांद पर आइसक्रीम के पहाड़ हैं। खूब आइसक्रीम भी खाऊंगा। आपके लिए भी ले आऊंगा।' अंतरिक्ष ने मजे से जवाब दिया। 'और जब नींद आएगी तो..?' दादी ने पूछा। 'नींद आएगी तो सो जाऊंगा।' अंतरिक्ष ने झट से जवाब दिया। 'मगर कैसे सोओगे। तुम्हें तो तब तक नींद ही नहीं आती, जब तक अपने बिस्तर पर न सोओ। और मम्मा तुम्हें कोई कहानी न सुनाए।' दादी बोलीं। अंतरिक्ष तुरंत बोला, 'वहां मेरे दादाजी होंगे न। वो कहानी सुना देंगे।' अंतरिक्ष एक पल रुककर यह भी बोला, 'मेरे साथ मम्मा, पापा, दादी, मेरी बुआ सब साथ चलेंगे। पूरी छुट्टियां हम वहीं रहेंगे।' 'जितना बड़ा तू, उससे छोटी तेरी फुटबॉल। उसमें बैठकर कौन-कौन जाएगा? उसके लिए तो असली वाला स्पेसशिप लाना पड़ेगा। लेकिन कहां मिलेगा स्पेसशिप?' दादाजी ने पूछा।

'पापा दिलवा देंगे मुझे। मैं उसे चलाना भी सीख लूंगा।' अंतरिक्ष बोला। तभी बगीचे में खड़-खड़ सुनाई दी। देखा कि एक खरगोश गमले में लगी गोभी को खाने के लिए चढ़ा था। उसने दूसरा गमला गिरा दिया। गमला टूट गया था। सारी मिट्टी बिखर गई। 'दादाजी खरगोश!' अंतरिक्ष चिल्लाया। दादाजी बाहर आए और जोर-जोर से खरगोश को डांटते हुए पूछने लगे, 'क्यों भई, अंतरिक्ष की फुटबॉल कहां छिपाकर आए हो? जल्दी वापस लाओ। तुम्हें मालूम नहीं, उसे अपनी फुटबॉल से स्पेसशिप बनाना है और चांद पर जाना है।' कहते हुए दादाजी खरगोश की तरफ बढ़े, तो वह भागकर गमले के पीछे छिप गया और मौका पाते ही गायब हो गया। दादाजी बोले, 'देखो तुम्हारी फुटबॉल लेने गया है। अभी दे जाएगा।' 'लेकिन वह तो चांद पर चली गई।' अंतरिक्ष ने अपनी गोल गोल आंखें घुमाईं। 'क्या पता न गई हो। इसके पास हो। नहीं लाया, तो हो सकता है, जो तुम कह रहे हो वही ठीक हो।' दादाजी को अंतरिक्ष से फुटबॉल की बातें करते बहुत मजा आ रहा था। 'अंतरिक्ष आकर दूध पियो। सोने का समय हो गया। सबेरे टेनिस खेलने जाना है।' मम्मा कह रही थीं।

पापा उसके लिए दूध ले आए। अपने कमरे की तरफ बढ़ते हुए अंतरिक्ष रह-रह कर चांद को देख रहा था। उसे लग रहा था कि गोल चांद ही कहीं उसकी फुटबॉल तो नहीं। वह सोते वक्त बार-बार मम्मा से यही पूछ रहा था, 'अगर फुटबॉल चांद बन गई है, तो वह पीली कैसे हो गई? वह तो लाल थी और इतनी चमक क्यों रही है?' अंतरिक्ष के सोने के बाद दादाजी बाहर गए तो पड़ोस की सिंधु आंटी पेड़ों के बीच से झांकती हुई बोलीं, 'अरे, यह अंतरिक्ष की फुटबॉल हमारे ड्रम में आकर गिर गई थी। अभी पानी निकालने लगे तो दिखाई दी।' पापा ने उसे अंतरिक्ष की कुर्सी पर रख दिया। दादी बोलीं, 'सबेरे उठेगा तो पूछेगा कहां से आई?' 'कह देंगे कि चांद आकर दे गया। कह गया है कि एक रात वह अंतरिक्ष को खुद आकर ले जाएगा।' बुआ ने हंसते हुए धीरे से कहा। रात बहुत हो गई थी। अंतरिक्ष भी मीठे सपनों में खोया था। वह हाथ-पांव फेंक रहा था, जैसे कि फुटबॉल के पीछे दौड़ रहा हो। *

कविता

सूर्यकुमार पांडेय

एआई इमेज

हम अच्छे इंसान बनें

बनना है तो चांद बनें,
शीतलता बिखरा दें हम ।
बनना है तो पवन बनें,
घर-घर मस्ती ला दें हम।
बनना है तो धूप बनें,
सबमें गरमाहट भर दें।
बनना है तो मेघ बनें,
धरती पर बारिश कर दें।
बनना है तो फूल बनें,
सभी ओर खुशबू बिखरे।
बनना है तो रूप बनें,
जो हर रोज नया निखरे।
अगर चाहते हैं दुनिया में,
हम भी बड़े-महान बनें।
उसकी पहली शर्त यही है,
हम अच्छे इंसान बनें।

रंग भरो-188

रंग भरो-188 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

मयंक, गुना

तमन्ना, कोरबा

ईशान, ईमेल से

हिताक्षी, महेंद्रगढ़

आस्तिका, चांपा

आन्या, दुर्ग

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

अनिकेत-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, राजन-भोपाल, कोमल-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, कुसुम-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सोहम-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, राकेश-बालोद, साकेत-हिसार

रंग भरो 189

बच्चो, यहां एक लड़के और जिराफ का एक प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

खबर संक्षेप

कनाडा ओपन के अंतिम चार में हारी अनाहत

टोरंटो। भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह के कनाडा ओपन में शानदार अभियान पर विराम लग गया जब वह सेमीफाइनल में इंग्लैंड की जिना कैनेडी से सीधे गेम में हार गई । सत्रह वर्ष की अनाहत को दुनिया की दसवें नंबर की खिलाड़ी कैनेडी ने 96250 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए सिल्वर टूर्नामेंट में 11 .5, 11 . 8, 12 . 10 से हराया । अनाहत ने प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की मेलिसा अल्वेस को हराया था । वहीं क्वार्टर फाइनल में दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी और गत चैम्पियन बेल्जियम की टिन्ने गिलिस को मात दी थी ।

एयर बैडमिंटन विश्व कप शारजाह में 11 दिसंबर से

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ एयर बैडमिंटन विश्व कप के पहले टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह में 11 से 14 दिसंबर तक किया जाएगा जिसमें 12 देशों की टीम खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, अजरबेजान, हांगकांग,

ब्राजील, इंडोनेशिया, बुल्गारिया, नाइजीरिया, चीन, यूएई, मिस्र और वेनेजुएल ने कड़ी क्वालीफिकेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद टूर्नामेंट में जगह बनाई है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने विज्ञप्ति में कहा, ''तीन स्पर्धाओं- पुरुष ट्रिपल, महिला ट्रिपल और टीम रिले- में अधिकतम 96 खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे।''विज्ञप्ति के अनुसार, ''पुरुष एकल के पूर्व शीर्ष 10 खिलाड़ी वोंग विंग की विन्सेंट हांगकांग चीन की रिले टीम का हिस्सा होंगे।''एयर बैडमिंटन इस खेल का नया आउटडोर प्रारूप है जिसमें बैडमिंटन की वैश्विक पहुंच को बढ़ाने की बहुत ज़्यादा क्षमता है।

पीकेएल के फाइनल में होगी दिल्ली और पुणेरी पल्टन

नई दिल्ली। दबंग दिल्ली और पुणेरी पल्टन प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र के फाइनल में शुक्रवार को खिताब के लिये त्यागराज इंडोर स्टेडियम में आमने सामने होंगे । दोनों टीमें लीग चरण के बाद शीर्ष दो स्थानों पर रहकर फाइनल में पहुंची है।आठवें सत्र की चैम्पियन दबंग दिल्ली ने पहले क्वालीफायर में टाइब्रेकर में पुणेरी पल्टन को 6 . 4 से हराया था । कप्तान अंशु मलिक और कोच तथा पूर्व कप्तान जोगिंदर नरवाल की दिल्ली टीम ने पूरे सत्र में निर्णायक क्षणों में जबर्दस्त खेल का प्रदर्शन किया है । दूसरी ओर पुणेरी पल्टन ने दूसरे क्वालीफायर में तेलुगू टाइटंस को हराकर चार सत्रों में तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई ।कोच अजय ठाकुर और कप्तान असलम ईनामदार की पुणेरी टीम लीग तालिका में शीर्ष पर रही थी ।

दो चरण में 15 मैच से चले आ रहे अपराजित अभियान को समाप्त किया

भारत ने महिला विश्व कप के फाइनल में बनाई जगह, तोड़ा आस्ट्रेलिया का तिलस्म

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व कप 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स एकेडमी के मैदान पर भारत ने डिफेंडिंग चैंपियंस ऑस्ट्रेलिया को हराकर बाहर कर दिया। पहले खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 338 रन बनाए थे। जवाब में जेमिमा रोड्रिग्स की शतकीय पारी से भारत ने असंभव दिख रहे लक्ष्य को 49 ओवर में हासिल कर लिया। टीम इंडिया को मैच में 5 विकेट से जीत मिली।

यह महिला वनडे क्रिकेट का सबसे बड़ा रनचेज है। इसके साथ ही यह विश्व कप इतिहास के नॉकआउट में सबसे बड़ा रन चेज है। अभी तक पुरुषों के विश्व कप में भी ऐसा नहीं हुआ था। 2 नवंबर को विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम का सामना साउथ अफ्रीका से होगा। अभी तक दोनों ही टीमों ने विश्व कप का खिताब नहीं जीता है।

जेमिमा के बल्ले से निकला शतक

भारत के लिए जेमिमा रोड्रिग्स ने शतक लगाया। वह अंत तक नाबाद रही और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। उन्होंने 127 रनों की पारी खेली। उन्होंने 134 गेंदों का सामना किया और 14 चौके मारे। तीसरे विकेट के लिए हरमनप्रीत कौर के साथ जेमिमा ने 167 रनों की साझेदारी बनाई। 156 गेंदों की इस साझेदारी ने मैच को भारत की तरफ मोड़ दिया। हरमनप्रीत कौर शतक से चूक गईं। उन्होंने 88 गेंद पर 89 रनों की पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 17 गेंद पर 24 जबकि ऋचा घोष ने 16 गेंद पर 26 रनों का योगदान दिया। अंत में अमनजोत कौर ने 8 गेंद पर 15 रनों की नाबाद पारी खेली।

भारत के लिए दीप्ति ने लिए दो विकेट

लिचफील्ड की शानदार पारी का अंत अमनजोत कौर की गेंद पर हुआ जिसे वह डीप फाइन लेग में खेलना चाह रही थीं लेकिन इससे उनके मिडिल स्टंप उखड़ गए। भारत की सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली दीप्ति (73 रन देकर दो विकेट) को आखिरी क्षणों में दो विकेट मिले।

लिचफील्ड ने जड़ा था ऑस्ट्रेलिया के लिए शतक

सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 119 रन रनों की पारी खेली। एलिस पेरी (77 रन) और एश्ले गार्डनर (63 रन) के बल्ले से भी अर्धशतक निकला। बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने 49 रन देकर दो विकेट लिए। मेहमान टीम दो विकेट पर 220 रन के स्कोर से छह विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई लेकिन इसके बाद गार्डनर की 45 गेंद में चार चौके और इतने ही छक्के जड़ित पारी ने टीम को 300 रन के पार करा दिया।

लिचफील्ड व पेरी ने 155 रन की निभाई साझेदारी

लिचफील्ड ने 93 गेंद की पारी के दौरान 17 चौके और तीन छक्के जड़े। पेरी ने 88 गेंद में छह चौके और दो छक्के जमाए। लिचफील्ड और पेरी ने दूसरे विकेट के लिए 133 गेंद में 155 रन की साझेदारी निभाई। पारी की शुरुआत में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तीसरे ओवर में एलिसा हीली का कैच छोड़कर उन्हें जीवनदान दिया। हालांकि अंतिम एकादश में वापसी करने वाली ऑस्ट्रेलियाई कप्तान छठे ओवर में सस्ते में आउट हो गईं।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
एलिसा हीली बो गौड़	05	15	0	0
फोबे लिचफील्ड बो अमनजोत	119	93	17	3
एलिस पैरी बो राधा	77	88	6	2
बेथ मूनी का रोड्रिग्स बो श्री चरणी	24	22	3	0
अनाबेल का एवं बो श्री चरणी	03	06	0	0
एशले गार्डनर रन आउट	63	45	4	4
तहलिया मैक्ग्रा रन आउट	12	07	2	0
किम गार्थ रन आउट	17	17	0	0
अलाना किंग का रिचा बो दीप्ति	04	04	1	0
सोफी मोलिनू बो दीप्ति	00	01	0	0
मेगान शट नाबाद	01	01	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल : 49.5 ओवर में 338/10 रन
गेंदबाजी : रेणुका सिंह 8-0-39-0, क्रांति गौड़ 6-0-58-1, श्री चरणी 10-0-49-2, दीप्ति शर्मा 9.5-0-73-2, अमनजोत कौर 8-0-51-1, राधा यादव 8-0-66-1

भारत	रन	गेंद	4	6
शेफाली वर्मा पगबाधा बो गार्थ	10	05	2	0
स्मृति मंधाना का हीली बो गार्थ	24	24	2	1
जेमिमा रोड्रिग्स नाबाद	127	134	14	0
हरमनप्रीत कौर का गार्डनर बो सदरलैंड	89	88	10	2
दीप्ति शर्मा रन आउट	24	17	3	0
रिचा घोष का गार्थ बो सदरलैंड	26	16	2	2
अमनजोत कौर नाबाद	15	08	2	0

अतिरिक्त : 26, कुल : 48.3 ओवर में 341/5 रन
गेंदबाजी: मेगान शट 6-0-40-0, किम गार्थ 7-0-46-2, एशले गार्डनर 8-0-55-0, सोफी मालिनू 6.3-0-44-0, अनाबेल 10-0-69-2, अलाना किंग 9-0-58-0, तहलिया 2-0-19-0

क्रिकेट

सूर्यकुमार के फॉर्म में लौटने के बाद दूसरे मैच में भारत के हौसले बुलंद

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

कप्तान सूर्यकुमार यादव के फॉर्म में लौटने के बाद भारतीय टीम शुक्रवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक एमसीजी मैदान पर होने वाले दूसरे टी20 मैच के लिये यहां बुलंद हौसलों के साथ पहुंच गई है ।

अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और शिवम दुबे अपने आक्रामक खेल से टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की नयी परिभाषा गढने के बाद आस्ट्रेलिया पहुंचे हैं लेकिन पिछले कुछ समय से कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला खामोश रहना चिंता का सबब बना हुआ था । पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में हालांकि सूर्यकुमार ने 24 गेंद में 39 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की । उन्होंने जोश हेजलवुड को 125 मीटर ऊंचा छक्का लगाया जो लंबे समय तक याद रहेगा । भारतीय टीम लय बनाए रखने की पूरी कोशिश करेगी। बारिश के कारण हालांकि कैनबरा में दूसरा मैच धुल गया जब भारत ने 9 . 4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाये थे ।

सूर्यकुमार और शुभमन गिल दोनों आस्ट्रेलियाई आक्रमण की बखिया उधेड़ने को तत्पर लग रहे थे । मेलबर्न में भी शुक्रवार को बारिश होने का अनुमान है हालांकि भारतीय टीम अपनी लय बनाये रखने की पूरी कोशिश करेगी । दूसरे मैच से पहले भारत के लिये अच्छी बात सूर्यकुमार का फॉर्म में लौटना है ।

हेजलवुड पर होगा गेंदबाजी का जिम्मा

आस्ट्रेलियाई टीम भी काफी आक्रामक क्रिकेट खेलती है । हेड, मार्श, मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और जोश इगलिस बड़े स्कोर बनाने का माद्दा रखते हैं। मिचेल स्टार्क के टी20 से संन्यास और पैट कमिंस के चोटिल होने से गेंदबाजी में अनुभव कम लग रहा है । ऐसे में हेजलवुड पर आक्रमण की जिम्मेदारी होगी जिसमें जेवियर बार्टलेट, मैथ्यू कुन्हेमन और नाथन एलिस उनका साथ देंगे।

युवा एशियाई खेल : भारत को मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक

एजेंसी ▶▶| बहरीन

भारत ने एशियाई युवा खेलों में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के अलावा 'बीच कुश्ती' में भी तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजों खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी ने स्वर्ण पदक जीते जबकि लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इस तरह भारत के पदकों की संख्या 41 हो गई जिसमें 12 स्वर्ण, 15 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। सुबह के स्वर्णिम सत्र में खुशी (46 किग्रा) ने चीन की लुओ जिनशियू के खिलाफ 4-1 से शानदार जीत के साथ भारत के लिए मुक्केबाजी में दिन का पहला स्वर्ण जीता।

अहाना (50 किग्रा) ने इसके बाद एकतरफा जीत हासिल की जब पहले राउंड में ही दक्षिण कोरिया की मा जोंग हयांग के खिलाफ रैफरी को मुकाबला रोकने (आरएससी) के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद चंद्रिका (54 किग्रा) ने उज्बकिस्तान की मुहम्मदोवा कुमरिनिसो को 5-0 से हराकर भारत की स्वर्ण पदक की हैट्रिक पूरी की। पदक की गिनती और भी बढ़ सकती है क्योंकि हरनूर कौर (66 किग्रा) और अंशिका (80 किग्रा से अधिक) शाम के सत्र में अपने-अपने वर्ग में फाइनल में हिस्सा लेंगी जिसमें भारत की नजरें स्वर्ण पदक का रिकॉर्ड बनाने पर है।

आस्ट्रेलिया के युवा क्रिकेटर की अभ्यास के दौरान गले पर गेंद लगने से मौत

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

आस्ट्रेलिया के 17 वर्ष के क्रिकेटर बेन आस्टिन की यहां अभ्यास के दौरान गले में गेंद लगने से मौत हो गई जिससे 2014 में फिल ह्यूज की मौत की दुखद यादें ताजा हो गई। आस्टिन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। बेन फर्नट्री गली में अभ्यास के दौरान गेंद गले और सिर में लगी थी । वह टी20 मैच से पहले नेट अभ्यास कर रहे थे। उन्हें हादसे के बाद वेंटिलेटर पर रखा गया लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

खेल में फिर सुरक्षा उपकरणों की मांग जोर पकड़ने लगी : फर्नट्री गली क्रिकेट क्लब ने बृहस्पतिवार

को उनकी मौत की पुष्टि की । क्लब ने कहा ,'' हम बेन की मौत से बहुत दुखी हैं । उसके परिवार, दोस्तों और जानने वालों के प्रति हमारी संवेदनायें ।''अभ्यास के वक्त उन्होंने हेलमेट पहना था लेकिन 'नेकगार्ड ' नहीं । इस हादसे के बाद एक बार फिर हर स्तर पर खेल में सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग की मांग जोर पकड़ने लगी है ।

बेन के निधन से परिवार दुखी : इससे पहले क्रिकेट विक्टोरिया ने बेन के पिता जेस आस्टिन के हवाले से परिवार की ओर से एक बयान जारी किया था। बयान में कहा गया ,'' हम अपने चहेते बेन के निधन से बेहद दुखी हैं । ट्रेसी और मेरे लिये बेन लाड़ला बेटा था और कूपर तथा जाश का चहेता भाई था ।

हादसे ने उसे हमसे छीन लिया : वह हमारे परिवार और दोस्तों के जीवन का उजाला था । इस हादसे ने उसे हमने छीन लिया । उसे क्रिकेट से प्यार था और यह खेल उसके जीवन की खुशी था । इसमें यह भी कहा गया , हम उस गेंदबाज के भी साथ खड़े हैं जो उस समय नेट्स पर गेंदबाजी कर रहा था ।

आईटीआईए ने मॉरफिन के इस्तेमाल के लिए किया निलंबित

डोप टेस्ट में फेल हुए टेनिस खिलाड़ी दलविंदर निलंबित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने 2017 के राष्ट्रीय चैंपियन दलविंदर सिंह को प्रतिबंधित पदार्थ मॉरफिन के इस्तेमाल के लिए बृहस्पतिवार को निलंबित कर दिया। अप्रैल 2017 में करियर की सर्वश्रेष्ठ 791वीं एकल विश्व रैंकिंग हासिल करने वाले दलविंदर मार्च 2025 में मॉरफिन के लिए पॉजिटिव पाए गए थे। वह उस समय चंडीगढ़ में आईटीएफ विश्व टेनिस टूर प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे थे।

खेलने, कोचिंग देने या शामिल होने की स्वीकृति नहीं होगी

आईटीआईए ने विज्ञप्ति ने कहा, ''निलंबन के दौरान दिलविंदर को आईटीआईए (एटीपी, आईटीएफ, डब्ल्यूटीए, टेनिस ऑस्ट्रेलिया, फेडरेशन फ्रांसेइस डि टेनिस, विंबलडन और यूएसटीए) या किसी राष्ट्रीय संघ के सदस्यों द्वारा अधिकृत या मंजूर किसी भी टेनिस प्रतियोगिता में खेलने, कोचिंग देने या शामिल होने की स्वीकृति नहीं होगी।''

मॉरफिन नियम एस 7 के तहत प्रतिबंधित

टीएडीपी के तहत मॉरफिन नारकोटिक्स (2025 विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी प्रतिबंधित सूची के नियम एस सात) के वर्ग में प्रतिबंधित है। आईटीआईए से बातचीत के बाद दलविंदर ने एडीआरवी के सामने माना कि उन्हें लगता है कि मॉरफिन का स्रोत दर्द कम करने वाली दवा थी जो उन्होंने पॉजिटिव परीक्षण वाले दिन ली थी। खिलाड़ी के स्पष्टीकरण के मुताबिक दवा लगभग 12 महीने पहले कलाई की सर्जरी के बाद दी गई थी। हालांकि दलविंदर अपनी बात के समर्थन में और अधिक जानकारी नहीं दे पाए जिसमें कोई पैकेजिंग, रसीदें, प्रिस्क्रिप्शन या ली गई दबाव का नाम शामिल था।

दो साल का निलंबन प्रस्ताव दिया गया था

नियमों के मुताबिक खिलाड़ी को दो साल के निलंबन का प्रस्ताव दिया गया था जिसे मान लिया गया और यह 22 अक्टूबर 2025 से लागू हो गया। अयोग्यता का समय 21 अक्टूबर 2027 को खत्म होगा। जिस प्रतियोगिता में दलविंदर का परीक्षण पॉजिटिव आया उसके नतीजे, इनाम की रकम और रैंकिंग अंक भी जब्त कर लिए गए ।

अभिषेक नायर बने नाइट राइडर्स के मुख्य कोच

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बृहस्पतिवार को भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। इस तरह वह आईपीएल फ्रेंचाइजी में चंद्रकांत पंडित की जगह लेंगे जिन्होंने तीन सत्र तक यह जिम्मेदारी संभाली थी। नायर 2018 से केकेआर से जुड़े हुए हैं और उनके टीम प्रबंधन के अहम सदस्यों में से एक हैं। टीम चयन के मामले में ड्रेसिंग रूम में उनका काफी दबदबा रहा है। लगभग नौ महीने तक नायर भारतीय टीम में गौतम गंभीर के कोचिंग दल का हिस्सा थे लेकिन भारत के चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें बिना किसी औपचारिकता के बर्खास्त कर दिया गया।

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री श्रीवास्तव केके,** खसरा नंबर 643/1/बीए/4, पुराना नंबर 643/1ba[भाग], प.ह.नं. 23/40, प्लॉट क्रमांक 433/7, मकान शीट क्रमांक 27, मौजा तिफरा, कॉलोनी भारतीय नगर, गायत्री नगर वार्ड, बिलासपुर–छ.ग. 495001. **श्री श्रीवास्तव के.के.** पिता एस.पी. श्रीवास्तव, अयप्पा मंदिर के पास, भारतीय नगर, बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495001. **श्री श्रीवास्तव केके,** मैसर्स कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, एफ–1 प्रथम तल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉम, जरहाभाटा, बिलासपुर– छ.ग.– 495001. **श्रीमती श्रीवास्तव जया** पति के.के. श्रीवास्तव, वार्ड नंबर 11, अयप्पा मंदिर भारतीय नगर, बिलासपुर जिला–छत्तीसगढ़, 495001. **श्रीमती श्रीवास्तव जया,** खसरा नंबर 643/1/बीए/4, पुराना नंबर 643/1ba[भाग], प.ह.नं. 23/40, प्लॉट क्रमांक 433/7, मकान शीट क्रमांक 27, मौजा तिफरा, कॉलोनी भारतीय नगर, गायत्री नगर वार्ड, बिलासपुर–छ.ग. 495001..	₹ 34,96,107/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	28-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	सभी भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित रिहायशी मकान, खसरा नंबर 643/1 एवं 643/4, पुराना नंबर 643/1भाग, प.ह.नं. 23/40, प्लॉट नंबर 433/7, हाउस शीट नंबर 27, वार्ड 11, भारतीय नगर कॉलोनी, गायत्री नगर वार्ड, मौजा तिफरा, आरआईसी–सिरगिट्टी, विकासखंड–बिल्हा तह. एवं जिला–बिलासपुर छ.ग.
02.	**श्री राठौड़ मुकेश कुमार,** खसरा नंबर 54/16(भाग), नया ख.नं. 54/567, प.ह.नं. 20, प्लॉट नंबर 2/1(भाग), नया नंबर 2/3, हाउस शीट नंबर 12, मौजा लिंगियाडीह, ब्लॉक – बिल्हा, बिलासपुर छ.ग. 495006. **श्री राठौड़ मुकेश कुमार,** फ्लैट नंबर 101 एफ, मधु विश्व, बावधन, शिव सेना कार्यालय के पास, पुणे बावधन – महाराष्ट्र, 411021. **श्री राठौड़ मुकेश कुमार,** सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, पुणे बैनर हाई स्ट्रीट पुणे–महाराष्ट्र 411045. **श्रीमती राठौड़ कालिन्द्री बाई,** वार्ड क्रमांक 14, नूतन कॉलोनी, जांजगीर–चांपा, छत्तीसगढ़ 495668.	₹ 65,88,218/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	28-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित भूमि, खसरा नं. 54/16 (भाग), नया ख.नं. 54/567, प.ह.नं. 20, प्लॉट नंबर 2/1 (भाग), नया नंबर 2/3, हाउस शीट नंबर 12, मौजा लिंगियाडीह, विकासखंड–बिल्हा, तह. और जिला– बिलासपुर, छ.ग.
03.	**श्री टंडन नरेश कुमार,** फ्लैट–एलआईजी–220, फ्लोर–ग्राउंड, पं. दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जुनवानी, भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 490023. **श्री टंडन नरेश कुमार,** मकान नंबर 100, वार्ड नंबर 07, ठेलकाडीह, महरूमकला, राजनांदगांव – छत्तीसगढ़, 491444. **श्री टंडन नरेश कुमार,** जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड, ग्राम मालपुरी खुर्द, अहिवारा, धमधा – दुर्ग छत्तीसगढ़ 490036. **श्रीमती टंडन फगनीबाई** मकरूदास, मकान नंबर 100, वार्ड नंबर 07, ठेलकाडीह, महरूमकला राजनांदगांव–छ.ग., 491444 **श्रीमती टंडन फगनीबाई मकरूदास,** फ्लैट–एलआईजी–220, फ्लोर–ग्राउंड, पं. दीन दयाल आवास योजना, स.क्र., हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, जुनवानी, भिलाई दुर्ग छत्तीसगढ़ 490023.	₹ 7,14,844/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का रिहायशी फ्लैट–एलआईजी–220, फ्लोर–ग्राउंड, पं. दीन दयाल उपाध्याय आवास योजना, स.क्र., ख.नं. 201/3, छ.ग.हाउसिंग बोर्ड, वार्ड नं. 01 जुनवानी वार्ड, भिलाई, छ.ग.
04.	**श्री डोरा श्रीकांत रोक्कम,** खसरा नंबर 303/11(भाग), प.ह.नं. 2, मौजा चरोदा, मकान 303/11 (भाग), वार्ड नंबर 20, पंचशील नगर, दुर्ग, छ.ग. 493449. **श्री डोरा श्रीकांत रोक्कम** 558, पंचशील नगर पूर्व, पोस्ट बीएनवाई चरोदा, वार्ड 20, दुर्ग छत्तीसगढ़, 493449. **श्री डोरा श्रीकांत रोक्कम** घनकुन स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नंबर 78, फेस II, सिलतरा, रायपुर छ.ग. 492001.	₹ 19,88,507/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-25*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की भूमि जिसका खसरा नंबर 303/11((भाग), प.ह.नं. 2, मौजा चरोदा, मकान 303/11(भाग), वार्ड नंबर 20, पंचशील नगर, आरआईसी–भिलाई, तह.–पाटन, दुर्ग छ.ग.
05.	**श्री साहू रेवतीरमण** यूनिट–358, सिमरन सिटी, फेज़ 5, स.क्र., ख.नं. 236/1-2, 237/1, 238/1 से 6, 232/7-8-9-23-58, 235/4, 325/2-17-21-61-75, प.ह.नं 105, ग्राम: मठपुरेना, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001. **श्री साहू रेवतीरमण** नगरदा, बलौदा बाजार, छत्तीसगढ़ 493338। **श्री साहू रेवतीरामन,** डायवर्स लिंक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ए 4 एवं 5, सेक्टर 16, लॉजिक्स पार्क, नोएडा 201301.	₹ 20,65,358/- दिनांक 30 सितंबर 24* तक	05-नवंबर-2024*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तिति भूमि, उस पर निर्माण सहित – प्लॉट संख्या 358, 500 वर्ग फीट क्षेत्रफल निर्माण–878 वर्ग फीट,डुप्लेक्स हाउस, खसरा नं. 325/632, मठपुरैना में स्थित सिमरन सिटी, आवासीय कॉलोनी, फेज–05, वार्ड सं. 52, चंद्रशेखर आजाद वार्ड, प.ह.नं. 105, आरआईसी–रायपुर–1, तह. एवं जिला– रायपुर, छत्तीसगढ़ चौहद्दीः–उत्तर में–प्लाट 343, दक्षिण में–रोड, पूर्व में–प्लाट 359, पश्चिम में–प्लाट 357 से घिरा हुआ है।
06.	**श्री अवस्थी विक्रमादित्य** पिता स्व. श्री सुदीप अवस्थी, मकान नंबर–C/27, सेक्टर–01, बिंद्रावनगढ़, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **श्री अवस्थी विक्रमादित्य** मै. विनायक प्रिंटिंग एंड कंसल्टेशन, C/27, शंकर नगर, सेक्टर–1, रायपुर छत्तीसगढ़ – 492001. **श्री अवस्थी शिवादित्य,** C/27, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर छत्तीसगढ़, पिन – 492001 – भारत।	₹ 12,50,233/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (भौतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित भूमि, यूनिट–30–फेज–1–सेक्टर–2, श्री राधे कृष्ण नगर, फेज 1, सा.क्र., प.ह.नं. 03, नया खसरा का कुछ भाग– 15000/1, ग्राम–छछानपेरी, आरआईसी एवं तह.– अभनपुर, रायपुर छ.ग.
07.	**श्री अवस्थी विक्रमादित्य** पिता स्व. श्री सुदीप अवस्थी, मकान नंबर–सी/27, सेक्टर–01, बिंद्रावनगढ़, शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001. **श्री अवस्थी विक्रमादित्य** मै. विनायक प्रिंटिंग एंड कंसल्टेशन, सी–27, शंकर नगर, सेक्टर–1, रायपुर, छ.ग– 492001. **श्री अवस्थी शिवादित्य,** सी27, सेक्टर 1, शंकर नगर, रायपुर छत्तीसगढ़, पिन – 492001 – भारत।	₹ 14,92,245/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (भौतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की परिवर्तित भूमि, यूनिट–प्लॉट–3, फेज–1, सेक्टर–1, श्री राधे कृष्ण नगर, फेज 1, स.क्र., खसरा – 15000/1 का भाग, ग्राम–छछानपेरी आरआईसी एवं तह.–अभनपुर, रायपुर छ.ग.
08.	**श्रीमती दुबे शिल्पा** 129/बी, दिनदयाल आवास, गातापार, रायपुर, छत्तीसगढ़, 493661 **श्रीमती दुबे शिल्पा** मै. बलौदा बाजार इमेजिंग एवं डायग्नोस्टिक सेंटर, शनि मंदिर के पास, गौरव पथ दशहरा मैदान, बलौदा बाजार छत्तीसगढ़ 493332. **श्री दुबे संकेत** 129/बी, दिनदयाल आवास, गातापार, रायपुर छत्तीसगढ़, 493661. **श्री दुबे संकेत** मै. संकेत दुबे, 129/बी, दिनदयाल आवास, गातापार, रायपुर, छत्तीसगढ़, 493661.	₹ 6,87,445/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (भौतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग युक्त मकान, यूनिट नं.–106, अटल आवास योजना, क्र.सं., ख.नं. 523/2 भाग, प.ह.नं.–27, ग्राम–बेलभाटा, आरआईसी एवं तहसील–अभनपुर, रायपुर छ.ग.
09.	**श्रीमती खुटे लक्ष्मी,** खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17(भाग), मकान प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवारा, तहसील दमधा, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490042. **श्रीमती खुटे लक्ष्मी,** मकान नं. 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **श्रीमती खुटे लक्ष्मी,** विधि विभाग कार्यालय, प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001. **एम. हेमलता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17 (भाग), मकान प.ह.नंबर 44/49, मौजा जांजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील दमधा, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490042. **एम हेमलता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, मकान नंबर 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **दीपिका** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई के उत्तराधिकारी (मृतक पश्चात्) खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17 (भाग), घर प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवारा, तहसील दमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042. **दीपिका** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई के उत्तराधिकारी एवं नियोक्ता (मृतक पश्चात्) मकान नं. 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **नमिता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, खसरा नया नंबर 321/19, पुराना नंबर 321/17 (भाग), मकान प.ह.नंबर 44/49, मौजा जांजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील दमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042. **नमिता** पुत्री श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्रीमती खिचरिया लक्ष्मी बाई (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, मकान नंबर 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24 जांजगिरी, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **तेजस्वी** पुत्री श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) कानूनी संरक्षक (माता) श्रीमती लक्ष्मी खुटे एवं अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी, मकान संख्या 1124/जीए, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जांजगिरि, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **तेजस्वी** श्री लीलाधर की बेटी (मृतक पश्चात्) कानूनी संरक्षक (मां) श्रीमती लक्ष्मी खुटे और अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, नियोक्ता एवं श्री लीलाधर के उत्तराधिकारी (मृतक पश्चात्) पुराना नंबर 321/17(भाग), घर प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील दमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042. **भूमिजा** पुत्री श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) कानूनी संरक्षक (माता) श्रीमती लक्ष्मी खुटे एवं अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी और नियोक्ता। मकान संख्या 1124/गा, भाठापारा, भगत सिंह नगर, वार्ड 24, जंजगिरी, दुर्ग – धमधा, छत्तीसगढ़, 491001. **भूमिजा** पुत्री श्री लीलाधर मितकें कानूनी संरक्षक (माता) श्रीमती लक्ष्मी खुटे एवं अन्य ज्ञात एवं अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, श्री लीलाधर (मृतक पश्चात्) उत्तराधिकारी एवं नियोक्ता। पुराना नंबर 321/17(भाग), मकान प.ह.नं. 44/49, मौजा जंजगिरी, अहिरवाड़ा, तहसील धमधा, दुर्ग छत्तीसगढ़ 490042.	₹ 15,96,099/- दिनांक 30 जून 25* तक	23-जुलाई-2025*	27-अक्टू.-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की रिहायशी प्लॉट, प.ह.नं. 49, आरआईसी–अहिवारा, खसरा नं. 321/17 भाग, वार्ड 24, महात्मा गांधी वार्ड, ग्राम–जंजगिरि, तह.– धमधा, दुर्ग छ.ग.

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।
हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्ज़ा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।
उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

स्थान–रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर
दिनांक : 31.10.2025

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013

11 साल की पूजा बनी मुनकी की मां, चार महीने तक पाला हिरण का बच्चा

जयपुर। जैसलमेर जिले के लाठी क्षेत्र के सनावड़ा गांव में 11 साल की बच्ची पूजा ने ऐसा काम किया है, जिसने पूरे क्षेत्र को भावुक कर दिया। पूजा ने चार महीने पहले एक बेसहारा हिरण के बच्चे को गोद लिया, उसे अपने हाथों से पाला और उसकी देखभाल उसी स्नेह से की जैसे कोई मां अपने बच्चे की करती है। उस मासूम हिरण का नाम उसने प्यार से 'मुनकी' रखा।

दर्द से शुरू हुई ममता की यह कहानी

यह कहानी जून महीने की एक दोपहर की है, जब गांव के पास के खेतों में कुछ आवारा कुत्तों ने एक मादा हिरण पर हमला कर दिया। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब तक हिरण की मौत हो चुकी थी। पास में एक छोटा-सा हिरण का बच्चा छिपा हुआ मिला, जो भयभीत और बेसहारा था। उसी समय पूजा अपने पिता भगवान सिंह के साथ वहीं मौजूद थी। उसने अपने पिता से कहा कि पापा, इसे घर ले चलते हैं, नहीं तो यह भी मर जाएगी। बेटी की संवेदना देखकर पिता का दिल पिघल गया और वे हिरण के बच्चे को घर ले आए। इसी पल से शुरू हुई इंसान और वन्यजीव के बीच की एक अनोखी और भावनात्मक कहानी।

मुनकी को बना लिया परिवार का हिस्सा

घर लाने के बाद पूजा ने मुनकी को गाय और बकरी का दूध पिलाना शुरू किया। वह हर सुबह सबसे पहले मुनकी की देखभाल करती, उसे नहलाती, खिलाती और गोद में सुलाती थी। पूजा और मुनकी के बीच ऐसा गहरा रिश्ता बन गया कि अगर पूजा कुछ देर के लिए दूर चली जाती, तो मुनकी बेचैन हो जाती और खाना नहीं खाती। परिवार के लोगों का कहना है कि मुनकी ने पूजा को अपनी मां मान लिया था।

विदाई के वक्त छलक उठे आंसू

चार महीने तक पूजा ने मुनकी की देखभाल की। जब वह मजबूत और स्वतंत्र हो गई, तो वन विभाग ने उसे जंगल में लौटाने का निर्णय लिया। वनपाल कमलेश कुमार और वन्यजीव प्रेमी धर्मेंद्र पूनिया टीम के साथ गांव पहुंचे और पूजा को समझाया कि अब मुनकी को अपने असली घर यानी जंगल में रहना चाहिए। जब हिरण को ले जाने का समय आया, तो पूजा ने उसे गले लगाकर विदा किया और उसकी आंखों से आंसू बह निकले। पूरा गांव इस भावनात्मक दृश्य को देखकर भावुक हो उठा। पूजा ने कहा कि अब वो बड़ी हो गई है, अपने घर लौट गई है, लेकिन वो हमेशा मेरे दिल में रहेगी।

पूजा का वन अधिकारी बनने का सपना

वनपाल कमलेश कुमार ने इस घटना को वन्यजीव संरक्षण की मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि पूजा और मुनकी की कहानी यह साबित करती है कि ममता की कोई सीमा नहीं होती। वन्यजीव प्रेमी धर्मेंद्र पूनिया ने पूजा को सम्मानित किया और 500 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार दिया। अब पूजा का सपना है कि वह बड़ी होकर वन अधिकारी बने। वह कहती है कि मुनकी अब जंगल में खुश है। मैं बड़ी होकर उन सबकी रक्षा करूंगी जो बोल नहीं सकते।

महासागर में टिक-टिक करता 'टाइम बम'! फटा तो बदल देगा दुनिया का मौसम

लंदन। अंटार्कटिक महासागर इंसानों द्वारा फैलाई जा रही गर्मी और कार्बन को अपने अंदर स्टोर करके बैठा है। वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि कभी भी ये महासागर इंसानी डकार की तरह सारी गर्मी उगल सकता है। ऐसे में क्लाइमेट रिकवरी शुरू होने के राहत की सांस जल्दी नहीं मिलेगी। महासागर धरती को बचाने में ढाल बनकर खड़े होते हैं, इनकी प्रक्रिया धीमी पर प्रभावशाली होती है। दक्षिणी महासागर की बात करे तो ये पिछले सौ सालों से धरती को हीरो की तरह बचा रहा है। लेकिन, अब वैज्ञानिक चिंता जता रहे हैं कि जैसे ज्यादा खाना खा लेने पर उल्टी या डकार आती है और गैस निकल जाती है, जिससे पेट को आराम मिल जाता है। ठीक वैसे ही कार्बन और गर्मी से समंदर का पेट आग का गोला बन चुका है और अब इस बात का डर है कि समंदर डकार लेकर ये सारी गर्मी एक झटके में ना छोड़ दे। ऐसा हुआ तो आने वाले 100 सालों तक इसका प्रभाव रहेगा।

समुद्र में गर्मी नीचे की और जा रही है।

धरती पर मौसम और हवा के साथ-साथ वातावरण को बदलने में ज्यादा देर नहीं लगती है। जैसे आज तेज धूप पड़ रही है पसीने आ रहे हैं तो जरूरी नहीं की कल भी गर्मी ही होगी। ऐसा भी हो सकता है कि कल को आपको रजाई लेनी पड़ जाए। लेकिन, समुद्र के नीचे की दुनिया बिल्कुल अलग है, वहां इतनी जल्दी कुछ नहीं होता है। समंदर की दुनिया बहुत बड़ी, लेकिन धीमी होती है। इसमें बदलाव बड़े होते हैं जो देर से होते हैं और देर तक रहते हैं। समुद्र में गर्मी नीचे की और जा रही है। खासतौर से दक्षिणी सागर की बात करें तो यहां की धाराएं बदल चुकी हैं। पहले से ठंडी हवाएं ऊपर की ओर आती थी, लेकिन हम गर्मी नीचे की तरफ जा रही है और समंदर के नीचे लगातार एक बड़ा गर्मी का गुबार बन रहा है जो कि चिंता का विषय है।

ग्लोबल साउथ

मॉडल के हिसाब से ये बीयूआरपी पूरी विश्व पर बराबर असर नहीं करेगा, लेकिन अपने आस-पास के क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। ये मुख्यत दक्षिणी गोलार्ध पर ज्यादा प्रभावी होगा। यहां के ज्यादातर क्षेत्रों में पहले से ही सूखा, तूफान और खाने का संकट मंडराया हुआ है। ऐसे में यदि इस इलाके में तापमान बढ़ता है तो इसके परिणाम घातक हो सकते हैं। इस क्लाइमेट की जंग में ग्लोबल साउथ सबसे आगे खड़ा है और सबसे ज्यादा प्रभाव भी इसी इलाके पर पड़ने वाला है।

क्लाइमेट चेंज

क्लाइमेट को लेकर दुनिया यही सोचती है कि इंसान जितना कम कार्बन फैलाएगा, धरती उतनी ही ठंडी रहेगी। लेकिन, इस सोच और इसके परिणामों के बीच महासागर खड़े हैं। यही कारण है कि प्लान देर से असर दिखाएंगे। आज के कदम दशकों बाद नजर आने शुरू होंगे। ये सिर्फ एक टार्गेट नहीं बल्कि लंबी प्रक्रिया है।

कार्बन

इंसान गर्मी पैदा कर रहे हैं और महासागर अपने अंदर उस गर्मी को लॉक कर रहा है। दरअसल, जर्मनी के साइंटिस्ट्स ने एक मॉडल बनाया। इस मॉडल में समुद्र की गहराई, समुद्र की बर्फ, बारिश, हवा की गर्मी और नमी के साथ पेड़ों की भूमिका को भी दर्शाया गया है। इस मॉडल के जरीये सोचा गया है या कल्पना की गई है कि यदि मानव लगभग आगे के 70 साल और प्रदूषण फैलाता रहेगा और कार्बन दोगुना हो जाएगा तो एक दिन पूरी दुनिया जाग जाएगी जब अचानक से फॉलिस फ्यूल में भारी कमी आ जाएगी। इसके अलावा तापमान धीरे धीरे कम होने लगेगा।

समंदर लेगा डकार

जर्मनी के साइंटिस्ट्स ने जिस मॉडल को बनाया है , इस मॉडल के हिसाब से जब समंदर डकार लेकर सारी गर्म बाहर निकाल देगा तो धरती पर तेजी से तापमान बढ़ जाएगा। इसका असर औद्योगिक काल जितना खतरनाक भी हो सकता है, इतना ही नहीं इस गर्मी का असर 100 साल से भी ज्यादा रह सकता है।

क्या चींटियां बना सकती हैं दही? वैज्ञानिकों ने खोला राज

कोपेनहेगन। हम भारतीयों को दूध से दही जमाने की कला किसी से सीखने की जरूरत नहीं। घर में अगर थोड़ा दही बच जाए, तो अगली सुबह वही नए दही के लिए जामन बन जाता है। लेकिन, क्या आप जानते हैं, सिर्फ भारत ही नहीं, दुनिया के कई हिस्सों में दही तैयार करने के अपने-अपने अनोखे पारंपरिक तरीके हैं? कहीं मिट्टी के बर्तन का इस्तेमाल होता है, तो कहीं नीम की पत्ती या मिर्च डालकर दूध जमाया जाता है। पर आज हम जिस तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, उसे सुनकर आप सचमुच हैरान रह जाएंगे। क्योंकि, इसमें दूध को दही बनाने के लिए किया जाता है चींटियों का इस्तेमाल! क्या आपने कभी सोचा है कि सिर्फ चार चींटियां डालकर दूध को दही में बदला जा सकता है? सुनने में अजीब जरूर लग रह होगा, लेकिन यह सच है! हाल ही में डेनमार्क की कोपेनहेगन यूनिवर्सिटी और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ डेनमार्क के शोधकर्ताओं ने इस अनोखी परंपरा की सच्चाई सामने रखी है।

वैज्ञानिकों ने बताया कि यह प्रक्रिया कैसे काम करती है

चींटियों के शरीर में लैक्टिक एसिड और एसिटिक एसिड बैक्टीरिया पाए जाते हैं। यही बैक्टीरिया दूध को फाड़ने और जमाने का काम करते हैं। यह वही प्रकार के सूक्ष्म जीव हैं जो बाजार में बिकने वाले ब्रेड में भी मिलते हैं। इसके अलावा, चींटियों के शरीर में नेचुरल एसिडिक तत्व होते हैं, जो दूध का पीएस कम करते हैं, जिससे दही बनाने के लिए सही माहौल बनता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, ताजी और जीवित चींटियों से सबसे अच्छे नतीजे मिले। वहीं, फ्रोजन या सूखी चींटियों से दूध नहीं जम पाया।

यह प्रयोग घर पर करने की कोशिश न करें!

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि चींटियां पैरासाइट या हानिकारक बैक्टीरिया भी ला सकती हैं। इसलिए, इसे घर पर न आजमाएं। इस दिलचस्प खोज से प्रेरित होकर, डेनमार्क के मशहूर रेस्तरां के शेफ्स ने भी चींटी दही से कई नई डिशें तैयार कीं जैसे एक खास कॉकटेल और एंट-विच नाम की योगर्ट आइसक्रीम सैंडविच।

इतिहास के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक है बगदाद बैटरी

बगदाद। बगदाद बैटरी जिसे पार्थियन बैटरी भी कहा जाता है, इतिहास के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक है। यही वह रहस्य है जिसने जब वैज्ञानिकों के सामने आया, तो उनके चेहरों का रंग उड़ गया था, क्योंकि यह आधुनिक विज्ञान और इतिहास की समझ को चुनौती देता है।

बगदाद बैटरी क्या है : यह एक प्राचीन कलाकृति है जो तीन मुख्य भागों से मिलकर बनी है, जिसमें एक टेराकोटा (मिट्टी का) बर्तनः लगभग 130 मिमी (5 इंच) लंबा, एक तांबे की ट्यूब जो बर्तन के अंदर रखी गई थी और एक लोहे की छड़ शामिल थी जो तांबे की ट्यूब के अंदर लटकी हुई थी। इन भागों को एक साथ अलग रखने के लिए ऊपर की ओर बिटुमेन का इस्तेमाल किया गया था। यह कलाकृति 1936 में इराक के खुजुत रबू में मिली थी और माना जाता है कि यह पार्थियन (लगभग 150 ईसा पूर्व से 223 ईस्वी) या सासैनियन (224-650 ईस्वी) काल की है।

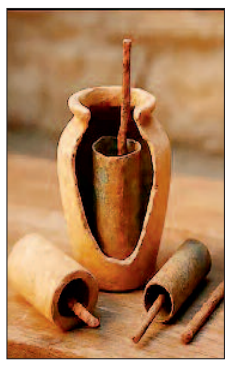

वैज्ञानिकों को चौंका दिया

जिस बात ने वैज्ञानिकों और इतिहासकारों को सबसे ज्यादा चौंकाया, वह थी जर्मन पुरातत्वविद् विल्हेम कोनिग की 1938 की परिकल्पना। कोनिग ने अनुमान लगाया कि यह कलाकृति एक गैल्वेनिक सेल या एक प्राचीन बैटरी थी।

इसका संभावित इस्तेमाल क्या था?

इलेक्ट्रोप्लेटिंगः सबसे व्यापक रूप से स्वीकृत सिद्धांत यह है कि इसका उपयोग चांदी की वस्तुओं पर सोने की पतली परत चढ़ाने (इलेक्ट्रोप्लेटिंग) के लिए किया जाता था।

इलेक्ट्रोथेरेपीः कुछ सिद्धांतों का मानना है कि इसका उपयोग दर्द निवारण या चिकित्सा के किसी रूप (इलेक्ट्रोथेरेपी) के लिए किया जाता होगा।

भारत की इस गांव में पैदा लेना चाहेगी हर लड़की, होती है दूल्हे की विदाई!

नई दिल्ली। भारत जैसे पुरुष प्रधान देश में, जहां बेटा जायदाद का हकदार माना जाता है और शादी में दुल्हन की विदाई का रिवाज है, मेघालय का खासी समुदाय एक अनोखा उदाहरण पेश करता है। यहां 'उल्टी गंगा' बहती है। वंश मां से चलता है, संपत्ति बेटियों को मिलती है और शादी के बाद दूल्हा ही ससुराल चला जाता है। यह मैट्रिलाइनियल सिस्टम, जो खासी, गारो और जैनतिया ट्राइब्स में प्रचलित है, महिलाओं को केंद्र में रखता है। यह सिस्टम लिंग समानता का वैश्विक मॉडल है, जहां महिलाएं फैसले लेती हैं और पुरुष सहयोगी होते हैं। खासी ट्राइब, जो मेघालय की 48% आबादी है, का इतिहास 5000 साल पुराना माना जाता है। यहां वंशावली मां से तय होती है। बच्चों का सरनेम मां का होता है। वहीं संपत्ति का हस्तांतरण सबसे छोटी बेटी 'का खड्डूह' को होता है जो परिवार की 'कीस्टोडियन' बनती है। अगर कोई बेटी ना हो, तो भतीजी को मिलती हो. पुरुषों को 'उ हेडार' कहा जाता है। वे संपत्ति के मालिक नहीं, सिर्फ संरक्षक होते हैं। शादी के बाद दूल्हा पत्नी के घर जाता है, अपनी मां का घर छोड़ कर. यह 'दूल्हे की विदाई' रिवाज समाज को मजबूत बनाता है।

चलता है महिलाओं का राज

महिलाओं का राज यहां साफ दिखता है। परिवार के बड़े फैसले—जैसे शादी, संपत्ति बंटवारा आदि महिलाएं लेती हैं। लेकिन, पुरुषों की भूमिका नगण्य नहीं है। मामा (कनी) का रोल महत्वपूर्ण होता है। वह भांजों का संरक्षक, शिक्षा-करियर का मार्गदर्शक होता है। एक अध्ययन के मुताबिक, खासी समाज में मामा-पुत्री का बंधन पितृसत्ता के पिता-पुत्र जैसा मजबूत है।

शादी के अनोखे रिवाज

इस ट्राइब में शादी के रीति-रिवाज अनोखे है। यहां क्लैन एक्सोगेमस यानी मां के गोत्र में विवाह वर्जित है। अगर ऐसा किया गया तो सामाजिक बहिष्कार कर दिया जाता है। प्रेम विवाह प्रचलित है, लेकिन परिवार की सहमति जरूरी है। दहेज नहीं लिया जाता, बल्कि दुल्हन पक्ष उपहार देता है। 2025 में एक सर्वे में पाया गया कि खासी महिलाओं में तलाक दर कम है। क्योंकि, संपत्ति का हक उन्हें मजबूत बनाता है। मेघालय के तीन मैट्रिलाइनियल समुदाय—खासी (पूर्वी), गारो (पश्चिमी), जैनतिया (जैनतिया हिल्स) हैं जो इस सिस्टम को अपनाते हैं। गारो में 'महारी' यानी सबसे छोटी बेटी को संपत्ति मिलती है। जबकि जैनतिया में साझा विरासत होती है। लेकिन, खासी सबसे प्रमुख है। यह सिस्टम पूर्वजों से चला आ रहा है जहां प्रकृति पूजा और एनिमिज्म में महिलाओं को देवी माना जाता है। शिलांग जैसे शहरों में भी यह जीवित है। हालांकि, शहरीकरण से बदलाव आ रहे हैं।

अरुणाचल की तेनजिन यांगी ने रचा इतिहास बनीं राज्य की पहली आईपीएस ऑफिसर

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश की तवांग की रहने वाली तेनजिन यांगी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने राज्य की पहली महिला आईपीएस ऑफिसर बनकर पूरे नॉर्थ-ईस्ट को गर्व करने का मौका दिया है। जाने माने उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने सोशल मीडिया पर उनकी तारीफ करते हुए उन्हें अपना 'मन्डे मोटिवेशन' बताया। महिंद्रा ने एक्स पर लिखा, 'एक एकेडेमिशियन, सिविल सर्वेंट और अब आईपीएस ऑफिसर... उन्होंने अपने माता-पिता की पब्लिक सर्विस की लेगेसी को आगे बढ़ाया है और अपनी अलग राह बनाई है। पहला होना कभी आसान नहीं होता। इसका मतलब है कि जब कोई नई राह बनाता है तो शुरुआत में उसे अकेले चलना पड़ता है। बाद में और लोग भी उसी रास्ते पर पर चलते हैं। तेनजिन यांगी ने 2022 की यूपीएससी सिविल सर्विस एग्जाम में ऑल इंडिया रैंक 545 हासिल की थी।

पब्लिक सर्विस से जुड़ा परिवार

तेनजिन का परिवार पब्लिक सर्विस से गहराई से जुड़ा रहा है। उनके पिता थुप्तेन टेम्पा आईएएस ऑफिसर और मंत्री रह चुके हैं, जबकि उनकी मां जिग्मी चोडेन अरुणाचल सरकार में सेक्रेटरी रह चुकी हैं। तेनजिन यांगी की यह उपलब्धि सिर्फ अरुणाचल ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पूर्व की महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व की भूमिकाओं में अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com